ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com • रांची • श्रावण कृष्ण पक्ष 06 • विक्रम संवत 2080 • रविवार, 09 जुलाई 2023 • वर्ष-24 • अंक- 156 • पृष्ठ-12 • मूल्य ₹ 2.00

शरमन जोशी ने थ्री इडियट्स सीक्वल पर...
पेज 12 पर

NEWS इन ब्रीफ

अवैध खनन मामले में कारोबारी टिंकल और भगवान भगत गये जेल

रांची। साहिबगंज में हुए लगभग एक हजार करोड़ के अवैध खनन मामले में गिरफ्तार पत्थर कारोबारी टिंकल भगत और भगवान भगत को शनिवार को ईडी ने कोर्ट में प्रस्तुत किया। ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा के आवासीय अदालत में दोनों को पेश किया गया। पेशी के बाद दोनों पत्थर कारोबारियों को जेल भेज दिया गया है। दोनों पत्थर कारोबारी को शुक्रवार को पूछताछ के बाद संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर ईडी ने गिरफ्तार किया था। ये दोनों अवैध खनन मामले में जेल में बंद आरोपित पंकज मिश्रा के सहयोगी बताए जा रहे हैं। पेश करने के साथ ही पूछताछ के लिए ईडी ने सात दिनों की रिमांड मांगी है। ईडी के रिमांड संबंधी आवेदन पर सोमवार को बहस होगी।

टीएसपीसी एरिया कमांडर गिरफ्तार

पलामू। चतरा जिले में शुक्रवार को पुलिस और प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमिटी (टीएसपीसी) के दस्ते के साथ हुई मुठभेड़ के बाद भागे स्वयंभू एरिया कमांडर को शनिवार को पलामू में गिरफ्तार कर लिया गया। यह मुठभेड़ कुंदा थाना क्षेत्र में हुई थी। यह जानकारी पलामू जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने दी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ पलामू जिले के सीमावर्ती थाना क्षेत्र मनातू से सटे कुंदा के जंगल में शुक्रवार को हुई थी। एएसपी ने बताया कि उस मुठभेड़ में पुलिस को भारी पड़ता देख 31 वर्षीय संतोष भुइयां भाग निकला था और जिले के मनातू थाना क्षेत्र अन्तर्गत नागर गांव में पनाह लिया था, जहां पुलिस के विशेष दल ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इस गांव में संतोष भुइयां का घर है। एएसपी ने बताया कि संतोष से पुलिस पूछताछ कर रही है। पूछताछ के बाद उसे चतरा पुलिस के हवाले कर दिया जाएगा।

रांची को जल्द एक और वंदे भारत एक्सप्रेस मिलेगी

रांची। रांची को एक और वंदे भारत एक्सप्रेस की सौगात मिलने वाली है। रांची और हावड़ा के बीच चलने वाली इस ट्रेन की टाइमिंग फिक्स कर दी गई है। शुक्रवार को सिकंदराबाद में इंडियन रेलवे टाइम टेबल कमेटी की मीटिंग में इसको मंजूरी दी गई। रांची से वंदे भारत सुबह 5:20 मिनट पर खुलेगी और दिन में 11:55 मिनट पर हावड़ा पहुंचेगी। वहीं हावड़ा से दोपहर 3:30 मिनट पर खुलेगी और रात 10:10 मिनट पर रांची पहुंचेगी।

फूलों की खेती से खिल रहा पलामू प्रमंडल के 450 से अधिक किसानों का जीवन

नवीन मेल संवाददाता। पलामू

प्रमंडल के पलामू, गढ़वा एवं लातेहार के कुछ किसानों ने फूलों की खेती कर अपनी पहचान बनाई है। किसान फूलों की खेती में न केवल संभावनाएं तलाश रहे हैं, बल्कि अधिक मुनाफा पाकर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। फूलों की खेती का सुखद परिणाम भी सामने आये हैं। किसानों की कड़ी मेहनत और स्थानीय प्रशासन के सहयोग से यह सब संभव हो पाया है। इसके लिए प्रमंडल के 459 किसानों के बीच उद्यान विभाग की ओर से फूल के पौधे वितरित किये गये थे।

पलामू में 130 किसानों ने की फूलों की खेती : पलामू के चैनपुर प्रखंड क्षेत्र के कंकारी, बसरिया कला, सलतुआ, बंदुआ आदि पंचायत के 130 किसानों के बीच गेंदा एवं ग्लैडियोलस के पौधे उपलब्ध कराये गये थे। चैनपुर के बसरिया कला की ललिता देवी, मंजू देवी, सोकरा की रीतू देवी, मीना देवी सहित अन्य महिला किसानों ने छोटे-छोटे पैच में फूलों की खेती की।

लातेहार में 20 हेक्टेयर में लगे पौधे : लातेहार जिले में 20 किसानों को गेंदा और ग्लैडियोलस फूल के पौधे उपलब्ध कराये गये थे। चंदवा प्रखंड क्षेत्र के किसानों ने 20 हेक्टेयर के क्षेत्रफल के लिए फूलों के पौधे विभाग से प्राप्त कर खेती की। मुख्य रूप से राजेन्द्र उरांव, निर्मला देवी, सगुना कुमारी आदि किसानों ने फूलों की खेती कर अपनी आमदनी बढ़ाई है।

गढ़वा के 175 किसानों ने लिए थे गेंदा फूल : गढ़वा जिले के 60 किसानों को गुलाब, 74 किसानों को ग्लैडियोलस एवं 175 किसानों के बीच गेंदा फूल के पौधे वितरण हुए थे। जिले के मेराल प्रखंड की अरंगी पंचायत के बनखेता गांव निवासी आरमा कुशवाहा एवं केतार प्रखंड के वेलावार निवासी अलताफ अंसारी ने भी फूलों की खेती प्रारंभ की है। किसानों ने बताया कि अन्य पारंपरिक खेती की अपेक्षा फूलों की खेती से उन्हें काफी फायदा हुआ है। फूलों की अच्छी खेती देख उनके मन भी प्रफुलित हो उठता है। उनके मान-सम्मान भी बढ़े हैं और क्षेत्र में अलग पहचान भी बनी है। वेलावार के ही सकील अंसारी, केतार के जितेन्द्र कुमार मेहता, मकरी के नसरूदीन मियां, रंका के पिंटू मालाकार आदि ने भी फूल की खेती प्रारंभ की है। इसके अलावा करूआ कला, नगर उंटारी आदि विभिन्न प्रखंडों के गांवों में किसान फूलों की खेती में जोर आजमा रहे हैं।

अलताफ ने लगाये विभिन्न प्रजाति के फूल : केतार प्रखंड के वेलावार निवासी अलताफ अंसारी एक एकड़ भूमि पर फूलों की खेती कर रहे हैं। वे गेंदा, गुलाब, रजनीगंधा, सूर्यमुखी आदि विभिन्न प्रजाति के फूलों की खेती की है। खेती में उनका परिवार भी सहयोग कर रहा है। फूल केतार सहित भवनाथपुर, कांडी एवं नगर उंटारी तक व्यापारी ले जाते हैं। फूल के साथ-साथ वे माला बनाकर भी बेचते हैं। कृषि विभाग से उन्हें सहयोग मिला है। इसके पूर्व वे पारंपरिक खेती करते थे, लेकिन उतनी मुनाफा नहीं होती थी, जितनी मुनाफा फूल की खेती से हुई है।

कम लागत में ज्यादा मुनाफा : मेराल के अरंगी बनखेता के आरमा कुशवाहा ने बताया कि कृषि-सह-उद्यान पदाधिकारी के प्रयास से उन्हें फूल के बीज उपलब्ध कराये गये थे। फूलों की ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

झारखंड सरकार जल्द शुरू करेगी गुरुजी क्रेडिट कार्ड स्कीम

छात्रों को मिलेगा 10 लाख तक का लोन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड सरकार छात्रों को करियर, उच्च शिक्षा और प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए मदद करने की तीन योजनाएं शुरू करने जा रही है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण योजना गुरुजी क्रेडिट कार्ड स्कीम है। गुरुजी क्रेडिट कार्ड स्कीम के तहत 12वीं के बाद प्रोफेशनल कोर्सेज की पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स को बिना गारंटी दस लाख रुपए तक का लोन उपलब्ध कराया जा सकेगा। इसके अलावा सीएम शिक्षा प्रोत्साहन योजना में 10वीं पास करने वाले छात्रों को उच्च शिक्षा संस्थानों में एडमिशन के लिए कोचिंग करने हेतु एक सत्र की पूरी फीस के अलावा 2500 रुपए प्रतिमाह की छात्रवृत्ति

और एकलव्य प्रशिक्षण योजना के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क कोचिंग के साथ प्रतिमाह ढाई हजार रुपए की छात्रवृत्ति दी जाएगी। झारखंड कैबिनेट की अगली बैठक में इन्हें मंजूरी मिलने की उम्मीद है। गुरूजी क्रेडिट कार्ड योजना के लिए तो सरकार ने 26.13 करोड़ का प्रावधान किया है। गुरूजी क्रेडिट कार्ड योजना झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इसके जरिए झारखंड से दसवीं और 12वीं पास करने वाले स्टूडेंट्स को इंजीनियरिंग, मेडिकल और लॉ की पढ़ाई के लिए बिना गारंटी दस लाख रुपये तक का लोन मिलेगा। स्टूडेंट्स को चार प्रतिशत ब्याज पर 15 साल के लिए लोन मिलेगा। इसमें 30 फीसदी राशि रहने-खाने और 70 फीसदी फीस के रूप में भुगतान होगा।

सरकार की दूसरी योजना सीएम शिक्षा प्रोत्साहन योजना है। इस योजना के तहत दसवीं पास छात्रों को उच्च शिक्षा संस्थानों में तैयारी के लिए सरकार मदद करेगी। योजना के तहत विद्यार्थियों को कोचिंग की एक सत्र की फीस और रहने-खाने के लिए हर महीने 2500 रुपए दिए जाएंगे। योजना के पहले चरण में 8000 छात्रों को मदद मिलेगी। इंजीनियरिंग, मेडिकल, क्लैट और मास कम्युनिकेशन, सीए और आइसीडब्ल्यूए में प्रवेश की तैयारी करने वालों को मदद दी जाएगी।

तीसरी योजना एकलव्य प्रशिक्षण योजना है। इसके जरिए यूपीएससी, जेपीएससी, एसएससी और रेलवे जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को निःशुल्क कोचिंग दी जाएगी। सरकार की ओर से तय कोचिंग संस्थान में यह व्यवस्था रहेगी। इसके अलावा एक साल तक छात्रों को रहने-खाने के लिए 2500 रुपए दिए जाएंगे।

आदिवासी संगठनों ने भाजपा कार्यालय का किया घेराव

यूनिफॉर्म सिविल कोड और म.प्र. पेशाब कांड को लेकर जताया विरोध

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राजधानी में आदिवासी समाज के कई संगठनों के द्वारा शनिवार को बीजेपी प्रदेश कार्यालय का घेराव किया गया। यूनिफॉर्म सिविल कोड और मध्यप्रदेश पेशाब कांड के विरोध में जमकर नारेबाजी हुई। घेराव के दौरान पुलिस प्रशासन ने आंदोलनकारियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक सभी आंदोलनकारियों को अरगोड़ा थाना लाया गया। घेराव के लिए निकले एक सौ से अधिक आदिवासी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। घेराव के दौरान केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि यूसीसी का विरोध हर हाल में होगा। हमलोग इसका विरोध कर समय करेंगे। क्योंकि इससे हमारा संविधानिक अधिकार छीना जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा आदिवासियों पर पेशाब किया जा रहा है। इस संदर्भ में आने वाला चुनाव में जवाब दिया जाएगा। उन्होंने अपनी बातचीत के दौरान दोषी को अभिलंब फांसी देने की मांग की।

आदिवासी जन परिषद के प्रेम शाही मुंडा ने कहा कि देश में भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र की हत्या कर रही है। यूनिफॉर्म सिविल कोड लाकर आदिवासियों को उसके संविधानिक अधिकार जैसे पांचवी अनुसूची, छठी अनुसूचित,समता जजमेंट, ट्राईबल सब प्लान, पेसा कानून और झारखंड राज्य के सीएनटी /एसपीटी एक्ट कानून सहित अपनी रूढ़िवादी परंपरा पर क्षति करना चाहती है। इसको आदिवासी जन परिषद बर्दाश्त नहीं करेगी। आने वाला समय में जनता के बीच जाकर भारतीय जनता पार्टी का पोल खोलेगी। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता लक्ष्मीनारायण मुंडा ने कहा कि यह बीजेपी और आरएसएस का प्रमुख एजेंडा है। एजेंडा को आदिवासी समाज के समाज को समझना होगा नहीं तो गुलामी करने के लिए तैयार रहो। आदिवासी मूलवासी जन अधिकार मंच के उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने कहा ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

अपराधी सुजीत सिन्हा का भाई छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। पलामू

नेशनल हाईवे 98 के निर्माण कार्य में लगी शिवालय कंस्ट्रक्शन कंपनी चपरवार साइड पर रंगदारी के लिए फायरिंग मामले में पुलिस ने अप्राथमिकी आरोपित और गैंगस्टर सुजीत सिन्हा के बड़े भाई अरुण सिन्हा (41) को पुलिस ने छत्तीसगढ़ के रायपुर से गिरफ्तार किया है। उसके मोबाइल फोन से कई अहम सुराग पुलिस को मिले हैं, जिस पर पुलिस कार्रवाई कर रही है। रंगदारी के पैसे को झारखंड के रियल स्टेट में बड़े निवेश की भी जानकारी मिली है। पुलिस ने अरुण सिन्हा के पास से दो मोबाइल फोन जप्त किए हैं। सुजीत सिन्हा के जेल में रहने के कारण उसके काले साम्राज्य को अरुण सिन्हा ही संचालित कर रहा था। शनिवार की शाम एसपी कार्यालय में पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि 27 जून को एनएच 98 कंस्ट्रक्शन साइट पर गोली चालन के बाद अनुसंधान के दौरान सामने आया था कि इसके पीछे कुख्यात अपराधी सुजीत सिन्हा का हाथ है। इसके गिरोह से जुड़े रांची के कांके से जिशान शेख उर्फ रिक्की को गिरफ्तार किया था। उसने पूछताछ के दौरान सुजीत सिन्हा गैंग में अरुण सिन्हा की बड़ी भूमिका बताते हुए कई अहम जानकारी दी थी।

पुलिस ने की छापेमारी, भारी मात्रा में गोली बरामद

रांची। ठाकुरगांव थाना पुलिस ने तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के उग्रवादियों के खिलाफ छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में गोलियां और अन्य सामान बरामद किया है। ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि टीएसपीसी का एरिया कमांडर पहाड़ी उर्फ रामेश्वर महतो अपने संगठन के पांच सदस्यों के साथ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा है। सूचना के बाद डीएसपी खलारी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम कार्रवाई करते हुए बगदा जंगल पहुंची।

नाबालिग लड़कियों का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले 4 गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता। लातेहार

बरवाडीह थाना क्षेत्र की दो नाबालिग लड़कियों का अपहरण कर दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने वाले चार आरोपितों को पुलिस ने गढ़वा से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों लड़कियों को भी अपराधियों के चंगुल से मुक्त करा लिया। गिरफ्तार आरोपियों में अजय केसरी, रितिक कुमार, आशीष कुमार और कुणाल कुमार शामिल है। सभी गढ़वा के रहने वाले हैं। शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में एसडीपीओ दीलू लोहरा ने बताया कि गत 29 जून को बरवाडीह थाना

क्षेत्र की रहने वाली दो नाबालिक लड़कियां घर से गायब हो गई थी। इस संबंध में लड़कियों के परिजनों ने बरवाडीह थाना में एक मामला दर्ज कराया था। इस मामले को पुलिस ने पूरी गंभीरता से लिया और एसपी के निर्देश पर टीम बनाकर छानबीन आरंभ की। छानबीन के क्रम में पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि लड़कियों को गढ़वा के कुछ अपराधियों ने अगवा किया है। प्राप्त सूचना के आधार ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

केमिकल फैक्टरी में स्लैब गिरने से दो मजदूरों की मौत

रांची। टाटीसिलवे थाना क्षेत्र के महिलोंग स्थित पारलीवाल केमिकल फैक्टरी की लापरवाही से दो मजदूरों की मौत हो गई। एल्युमिनियम स्लैब के नीचे दबने से संतोष कुमार और सुरेश महतो की मौत हो गयी। प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिजनों ने फैक्ट्री के सामने दोनों मजदूरों का शव रखकर प्रदर्शन किया। बताया जाता है कि 650 किलो से भी अधिक वजनी एल्युमिनियम के रख स्लैब के नीचे दबने से दो मजदूरों की मौत हो गई। इसको लेकर आक्रोशित परिजन ग्रामीणों के साथ फैक्ट्री पहुंच गये और प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया।

एसडीएम ज्योति मौर्या और नर्स सविता मौर्या प्रकरण का असर तमाम पत्नियों पर

उप्र-बिहार के पति छुड़ा रहे पत्नियों की पढ़ाई

आरएनएम। लखनऊ

पति मेहनत, मजदूरी, कर्ज लेकर, नौकरी करके पत्नी को बढ़ाये। और पत्नी जब सीपीएस बन जाए, नर्स बन जाए तो पत्नी लड़कर चली जाए। ऐसे दो मामले इन दिनों उ.प्र. में हर दूसरे घर में चर्चा का विषय बन गये हैं। इसका असर अब न केवल उ.प्र. बल्कि बिहार व अन्य राज्यों के पतियों पर पड़ने लगा है। मेहनत , मजदूरी व नौकरी करके, पेट काट कर अपनी पत्नियों को पढ़ा रहे पतियों ने अपनी पत्नियों को वापस बुलाना शुरू कर दिया है। ऐसे पतियों पर उनके घर वालों का भी दबाव बढ़ गया है कि पत्नी को पढ़ावोगे तो वह नौकरी लगने के बाद तुमको छोड़कर चली जा सकती है। फिर उसकी पढ़ाई में लिया कर्ज. भरते रहना। बच्चे पालते रहना। बरेली में एसडीएम पद पर तैनात दो बच्चों की मां ज्योति मौर्या ने अपने पति आलोक मौर्या के साथ जो कुछ किया ,उसके बाद अब कानपुर की नर्स सविता मौर्या द्वारा अपने पति अर्जुन को छोड़ने का मामला

गरमा गया है। सविता मौर्या का पति अर्जुन अपनी पत्नी की पढ़ाई में लिए गए कर्ज की भरपाई मजदूरी से करने को मजबूर है। इसके चलते परिवार परेशान है और आस लगाए बैठा है कि किसी तरह बेटे का परिवार पहले की तरह हरा-भरा हो जाए। साथ ही, बहु घर वापस आ जाए। कानपुर देहात के तहसील मैथा क्षेत्र के रविन्द्र पुरम गांव के रहने वाले अर्जुन की शादी 2017 में बस्ती जिले की रहने वाली सविता मौर्या से हुई थी। शादी के बाद सविता मौर्या में पढ़ाई की लगन देख अर्जुन ने सविता को पढ़ा लिखा कर काबिल बनाने का फैसला किया। नर्सिंग कराने के लिए सविता का दाखिला मंधना में बने रामा कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरा मेडिकल साइंस में करा दिया। साथ ही, खुद मजदूरी कर पैसों को इकट्ठा करने लगा। पढ़ाई पूरी होने के बाद सबसे पहले उसे दिल्ली में नौकरी मिली। सविता की नौकरी चल ही रही थी कि अर्जुन को कुछ शक हुआ। इसके बाद अर्जुन ने सविता को वापस बुला लिया और फिर तमाम कोशिशों के बाद सविता को कानपुर देहात के रसूलाबाद के नारखुर्द में बने स्वास्थ्य केंद्र में लगवाया। यहां उसे अच्छी खासी पेमेंट मिलने लगी। अब सविता के तेवर और मिजाज बदलने लगे। अर्जुन ने आरोप लगाते हुए बताया कि सविता उससे दूरी बनाने लगी।

वो कहने लगी तुम काले हो हमारा तुम्हारा स्टेट्स मेल नहीं करता है। इसके बाद विवाद शुरू हो गया। अर्जुन ने न्याय की गुहार लगाना शुरू किया, जिससे बिगड़े हालात सुधर सके। कर्ज में डूबे अर्जुन अभी भी पढ़ाई के दौरान लिए गए कर्ज को भर रहा है और घर पर पैसा मांगने पहुंचते हैं पीड़ित अर्जुन ने बताया क वह पत्नी को पढ़ाने की ललक में कर्ज में डूब गया और तकलीफ भरी जिंदगी गुजार रहा है। उन्होंने बताया जो मेरे साथ हुआ है, उसके बाद कोई भी व्यक्ति शादी के बाद अपनी पत्नी को नहीं पढ़ाएगा। ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

बक्सर में पति ने छुड़वा दी अपनी पत्नी की पढ़ाई

यूपी की पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्या केस के कारण एक पति अपनी पत्नी को शक की नजर से देखने लगा। अंत में ऐसा हुआ कि उसने अपनी पत्नी को प्रयागराज से बक्सर बुला लिया। दरअसल उसकी पत्नी प्रयागराज में रहकर सिविल सेवा की तैयारी कर रही थी और पीसीएस अफसर बनने का सपना देख रही थी। लेकिन, उसके पति पर ज्योति मौर्या केस का ऐसा प्रभाव पड़ा कि उसने अपनी पत्नी को वापस गांव बुला लिया। पत्नी ने अपने पति को काफी समझाने की कोशिश की। उसने कहा कि वह कभी कोई ऐसा काम नहीं करेगी। इसके बावजूद पति ने उसकी एक न सुनी और अपनी पत्नी की पढ़ाई छुड़वा दी।

प. बंगाल के पंचायत चुनाव में भारी हिंसा, 16 लोगों की हत्या

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में शनिवार को मतदान के दौरान राज्यभर में 100 से अधिक स्थानों पर हुई हिंसा में कम से कम 16 लोग मारे गए। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। जान गंवाने वाले 16 लोगों में से तृणमूल कांग्रेस के 09, सीपीएम के 02, आईएसएस के 01, भाजपा के दो और कांग्रेस के दो लोग शामिल हैं। हालांकि राज्य चुनाव आयोग ने सिर्फ तीन लोगों की मौत की पुष्टि की है। सुबह 07 बजे मतदान शुरू होते ही मुर्शिदाबाद जिले में तीन लोगों की हत्या की खबर आई। उसके बाद मालदा में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता की हत्या हुई। कूचबिहार के दिनहटा में भाजपा कार्यकर्ता को मौत के घाट उतारा गया जबकि नदिया, बर्दवान, उत्तर एवं दक्षिण 24 परगना में भी हत्या की घटनाएं सामने आती रहीं। हालांकि राज्य के चुनाव आयुक्त राजीव सिन्हा मतदान शुरू होने के तीन घंटे बाद दफ्तर पहुंचे। उनके पहुंचने से पहले राज्य चुनाव आयोग के दफ्तर में एक दर्जन से अधिक लैंडलाइन लगातार बजते रहे, लेकिन शिकायतें नहीं सुनी गईं। उसके बाद जब आए तो शांतिपूर्वक और सुरक्षित मतदान सुनिश्चित करने में आयोग की विफलता की जिम्मेदारी लेने के बजाय इसका ठीकरा कभी राज्य पुलिस पर तो कभी केंद्रीय बलों पर फोड़ते रहे। 16 लोगों की मौत के बावजूद चुनाव आयुक्त सिन्हा ने आधिकारिक तौर पर केवल तीन लोगों की मौत की पुष्टि की। हिंसा की घटनाओं के लिए केंद्रीय बलों को जिम्मेदार ठहराते हुए राजीव सिन्हा ने कहा कि केंद्रीय बलों की तैनाती के लिए हमने केंद्रीय गृह मंत्रालय को 25 जून को ही पत्र दे दिया था। कायदे से 27 जून को केंद्रीय बलों की तैनाती हो जानी चाहिए थी, लेकिन उसमें काफी देर हुई।

अल्पसंख्यक व पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति ने की विकास योजनाओं की समीक्षा

खूंटी के सभी प्लस टू विद्यालय में करें डे बोर्डिंग छात्रावास की व्यवस्था : लोबिन हेम्ब्रम

नवीन मेल संवाददाता

खूंटी। झारखंड विधानसभा की अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति के सभापति लोबिन हेमब्रम की अध्यक्षता में शनिवार को आयोजित बैठक में आरइओ, विशेष कार्य प्रमंडल, जल संसाधन, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, नगर विकास, खनन, उद्योग, उत्पाद विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। बैठक में समिति के सदस्य विधायक कोचे मुंडा और विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी

शामिल थे। मौके पर उपायुक्त ने समिति से मिलकर जिले में संचालित योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही जिले में किए जा रहे बहुउद्देशीय प्रयासों को भी साझा किया। बैठक में आरइओ विभाग की समीक्षा के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित सडक और पुल-पुलियों की जानकारी ली गई। आरइओं के कार्यपालक अभियंता द्वारा ग्रामीण इलाकों के लिए संचालित मुख्यमंत्री ग्राम सौंदर्यीकरण योजना की चर्चा करते हुए बताया कि विभाग की स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा गया है। समीक्षा के दौरान विशेष कार्य प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि जिले में चार उच्चस्तीय पुल के निर्माण का कार्य आंरभ है। निर्माण कार्य को निर्धारित समय तक पूर्ण करा लेने का निर्देश दिया गया। इस दौरान विद्युत आपूर्ति विभाग के कार्यपालक अभियंता द्वारा जिला अंतर्गत विद्युतिकरण की वर्तमान स्थिति संबंधित जानकारी प्राप्त करने के बाद समिति द्वारा निर्देशित किया गया कि बिलिंग के दौरान ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं के लिए 100 यूनिट मुफ्त बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

बंगाल पंचायत चुनाव को लेकर झारखंड बॉर्डर पर चेकिंग अभियान चलाया गया

मुरी। पश्चिम बंगाल में शनिवार को पंचायत चुनाव को लेकर बंगाल झारखंड के बॉर्डर पर मुरी ओपी के एस आई आशीष रंजन के नेतृत्व मे चेकिंग अभियान चलाया गया। चुनाव मे किसी तरह का अप्रीय घटना ना हो इसको लेकर झारखंड से बंगाल की ओर जाने वाली सभी वाहनों को रोककर बारीकी से जांच किया गया। इस मौके पर मुरी ओपी के दुर्योधन बड़ाईक, चन्द्र विजय लोहरा समेत पुलिसकर्मि मौजूद थे।

हेमंत सरकार में पारा शिक्षकों को नहीं मिल रहा है इंसाफ : रघुवर

नवीन मेल संवाददाता। रांची

हेमंत सरकार ने एक बार फिर से पारा शिक्षकों (सहायक अध्यापकों) को बहलाने का काम किया है। चुनाव से पहले हेमंत सोरेन ने पारा शिक्षकों के कई सब्जबाग दिखाये, लेकिन सत्ता में आते ही टाल मटोल करने लगे हैं। उक्त बातें झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रघुवर दास ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहीं। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन ने वादा किया था कि झारखंड राज्य के बीस वर्षों से कार्यरत सहायक अध्यापक को भाजपा सरकार द्वारा तय वेतनमान को बढ़ाकर दिया जायेगा। साथ ही सरकार बनने के तीन माह में नया वेतनमान लागू कर दिया जायेगा,

लेकिन आज तक सहायक शिक्षक इसका इंतजार कर रहे हैं। हमारी सरकार के समय बनाई गई नियमावली में सहायक अध्यापक को बिना परीक्षा दिये सीधे रूप से 5200-20200 रू का वेतनमान दिए जाने की तैयारी हो गई थी। परीक्षा पास करने के बाद सहायक अध्यापकों को 9300-34800 वाला वेतनमान मिलना था। वहीं हेमंत सोरेन ने 5200-20200 के वेतनमान के लिए सहायक आचार्यों के लिए सात घंटे की परीक्षा देना अनिवार्य कर दिया है। यह उनके साथ सरासर धोखा है। उन्हें बिना परीक्षा यह वेतनमान मिलना चाहिए। वर्तमान में हेमंत सरकार ने अल्पसंख्यक विद्यालयों में बिना टेट पास किए एवं परीक्षा दिए सीधी नियुक्ति कर दी है, तो सहायक अध्यापक जो 20 वर्षों से कार्यरत हैं, उन्हें वेतनमान देने में आना कानी क्यों कर रहे हैं। यह तुष्टिकरण नहीं है तो क्या है। आज राज्य के सहायक अध्यापक हेमंत सरकार पर विश्वास करके ठगा महसूस कर रहे हैं।

बेड़ो में जन्म और मृत्यु पंजीकरण के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

'इस अभियान को पूरा करें कर्मी'

नवीन मेल संवाददाता। बेड़ो

बेड़ो प्रखंड सभागार में जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण के विशेष अभियान चलाए जाने को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन बीडीओ डॉ प्रवीण कुमार की अगुवाई में की गई। बैठक में बीडीओ ने कहा कि झारखंड राज्य में जन्म-मृत्यु निबंधन का स्तर वर्तमान में लगभग 80% के आसपास है जो संतोषजनक नहीं माना जा सकता है। सरकार द्वारा निबंधन के लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके निमित्त दिनांक 14 जुलाई से 14 अगस्त 2023 तक राज्य में जिला एवं प्रखंड स्तर पर कोविड-19 की अवधि में छूटे हुए एवं अन्य छूटे हुए घटनाओं के शत-प्रतिशत निबंधन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के द्वारा जन जागरूकता के लिए एवं आम नागरिकों में जन्म

मृत्यु की घटना के निबंधन के महत्व को समझाने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार का कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस कार्य में जन्म-मृत्यु निबंधन कार्य से जुड़े हुए निबंध को आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहिया, सरकारी विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं अन्य संबंधित पदाधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। यह अभियान 14 जुलाई 2023 से 14 अगस्त 2030 तक चलेगा। बेड़ो प्रखंड के सभागार में उक्त कार्यशाला में प्रखंड के सभी आंगनबाड़ी सेविका, एएनएम ,सहिया प्राथमिक एवं मध्य विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक उपस्थित थे। उन सभी को इस अभियान की विस्तृत जानकारी दी गई। अभियान के प्रथम चरण में बिना निबंधित बच्चों की सूची बनाना है। इसमें बच्चे का जन्म स्थल की जानकारी, स्वघोषणा एवं माता-पिता का आधार कार्ड की कॉपी की आवश्यकता होगी। ज्ञात हो कि 0 से 21 दिन का निबंधन पंचायत सचिव के द्वारा होता है। 21 दिन से 1 वर्ष की अवधि तक का निबंधन प्रखंड विकास पदाधिकारी के सत्यापन के बाद पंचायत सचिव के द्वारा होता है। और 1 साल से अधिक आयु के बच्चों का निबंधन प्रखंड विकास पदाधिकारी के सत्यापन के बाद अनुमंडल पदाधिकारी के से होता है ।सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र अस्पताल में ही बनेगा। जन्म प्रमाण पत्र के साथ साथ लोगों की मृत्यु होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र भी उतना ही अनिवार्य है। अतः इस अभियान में मृत्यु प्रमाण पत्र भी बनाने के लिए प्रेरित करना है। प्रायः देखा जाता है 0 से 5 वर्ष के बच्चों का मृत्यु होने पर उनका मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बनायाहै इससे सरकार के पास डाटा उपलब्ध नहीं हो पाता है अतः इस अभियान में 0 से 5 साल के बच्चे के मृत्यु होने पर उसका भी मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए सभी कर्मी जागरूक करेंगे।

मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष के आवास पहुंचे बाबूलाल

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पूर्व मुख्यमंत्री व नव नियुक्त भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी शनिवार को मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद के वर्दवान कंपाउंड स्थिति आवास पहुंचे। राजेन्द्र प्रसाद ने बाबूलाल मरांडी को अपने आवास पर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित करते हुए, बुके देकर उन्हें भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बनने पर बधाई दी। अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद के आवास पर इस बीच मोर्चा से जुड़े मूलवासी सदान के कई प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे। जिसमें प्रमुख रुप से झारखण्ड आंदोलनकारी व मोर्चा के सलाहकार, क्षितीश कुमार राय, शिक्षाविद नागपुरी भाषा परिषद के अध्यक्ष डॉ डॉ राम प्रसाद शिक्षाविद डॉ अनिल कुमार मिश्रा, सेवा निवृत्त आईएएस अधिकारी एम बड़ाईक मीडिया प्रभारी विशाल कुमार सिंह, भी उपस्थित थे ।श्री मरांडी व मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद और सदान नेताओं के बीच राज्य की वर्तमान परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा हुई। मोर्चा के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने श्री मरांडी को मूलवासी सदानों की भावनाओं से उन्हें अवगत कराया।

बेड़ों के हजारों घरों में लगेंगे सदानी झंडा

रांची। शनिवार को मूलवासी सदानों के अधिकार व पहचान और आस्था के प्रतीक सदानी झंडा बेड़ों के सदानों के घरों पर लगेंगें। ज्ञात हो कि मूलवासी सदान मोर्चा की ओर से पूरे राज्य में सदानी झंडा लगाने का अभियान चल रहा है। इसी के तहत आज बेड़ों में कार्यक्रम रखा गया है। सदानों के प्रबुद्ध नेता और मोर्चा के सलाहकार क्षीतीश कुमार राय ने बताया कि इस अवसर पर मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगें। विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्मश्री मधु मंसूरी भी शामिल होंगें। कार्यक्रम में केंद्रीय पदाधिकारी भी शामिल होंगें। कार्यक्रम 2:30 बजे से होगा।

एक्सआईएसएस के निदेशक 9-12 जुलाई तक स्पेन में जेसुइट बिजनेस में लेंगे भाग

रांची। एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ. जोसफ मरियानुस कुजूर एसजे 9 से 12 जुलाई 2023 तक स्पेन के यूनिवर्सिडैड लोयोला अंडालुसिया कैंपस सेविला में जेसुइट बिजनेस स्कूलों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने जा रहे हैं। इस सम्मेलन का विषय है, वैश्विक नागरिकता के लिए शिक्षा सम्मेलन का उद्देश्य आज के गंभीर मुद्दों को संबोधित करना है, जैसे जेसुइट बिजनेस स्कूल हमारे छात्रों को अधिक भरोसेमंद, समावेशी, न्यायपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण दुनिया के निर्माण में नेतृत्व करने के लिए बेहतर तरीके से कैसे तैयार कर सकते हैं? सम्मेलन के दौरान जेसुइट बिजनेस स्कूलों को प्रभावित करने वाले ग्लोबल शिक्षा और उद्योग क्षेत्र के अनिवार्य मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। जैसे-जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आउटसोर्सिंग, ऑटोमेशन और बहुराष्ट्रीय/ वैश्विक कंपनियां विकसित हो रही हैं।

सोसई प्लस टू उच्च विद्यालय में अभाविप ने सामान्य प्रतियोगिता का किया आयोजन

मांडर। राष्ट्रीय छात्र दिवस सप्ताह समारोह के अंतर्गत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रांची ग्रामीण जिला के मांडर नगर इकाई के द्वारा प्लस टू उच्च विद्यालय में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य था उन्हें आने वाले समय में प्रतियोगिता परीक्षा के लिए तैयार करना एवं विद्यार्थी परिषद की जो राष्ट्रवाद की भावना है वह उन तक सुदृढ़ता से पहुंचाना। विद्यालय के शिक्षकों ने भी इस आयोजन की सराहना की और यथा संभव सहयोग किया। नगर मंत्री आदर्श प्रसाद ने बताया कि छात्रों के बीच इस तरह का आयोजन करके इनके अंदर प्रतियोगिता की भावना एवं राष्ट्रवाद की भावना को मजबूती के साथ पहुंचाना है ।रविवार को विजेता प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मानित सादे समारोह का आयोजन करके किया जाएगा। मौके पर जिला संयोजक उत्कर्ष तिवारी,नगर मंत्री आदर्श प्रसाद, सुनील उरांव, राजू रजक, सतीश,अमरेंद्र, श्रवन महली सहित अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

10 दिनों के अंदर दुकान नहीं हटाने पर होगी कार्रवाई

रातू। रातू थाना क्षेत्र के एनएच 75 व रोड किनारे बने नाले के ऊपर अतिक्रमण को लेकर शनिवार की दोपहर प्रखंड मुख्यालय रातू में बैठक रखी गयी। बैठक में रांची जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत रातू प्रमुख संगीता तिर्की, उपप्रमुख रियाजुल अंसारी, अंचलाधिकारी प्रदीप कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी हरिशंकर बारीक, थाना प्रभारी सपन कुमार महथा उपस्थित हुये। जिप अध्यक्ष निर्मला भगत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में रातू मुख्यालय के आसपास के क्षेत्रों में सड़क पर एवं सड़क पर बने नालियों पर हो रहे अतिक्रमण को अतिक्रमण मुक्त कराने पर बल दिया गया। साथ ही साथ मुख्यालय के आसपास के खराब सड़कों को ठीक करवाने पर विचार विमर्श किया गया। दुकानदारों से अपील किया गया कि 10 दिनों के अंदर खुद से सड़क पर किए गए अतिक्रमण को अतिक्रमण मुक्त करें क्योंकि उनके द्वारा अतिक्रमण किए जाने के कारण आए दिन सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहती है।

सामूहिक प्रयास से हम शिक्षा में ला सकते हैं क्रांतिकारी बदलाव : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता। खूंटी

उपायुक्त शशि रंजन की अध्यक्षता में शनिवार को आदर्श विद्यालय खूंटी में जिला स्तरीय प्रोजेक्ट आरआइइल से संबंधित प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें चयनित जिले के 23 विद्यालयों में से तीन प्रखण्ड खंटी, अड़की एवं मुरहु के माध्यमिक विद्यालय एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक और गणित, विज्ञान, अंग्रेजी एवं सामाजिक विज्ञान के शिक्षकों के अलावा प्रखण्ड एवं संकुल साधनसेवी, प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी एवं प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को प्रोजेक्ट अरआइइएल से संबंधित प्रशिक्षण-सह-उन्मुखीकरण कार्यशाला में

विस्तृत जानकारी देते हुए उपायुक्त के निदेश पर विभिन्न कोषांग का गठन किया गया है। शिक्षकों के साथ-साथ सभी कोषांगों के प्रभारियों को उनके आवंटित कार्य के संबंध में जानकारी दी गई। शेष तीन प्रखण्डों के छह विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों का प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण

ि के संबंध में जानकारी दी गई। शेष तीन प्रखण्डों के छह विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों का प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यशाला दस जुलाई को होगी

कार्यशाला दस जुलाई को होगी। प्रशिक्षण के दौरान उपायुक्त ने शिक्षकों को बताया कि 14 जुलाई को इस प्रोजेक्ट के तहत पहली बार जून माह तक पढ़ाये गये सिलेबस के आधार पर बच्चों का मूल्यांकन वस्तुनिष्ठ प्रश्न के अनुसार किया जाना है। प्रथम चरण में कक्षा 9वीं एवं 10वीं के बच्चों का मूल्यांकन किया जाना है, जिसमें 4190 बच्चे सम्मिलित होंगे। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि हम सभी के सामूहिक प्रयासों से शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव प्रदर्शित हो सकते हैं। इसके लिए सबसे अहम है हमारे माध्यमिक और उच्च विद्यालयों के बच्चों की मेंटल ट्रेनिंग, इसके लिए बच्चों को तैयार कर उनकी अकादमिक सफलता भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, हमारे विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धा के वातावरण के लिए तैयार करने की आवश्यकता है। डीसी ने कहा कि खूंटी जिला जनजातीय बहुल क्षेत्र है और हमारे जनजातीय बच्चों को प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए पूर्ण रूप से तैयार करने की आवश्यकता है।

घर का ताला तोड़कर जेवरात उड़ाने के मामले में तीन गिरफ्तार

रांची। रांची पुलिस ने रातू थाना क्षेत्र के आनंद नगर में पांच दिन पहले हुए चोरी की घटना का खुलासा कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में रोहित सिंह, सौरभ कुमार और अमित सोनी उर्फ मुन्ना सोनी शामिल है। आरोपियों के पास से तीन सेट सोने का झुमका, दो जोड़ी चांदी का बिछिया, एक चांदी की अंगूठी बरामद की है। मामले का खुलासा करते हुए ग्रामीण एसपी नौशाद आलम ने बताया कि तीन जुलाई को आनंदनगर निवासी चंद्रभूषण कुमार की पत्नी दोपहर में बच्चे को स्कूल से लाने के लिए घर बंद कर चली गई थी। एक घंटे बाद जब वह लौटी तो देखा कि उनके घर का ताला टूटा हुआ था। घर की अलमारी में रखे सोने के जेवरात व 27 हजार नगदी गायब है। इसके बाद चंद्रभूषण ने रातू थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर थाना प्रभारी सपन महथा के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज और गुप्तचरों की मदद से आरोपियों को शुक्रवार को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस के समक्ष अपना जुर्म स्वीकार किया है। ग्रामीण एसपी ने बताया कि इस मामले के एक अन्य आरोपी गोलू उर्फ राहुल को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, पलामू।

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

हरिहरगंज थाना कांड सं0–37/2019 दिनांक 26.04.2019 के अप्राथमिकी अभियुक्त संजय भोक्ता उर्फ संजय सिंह भोक्ता पे0 शिवलोचन भोक्ता सा+थाना छकरबंधा जिला गया बिहार के विरूद्ध माननीय न्यायालय द्वारा ईश्तेहार निर्गत किया गया है। अतः सभी जन साधारण से अनुरोध है कि अप्राथमिकी अभियुक्त संजय भोक्ता उर्फ संजय सिंह भोक्ता पे0 शिवलोचन भोक्ता सा+थाना छकरबंधा जिला गया बिहार के संबंध में सूचना/जानकारी प्राप्त होन पर पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी छत्तरपुरः– 9431706241

थाना प्रभारी, हरिहरगंजः– 9431706260

पुलिस अधीक्षक,
पलामू।

PR 301846 Police(23-24)D

कार्यक्रम | बीएयू में तीन दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित

'केवीके कर्मियों की समस्याओं का होगा समाधान'

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ पीएल गौतम ने कहा है कि कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) कर्मियों की प्रोन्नति और पेंशन लाभों संबंधी समस्याओं का समाधान आईसीएआर, संबंधित राज्य सरकारों और कृषि विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर निकालेगा। केवीके कर्मी कृषि विश्वविद्यालयों के स्टाफ हैं न कि आईसीएआर के इसलिए उन्हें विश्वविद्यालय के अन्य कर्मियों की तरह ही सभी सेवा शर्तों जैसे प्रोन्नति, मेडिकल, सेवानिवृत्ति आयु, पेंशन, ग्रेच्युटी, अर्जित अवकाश का नकदीकरण आदि का लाभ मिलना चाहिए। देश भर के जिलों में कुल 731 केवीके चल रहे हैं। केवीके कर्मी संबंधित राज्य और जिले के किसानों के लिए ही काम कर रहे हैं। आईसीएआर प्रति केवीके साल में डेढ़ करोड़ रुपए अनुदान देता है, जबकि पेंशन मद में राज्य सरकार को प्रति वर्ष केवल 20-25

लाख रुपए ही देना होगा। कृषि राज्य का विषय है इसलिए उन्हें समस्त पेंशन लाभ प्रदान करने के लिए राज्य सरकार को आगे आना चाहिए। अभी देश के 64 कृषि विश्वविद्यालयों में से केवल 14 कृषि विश्वविद्यालय ही केवीके कर्मियों को पेंशन दे रहे हैं । इस विषय पर झारखंड और बिहार के कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को राज्य सरकार से लगातार चर्चा करनी चाहिए। प्रधानमंत्री से लेकर सभी मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री केवीके के कार्यों की सराहना करते हैं इसलिए गंभीरता से लगा जाए तो इस समस्या का शीघ्र समाधान निकल जाएगा। डॉ गौतम शनिवार को रामकृष्ण मिशन आश्रम प्रेक्षागृह में बिहार और झारखंड के कृषि विज्ञान केंद्र की छठी वार्षिक कार्यशाला को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। सोमवार तक चलने वाली इस तीनदिवसीय कार्यशाला में बिहार और झारखंड के कुल 68 कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रधान भाग ले रहे हैं। कार्यशाला का आयोजन आईसीएआर के कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी) जोन-IV, पटना और बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। कार्यशाला का मुख्य विषय कृषि उद्यमिता विकास के लिए प्रौद्योगिकी का प्रयोग है। आईसीएआर के सहायक महानिदेशक (प्रसार शिक्षा) डॉ आरके सिंह ने कहा भारत सरकार पूर्वी राज्यों पर विशेष ध्यान दे रही है क्योंकि दूसरी हरित क्रांति इसी क्षेत्र से आनी है जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्रों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। प्रधानमंत्री केवीके तंत्र को और मजबूत करना चाहते हैं। नेशनल इनिशिएटिव आन क्लाइमेट रेसिलियंट एग्रीकल्चर (निकरा) के अंतर्गत केवीके में जो कार्य हुए हैं उस मॉडल को भूटान, नेपाल और कई अफ्रीकी देश भी अपनाना चाहते हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड का फार्मिंग सिस्टम और पारिस्थितिकी तंत्र बहुत खूबसूरत एवं सहनशील है। उन्होंने कहा कि जनजातीय उपयोजना (टीएसपी) के तहत होने वाले कामकाज को ज्यादा सिस्टमेटिक और परिणाम आधारित बनाने की जरूरत है।

श्याम मंदिर में भंडारे का किया गया आयोजन

रांची। श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में शनिवार को 70वा श्री श्याम भंडारा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यजमानश्री परिवार के राजकुमार बागला रेनू बागला सूरज प्रीति बागला ने परिवार के साथ भंडारे की सेवा निवेदित की। यजमानश्री बागला परिवार में भंडारे का प्रसाद खाटू नरेश सहित मंदिर में विराजमान सभी देवी देवताओं को अर्पित किया । मंडल के पहले महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया व उपमंत्री अनिल नारनौली ने भक्तों के साथ भोग भजन का गायन किया। आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी रुच रुच भोग लगाओ बाबा श्याम जी के भोग भजन में भक्तजन भाव विभोर हो गए बागला परिवार ने भोग लगे प्रसाद को विशाल भंडारे में मिलाकर महाप्रसाद बनाकर मंदिर के आचार्यों को चंदन वंदन कर भंडारे का प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। भंडारे के प्रसाद में इडली नारियल चटनी हलवा व आम का जूस का प्रसाद मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी की निगरानी में बनाया गया।

झारखण्ड सरकार, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, खूँटी

प्रथम शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के द्वारा प्रकाशित निविदा सूचना संख्या– DWSD/KHUNTI-05(SR)/2023-24 (1st Call), Dt.- 14.06.2023 P.R.No.–300017 Drinking Water & Sanitation (22-23):D के द्वारा प्रकाशित एवं प्रचारित निविदा (Name of Work- Relocation of T/W by Drilling 125/115 mm dia drilled Tube-Well in all kinds of soil rock for installation of hand pump with D.T.H Rig machine all complete including supplying all materials, labours, tools, drilling, rigs, air compressor and equipments as well as fuel lubricant for making 125/115 mm dia boring etc and cost of transporting rig machine and other vehicle up to site work "Turn Key Basis" Under D. W. & S. Division, Khunti for the Year 2023-24, Group No.- KHDT-01 एवं TODT-02) के तिथियों में निम्न प्रकार से संशोधन किया जाता है।

Date Revision	Previous Date	Revised Date
Date of Tender Uploading on Website	17.06.2023 at 05.00 PM	10.07.2023 at 09.00 AM
Bid Submission End Date	24.06.2023 upto 05.00 PM	17.07.2023 upto 05.00 PM
Last date of Submission of Cost of BOQ and EMD (Hard Copy)	26.06.2023 upto 02.00 PM	18.07.2023 upto 02.00 PM
Date of Opening of Tender	27.06.2023 at 11.00 AM	19.07.2023 at 11.00 AM
निविदा की शेष शर्तें पूर्ववत रहेगी।		

(ई० सुरेन्द्र कुमार दिनकर) कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, खूँटी

PR 301797 Drinking Water and Sanitation (23-24)_D

रिनपास में रह रहे चार विदेशी सहित 120 को है घर लौटने का इंतजार

नवीन मेल संवाददाता। रांची

आप सभी तो यह जानते ही होंगे कि राजधानी रांची के काके स्थित रिनपास मानसिक रोगियों के लिए एक बेहतरीन अस्पताल है। राज्य ही नहीं राज्य के बाहर से भी मानसिक रोगियों को यहां ठीक करवाने के लिए भर्ती करवाया जाता है। लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी रिनपास में एक बड़ी संख्या वैसे लोगों की भी है बिल्कुल ठीक हो चुके हैं, लेकिन उनके परिवार वाले उन्हें वापस नहीं ले जा रहे हैं। इसमें चार विदेशी नागरिक भी हैं। रिनपास में तीन बांग्लादेशी नागरिक, एक नेपाली नागरिक के अलावा कुल 116 ऐसे लोग हैं, जिन्हें उनके परिजनों ने रिनपास में वर्षों पहले भर्ती करवाया था, लेकिन अब उनके ठीक हो जाने के बावजूद वह उन्हें अपने घर नहीं ले जा रहे हैं। ऐसे में रिनपास प्रशासन ने रांची पुलिस सहित अन्य जिलों के पुलिस से मदद मांगी है ताकि ठीक हो चुके मरीजों को उनके घरों तक पहुंचाया जा सके। तीन बांग्लादेशी, एक नेपाली कर रहे अपनों का इंतजारः आलमगीर, जाहिद शरीफ और सिमोन तीनों ही बांग्लादेश के रहने वाले हैं। तीनों झारखंड के अलग-अलग शहरों में पुलिस को भटकते हुए मिले थे। खराब मानसिक स्थिति को देखते हुए तीनों को रांची स्थित रिनपास में भर्ती करवा दिया गया। ऐसा ही कुछ नेपाल के रहने वाले रूपम की भी कहानी है। वह भी पुलिस के द्वारा ही रिनपास में भर्ती करवाए गए थे।आलमगीर कोडरमा में भटकते हुए मिले थे। वहीं जाहिद दुमका में तो सिमोन रांची में मिले थे।

9 जुलाई से 19वीं झारखंड राज्य जूनियर वुशु प्रतियोगिता धनबाद में

रांची। 19वीं झारखंड राज्य जूनियर वुशु प्रतियोगिता का आयोजन धनबाद में 9 और 10 जुलाई को किया जा रहा है। जिसमें राज्य के विभिन्न जिलों के खिलाड़ी भाग लेंगे। यह प्रतियोगिता धनबाद जिला वुशु एसोसिएशन के तत्वावधान में टाटा कम्युनिटी सेंटर डिगवाडीह में आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता के लिए टाटा कम्युनिटी सेंटर में वाटरप्रूफ पंडाल लगाया गया है, ताकि बारिश के कारण खेल बाधित न हो। वहीं आम दर्शकों के लिए दर्शकदीर्घा भी बनाई गई है। जानकारी देते हुए एसोसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ। प्रदीप वर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता के आधार पर झारखंड जूनियर टीम का चयन किया जाएगा, जो आगामी जूनियर नेशनल में राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी। इस प्रतियोगिता के लिए तकनीकी समिति का भी गठन किया गया है। इसके सानदा कमिटी के चेयरमैन अमरेंद्र दत्त द्विवेदी, जबकि ताऊलू के चेयरमैन दीपक गोप को बनाया गया है।

मेदांता ने किडनी डिजीज सर्वाइवर्स के लिए पेशेंट कनेक्ट कार्यक्रम का किया आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मेदांता रांची ने मेदान्ता कनेक्ट पहल में 75 से भी ज्यादा वैसे किडनी डिजीज सर्वाइवर्स और उनके परिजनों को आमंत्रित किया था, जिनका यहां इलाज हुआ था और वह अभी स्वस्थ जीवन व्यतीत कर रहे हैं। आयोजन में इन सर्वाइवर्स ने मेदान्ता रांची की तरफ से किये गए इलाज, उनके केयर और डॉक्टरों की दिल खोलकर प्रशंसा की। किडनी डिजीज इस तरह से होता है कि जब इसके बारे में पहली बार सुना जाता है तो सामने अंधेरा छा जाता है। लेकिन मेदान्ता रांची और यहां के डॉक्टरों का बहुत-बहुत शुक्रिया, जो उन्होंने हमें बेहतर ट्रीटमेंट के साथ अपने परिवार का सदस्य समझा। दरअसल, यह उद्गार वैसे किडनी डिजीज सर्वाइवर्स का था, जिन्हें मेदान्ता रांची ने विशेष तौर पर मेदान्ता कनेक्ट पहल के तहत शुक्रवार को आमंत्रित किया था। इनमें यहां इलाज करा चुके पेशेंट्स के साथ ही उनके परिजन भी थे। इन सभी ने इस आयोजन में शामिल होते हुए अपनी दिल की बात रखी और मेदान्ता रांची के इस पहल की सराहना की। आयोजन में सर्वाइवर्स और उनके परिजनों ने कुछ प्रश्न भी किये, जिसका जवाब मेदान्ता रांची की एक्सपर्ट टीम ने दिया। जिससे वह संतुष्ट दिखे। इस मौके पर मेदान्ता रांची के डॉ. अमित कुमार, डॉ. सिद्धार्थ मिश्रा, डॉ. नमअली, डॉ. अरविन्द प्रकाश आहार विषेषज्ञ कई और डॉक्टर, केयरटेकर टीम, प्रबंधन के अधिकारी व अन्य लोग भी उपस्थित थे। किडनी के क्रोनिक मरीजों जिन्हें डायलिसिस की जरूरत होती है उनका सबसे बेहतर इलाज समय रहते ट्रांसप्लांट है। ट्रांसप्लांट करवा लेने से उन्हें गुणवत्तापूर्ण जीवन मिलता है और डायलिसिस से छुटकारा मिलता है। मरीज की बीमारी के इलाज में अच्छे परिणाम मिलते हैं। ये बातें मेदांता अस्पताल रांची में आयोजित कार्यक्रम में अस्पताल के नेफ्रोलॉजिस्ट और रीनल ट्रांसप्लांट फिजिशियन डॉ. अमित कुमार ने कही। वे अस्पताल के नेफ्रोलॉजी विभाग की ओर से किडनी के मरीजों और उनके परिजनों के लिए आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम में बोल रहे थे। इसमें उन्होंने कहा कि किडनी के मरीज अगर बेहतर इलाज करवाएं, अपनी दवाएं लेते रहे और संतुलित जीवनशैली अपनाएं तो लंबे समय तक बीमारी को नियंत्रण में रख सकते हैं। अगर डायबिटीज और ब्लड प्रेशर की समस्या है तो इसे नियंत्रित रखें। सूजन की समस्या है तो अपने डॉक्टर से मिलकर जांच और इलाज करवाएं। नियमित रूप से डॉक्टर के संपर्क में रहें। डॉक्टर की दी हुई दवाएं लेते रहे। उन्होंने कहा कि किडनी के मरीज जो डायलिसिस पर है उन्हें और उनके परिजनों रहना जरूरी है।

रेलवे ट्रैक का नट-बोल्ट खोल ले गए चोर, 3 के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

रांची। हटिया-राउरकेला रेलखंड पर धुर्वा थाना क्षेत्र के स्वर्णरेखा रेलवे ब्रिज के तीन नट असामाजिक तत्वों ने खोल दिए थे। संयोग था कि समय रहते इसका पता चल गया और बड़ा रेल हादसा टल गया। अधिकारियों ने इसे तत्काल ठीक कराया। इस संबंध में डीआरएम प्रदीप गुप्ता के निर्देश पर रांची रेलमंडल के रेलवे ब्रिज के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता कुनाराम मरांडी ने धुर्वा थाना में एफआईआर कराई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि अज्ञात साजिशकताओं ने रेल दुर्घटना कराने की नीयत से यह हरकत की है। प्राथमिकी में कहा गया है कि रांची के जगन्नाथपुर और धुर्वा थाना की सीमा पर पीठिया टोली के समीप बने स्वर्णरेखा रेल पुल के पोल संख्या 428 के समीप पुल में लगे लोहे के पिलर के तीन नट असामाजिक तत्वों ने दिये थे। यदि यहां से कोई ट्रेन पार होती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

रिम्स में गंदा पानी पीने को लोग हो रहे हैं विवश

बीमारी बढ़ने की ज्यादा आशंका

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में लापरवाही का आलम ये है कि यहां पीने के लिए साफ पानी तक नहीं है। पिछले कई महीनों से मरीज पानी के लिए परेशान हो रहे हैं, लेकिन रिम्स प्रबंधन अभी तक पानी के इंतजाम को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया है। पानी के लिए मरीज के परिजनों को लगभग एक किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। यहां भी उन्हें लाइन लगानी पड़ती है तब जाकर पानी नसीब होता है।आम तौर पर जब कोई बीमार होता है तो वह काफी परेशान हो जाता है। उसे अपना इलाज कराना होता है। ऐसे में वे उम्मीद लेकर रांची के रिम्स पहुंचते हैं। लेकिन यहां के जो हालात हैं वे मरीजों की परेशानी को कम करने की बजाय कई गुणा बढ़ा देते हैं। उन्हें ये भी डर लगता है कि इस अस्पताल में आने के बाद कहीं वे और ज्यादा बीमार ना हो जाएं। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि अस्पताल के वार्डों में पानी के लिए जो वाटर फिल्टर लगाए गए हैं, उससे निकलने वाले पानी का रंग पीला होता है, जाहिर है कि पानी बेहद गंदा होता है और पीने लायक नहीं होता। अगर गलती से भी इस पानी को कोई पी लेता है तो उसे खांसी होने लगती है, इसलिए डर से मरीज अपने परिजन को वार्ड का पानी नहीं पिलाते हैं। बता दें कि रिम्स में ज्यादातर वैसे मरीज आते हैं जो अत्यधिक गरीब होते हैं, ऐसे में उनके लिए बाहर के दुकानों से पानी खरीदकर पीना संभव नहीं हो पाता है। इसलिए मरीज के परिजन अपने मरीज को अकेले छोड़कर पानी भरने के लिए पहुंचते हैं। पानी लेने पहुंचे मरीज के परिजनों ने बताया कि वह अपने मरीज को अकेला छोड़कर पानी के लिए घंटों बाहर रहते हैं। यहां आने-जाने में करीब एक घंटे का वक्त लगता है, इसके अलावा पानी के लिए भी घंटों इंतजार करना पड़ता है। रिम्स अस्पताल में लोग इस उम्मीद के साथ आते हैं कि उन्हें बेहतर दवा और अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी लेकिन विभाग के कुशासन से रिम्स में साफ पानी तक उपलब्ध नहीं हो पाता।ईटीवी भारत की टीम ने जब मरीजों की परेशानी को देखते हुए प्रबंधन से बात की तो प्रबंधन की तरफ से जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ राजीव रंजन ने इस बात को माना कि पानी गंदा आता है। उन्होंने बताया कि मरीजों की परेशानी को कम करने के लिए पीएचडी और नगर निगम से बात की गई है। जल्द ही रिम्स के विभिन्न हिस्सों में पानी के लिए बेहतर व्यवस्था का इंतजाम कराया जाएगा। जिससे रिम्स के मरीजों को पीने के लिए स्वच्छ एवं निर्मल जल मिल सके।

झारखंड के 15 जिलों में पहुंचा डेंगू, अब तक मिले 60 मरीज

नवीन मेल संवाददाता। रांची

बारिश शुरू होने के साथ ही गर्मी से तो राहत मिल गयी है, लेकिन मच्छरों का डंक खतरनाक होने लगा है। मच्छर जनित रोगों से बचाव के कार्य अभी पूरी तरह शुरू भी नहीं हुए हैं। लेकिन मच्छरों ने आतंक मचाना शुरू कर दिया है। इस वर्ष जनवरी से जून तक राज्य में डेंगू के 58 मरीज मिल चुके हैं, जबकि, विगत दिनों में जमशेदपुर में और मरीज मिले हैं। यानी राज्य में इस साल अब तक डेंगू के 60 मरीज मिल चुके हैं। जनवरी से जून तक मिले कुल 58 मरीज में सर्वाधिक 18 मरीज (जुलाई में 2 मरीज) पूर्वी सिंहभूम में ही मिले हैं, वहीं रांची में 13 मरीज मिल चुके हैं। डेंगू के प्रसार की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बीते साल बारिश खत्म होने तक यानी जनवरी से अक्टूबर तक के 10 महीने में राज्य के 12 जिलों में महज 47 मरीज मिले थे। जबकि, इस साल बारिश अभी शुरू ही हुई है, लेकिन जनवरी से जून तक के महज छह माह में राज्य के 15 जिलों तक डेगू का प्रसार हो चुका है, कुल 58 मरीज मिल चुके हैं। डेंगू की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक ने बीते मई माह में ही राज्य के सभी उपायुक्तों को पत्र भेजकर एहतियाती उपाय सुनिश्चित करने की हिदायत दी है। सभी उपायुक्तों को अपने स्तर से आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत करते हुए जिले में हो रही निगरानी एवं पर्यवेक्षण कार्यों की निरंतर समीक्षा करने की हिदायत भी दी है।

छात्र जदयू के प्रदेश प्रभारी बने डॉ. विनय भरत

रांची। डॉ विनय भरत छात्र जदयू के प्रदेश प्रभारी बनाये गये हैं। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि के सहायक प्रोफेसर डॉ विनय भरत को छात्र जदयू का प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया है। प्रदेश जदयू कार्यालय में डॉ भरत को मनोनयन पत्र प्रदान कर प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो ने उन्हें पार्टी के सिद्धांतों के अनुरूप छात्र संगठन के विस्तार करने का निर्देश दिया। मौके पर छात्र जदयू के प्रदेश प्रभारी बनाए जाने पर डॉ भरत ने कहा प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो के आशा के अनुरूप छात्र जदयू का शशक्त संगठन प्रदेश में बनेगा।

रिम्स लाया गया पुलिस मुठभेड़ में घायल बदमाश

रांची। गिरिडीह में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ में घायल अपराधी को शनिवार को अचेत अवस्था में रिम्स के ट्रामा सेंटर में भर्ती किया गया है। न्यूरो सर्जरी विभाग के चिकित्सक उसका इलाज कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार देर रात मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कोलीमारण (महेशलुंडी) में हुई मुठभेड़ में दोनों ओर से गोलीबारी हुई थी, जिसमें एक अपराधी घायल हो गया था। डॉक्टरों के अनुसार, अत्यधिक रक्तस्राव के कारण वह अचेत अवस्था में है।

मारपीट करने के मामले में एफआईआर दर्ज

रांची। घर में घुसकर जान से मारने की धमकी देने और मारपीट कर जख्मी करने के मामले को लेकर सदर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। इस संबंध में शांति नगर निवासी दिलीप सिंह ने राजू परवेज , सद्दाम,आफताब, चांद,राजू, सोनू सहित 14 अज्ञात लोगों पर मारपीट कर जख्मी करने का आरोप लगाया है। दर्ज एफआईआर में बताया गया है कि वह अपने दोस्त नीरल तिर्की के यहां खाना खा रहा था। इसी दौरान राजू परवेज सहित 14 लोग वहां पहुंचे और गाली गलौज कर भूजाली से वार किये। बचने का प्रयास में भुजाली हाथ में लगा और खून निकलने लगा।

कृषि के क्षेत्र में झारखंड के पास ग्लोबल पहचान बनाने की क्षमता

रांची। कृषि और खाद्य प्रसंस्करण सम्मेलन का आयोजन आड्रे हाउस में किया गया। राज्य में कृषि की वर्तमान स्थिति, झारखंड को इस दिशा में आगे बढ़ने की क्षमता और संभावनाएं पर विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान इस क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं पर भी प्रकाश डाला गया। इसी क्रम में आज भारत सरकार की मिनिस्ट्री ऑफ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज, झारखण्ड उद्योग विभाग, पीएमएफएमई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सम्मेलन में राज्य के प्रगतिशील किसान, कृषि एवं वनोत्पाद से कुछ अलग करने वाले युवा एंटरप्रेन्योर, स्वयं सहायता समूह से जुड़ी दीदी और इस क्षेत्र में काम कर रहे एनजीओ के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पारस हॉस्पिटल के स्वास्थ्य कैंप में बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूह की दीदियों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई साथ ही चिकित्सीय परामर्श भी दिए गए।अधिकारी ने क्या बतायाः झारखंड उद्योग विभाग के अधिकारी प्रकाश सिंह ने बताया कि बढ़ती आबादी और कम होती खेती योग्य जमीन वर्तमान समय की बड़ी चुनौती है। इसके साथ-साथ जलवायु परिवर्तन भी कृषि उत्पादकता को प्रभावित कर रहा है। इन्हीं कारणों से भारत की बड़ी आबादी को भोजन उपलब्ध कराना एक बड़ा चैलेंज है।

राज्य के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में 11-12 जुलाई को भारी बारिश की चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मानसून की सक्रियता तेज हो गई है। अब 11 और 12 जुलाई को राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश होगी। इसको लेकर भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दो दिनों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। यह चेतावनी उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों के लिए दी गई है। दो दिनों तक देवघर, धनबाद, दुमका, गिरीडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहेबगंज इलाके भारी बारिश की चपेट में रहेंगे। पिछले 24 घंटों के अंतराल में भी राज्य के कई हिस्सों में मेघगर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। राज्य में मानसून की गतिविधियां सामान्य रहीं। सबसे अधिक वर्षा 49.2 मिलीमीटर पाकरटांड़, सिमडेगा में हुई। सबसे उच्चतम तापमान 35.4 डिग्री सेल्सियस डालटनगंज में दर्ज किया गया। वहीं, सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस रांची में दर्ज हुआ। शनिवार को रांची में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। रांची में 0.3 मिलीमीटर बारिश का आंकड़ा दर्ज किया गया। इसके अलावा जमशेदपुर में 06, डालटनगंज में 16 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके अलावा गिरीडीह में पांच, गोड्डा में 19.5, गुमला में 11.5, साहेबगंज में 1.5 मिलीमीटर व सिमडेगा में 8.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

बाबूलाल ने आदिवासी संगठनों के प्रदेश भाजपा कार्यालय घेराव को नौटंकी कहा

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को आदिवासी संगठनों के भाजपा प्रदेश कार्यालय घेराव कार्यक्रम को हेमंत सरकार की प्रायोजित राजनीतिक नौटंकी कहा है। मरांडी ने कहा कि भाजपा प्रदेश कार्यालय का घेराव करने वालों को सबसे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास का घेराव करना चाहिए। क्योंकि, हेमंत सोरेन ने आदिवासी के नाम पर सबसे ज्यादा आदिवासी को ही प्रताड़ित किया है। हेमंत सरकार का स्वागत चाईबासा में आदिवासियों के नरसंहार से हुआ। होनहार आदिवासी दारोगा रूपा तिर्की की हत्या,पशु तस्करों के द्वारा दारोगा संध्या टोपनो की हत्या, सिदो कान्हो के वंशज रामेश्वर मुर्मू की हत्या हेमंत सरकार की देन है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के

मध्यप्रदेश की जिस घटना को तूल देने की कोशिश की जा रही उसपर कठोर कानूनी कार्रवाई मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कर दी है

पिछले साढ़े तीन वर्षों के शासन काल में 5500 से अधिक बहन-बेटियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं घटी हैं, जिसमें अधिकांश आदिवासी और दलित समाज की ही बेटियां हैं। उन्होंने कहा कि प्रीमिटिव ट्राइब्स की बेटी रुबिका पहाड़िया की नृशंस हत्या टुकड़ों-टुकड़ों में काटकर की गई। मांडर में आदिवासी छात्रा के साथ कार में सामूहिक दुष्कर्म की शर्मनाक घटना हुई। खूंटी में प्रशिक्षु महिलाओं के साथ दुष्कर्म हुए लेकिन मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिजनों से मिलना भी उचित नहीं समझा। मरांडी ने कहा कि मध्यप्रदेश की जिस घटना को तूल देने की कोशिश की जा रही उसपर कठोर कानूनी कार्रवाई मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कर दिया है। मुख्यमंत्री ने पीड़ित व्यक्ति के पैर धोकर माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन में हिम्मत है तो वे आदिवासी दलित विरोधी कृत्यों के लिए समाज से और पीड़ित परिवार से माफी मांगे।

गैंगस्टर सुजीत सिन्हा के सहयोगी प्रभात कुमार यादव की जमानत पर फैसला 13 को

रांची। रांची के एनआईए कोर्ट में लातेहार में हुए तेतरियाखाड़ कोलियरी आगजनी मामले में जेल में बंद गैंगस्टर सुजीत सिन्हा के सहयोगी प्रभात कुमार यादव की जमानत पर सुनवाई हुई। एनआईए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एमके वर्मा की अदालत ने शनिवार को दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद जमानत पर आदेश सुरक्षित रख लिया। अदालत अपना आदेश 13 जुलाई को सुनाएगी। एनआईए ने लातेहार में पीएलएफआई उग्रवादी संगठन द्वारा जबरन वसूली के मामले में पांच अगस्त 2021 को सुजीत सिन्हा, अमन साव समेत 17 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें प्रभात यादव का नाम शामिल है। प्रभात ने 19 मई को जमानत याचिका दाखिल की थी।

दहशत फायरिंग मामले में जांच जारी, पुलिस को अब तक नहीं मिले सुराग

अमन के गुर्गे ने दी चेतावनी, कहा-जुबान पर लगायें लगाम

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र में कोयला कारोबारी रंजीत कुमार गुप्ता उर्फ छोटू गुप्ता पर हुई फायरिंग मामले में अब तक पुलिस के हाथ कोई ठोस सुराग नहीं लगा है। इस वजह से किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। हालांकि, पुलिस मामले के खुलासे के लिए ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है। रंजीत की पत्नी अंजु गुप्ता के बयान पर एफआईआर दर्ज किया गया है। घायल कारोबारी रंजीत कुमार गुप्ता मुरी के हिंडाल्को जाने वाले थे और वहां दोपहर को मीटिंग थी। इसी बीच घात लगाए अपराधियों ने उन्हें को गोली मार दी। मामले में बाइक सवार दो अज्ञात अपराधियों को आरोपित बनाया गया है। सिटी एसपी शुभांशु जैन ने बताया कि मामले की जांच जारी है लेकिन अब तक पुलिस को कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। फिलहाल किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस यह कोशिश कर रही है कि मामले का खुलासा जल्द से जल्द हो। इसके लिए छापेमारी की जा रही है। उधर, अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने सोशल मीडिया फेसबुक पर पोस्ट किया है कि रंजीत गुप्ता उर्फ छोटे गुप्ता को ईश्वर ने बचा लिया। हमने उसे मार दिया था। अब नयी जिंदगी मिली है तो उसे चेतावनी है कि जुबान पर लगाम रखे और बॉस या मेरे बारे में अनर्गल बयानबाजी नहीं करे वरना रांची नहीं लंदन में भी रहेगा तो ठोक देंगे। साथ ही लिखा है कि उन्हें भी चेतावनी है जो बॉडीगार्ड लेने के लिए और अपना स्टेटस सिम्बल मेंटेन रखने के लिए बॉस के नाम पर और मेरे नाम पर फर्जी केस करते हैं। मयंक सिंह ने लिखा है कि मैंने पहले भी कहा था और अभी भी कह रहा हूं, जहां तक मेरा कॉल जाता है, वहां तक मेरी गोली भी जाती है, चाहे वो कितना भी पावरफुल हो। हर उस आदमी को बता देना चाहता हूं कि जिन्हें मेरा कॉल गया है, उन्हें देर सबेर मेरी गोली मिलेगी। मयंक सिंह ने पोस्ट में आगे लिखा है कि झूठा हवा बनाते हैं कि फलाना सांसद का आदमी हूं। फलाना मंत्री तक मेरी पहुंच है। फलाना अधिकारी से मेरा उठना बैठना है। ऐसे लोग अब अपनी गाड़ी में बॉडीगार्ड के साथ एक-एक ऑक्सीजन सिलेंडर और हो सके तो डॉक्टर भी लेकर चलें। ऐसे लोग जिन्होंने बॉस और मेरा इगो हर्ट किया है, ईमानदारी के साथ मीडिया में माफी मांगें। ईमानदारी से झारखंड पुलिस को बॉडीगार्ड वापस करें और चैन से अपना कारोबार करें। मुझसे जितनी मेहनत करायेंगे आपको उतनी तकलीफ होगी।

बीएड एडमिशन की काउंसलिंग शुरू

पहले राउंड की काउंसलिंग के लिए 14 जुलाई तक देना होगा आवेदन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड के 136 बीएड कॉलेजों में उपलब्ध 13 हजार से अधिक सीटों में एडमिशन की प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा परिषद ने पहले राउंड की ऑनलाइन काउंसलिंग का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस काउंसलिंग प्रक्रिया के जरिए शैक्षणिक सत्र 2023-25 में एडमिशन होगा। पहले राउंड की ऐडमिशन काउंसलिंग में शामिल होने के लिए एंट्रेंस परीक्षा पास उम्मीदवारों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके बाद उन्हें चॉइस फिलिंग करनी होगी। चॉइस फिलिंग के बाद मेरिट लिस्ट प्रकाशित किया जाएगा। जिसके आधार पर जिस स्टूडेंट को उनके चयनित कॉलेजों में से जो एलॉट किया जाएगा। उन्हें उस संस्थान में जाकर एडमिशन लेना होगा। झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद ने कहा है कि ऑनलाइन काउंसलिंग में शामिल हो रहे उम्मीदवार सीटों के अलॉटमेंट के लिए अधिक से अधिक कॉलेजों का सेलेक्शन करेंगे। इस ऑनलाइन काउंसलिंग में शामिल होने के लिए परीक्षार्थियों को काउंसलिंग की फीस देनी होगी। निर्धारित फीस के अनुसार सामान्य, ईडब्ल्यूएस, बीसी 1 और बीसी 2 केटेगरी से आने वाले उम्मीदवारों को 400 रुपये काउंसलिंग फीस देना होगा। वहीं अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और सभी श्रेणी की महिला में उम्मीदवार को 250 रुपये काउंसलिंग फीस लगेगी। नोटिफिकेशन के अनुसार ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। रजिस्ट्रेशन के साथ चॉइस फिलिंग करने की आखिरी तिथि 14 जुलाई है। आवेदन में किसी तरह का परिवर्तन करना हो तो 15 और 16 जुलाई को ऐसा किया जा सकता है। प्रोविजनल सीट एलॉटमेंट लेटर 20 तारीख को जारी किया जाएगा।

जमीन हड़पने की कोशिश करने के तीन आरोपियों के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

रांची। सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जस्टिस स्व. युसूफ इकबाल की जमीन की बाउंड्री तोड़ कर जमीन हड़पने की कोशिश करने के तीन आरोपितों के घर पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया है। पुलिस ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपित पप्पू गद्दी, कांजा गद्दी और मो तामो उर्फ अली हुसैन के घर इश्तेहार चिपकाया। पुलिस अब जल्द ही कुर्की जब्ती की कार्रवाई करेगी। यह कार्रवाई कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने की। उल्लेखनीय है कि भू-माफियाओं ने सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जस्टिस स्व. युसूफ इकबाल की जमीन हड़पने कोशिश की थी। इसको लेकर लोअर बाजार थाना में जमीन की देखरेख के लिए प्रतिनियुक्त हवलदार जैनुल अंसारी की ओर से 25 जून को मामला दर्ज कराया गया था।

रोजगार मेला : 800 युवक-युवतियों को मिला नियुक्ति पत्र

टुंडी विधायक व जिप अध्यक्ष ने राज्य सरकार की पहल को सराहा

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा शनिवार 8 जुलाई को नियोजनालय में रोजगार मेला का आयोजन किया गया. मेला में बेरोजगारों का हुजूम उमड़ पड़ा. जिले के कोने कोने से भारी संख्या में युवक युवतियां मेला में पहुंचे. कौशल विकास परीक्षण प्राप्त 800 युवाओं को टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो व जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने नियुक्ति पत्र सौंपा. दोनों प्रतिनिधियों ने सरकार के इस प्रयास की सराहना की. उन्होंने युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में मेले का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कौशल विकास पदाधिकारी प्रवीण कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री सारथी योजना के तहत मेले का आयोजन किया गया है. मेला में धनबाद की 15, रांची की 5 तथा अन्य राज्यों की 13 को मिला कर कुल 33 कंपनिया पहुंची हैं. दोपहर तक 7 हजार युवाओं का रजिस्ट्रेशन हुआ. बारी बारी से शैक्षणिक योग्यता की जांच के साथ साक्षात्कार लिया गया. उसके बाद योग्य उम्मीदवारों के नाम की घोषणा होगी. मेले में कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों के साथ अन्य युवा भी पहुंचे हैं. लक्ष्य 2 हजार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का है. इनमें से 800 का चयन हो चुका है.

युवाओं में दिखा उत्साह

मेले में आई कतरास की श्रुति कुमारी ने बताया कि उन्होंने कौशल विकास का तीन माह प्रशिक्षण लिया था. उसी की बदौलत टाटा न्यूमेक्स कम्पनी में चयन हुआ. अब कहीं बाहर नहीं जाना पड़ेगा. धनबाद में ही रहकर काम कर सकूंगी. हर माह 20 हजार वेतन मिलेगा. यह उनकी पहली नौकरी है, जिसे पाकर वह बहुत खुश हैं. भूली की शाहिना गुलिस्तां ने बताया कि स्किल की ट्रेनिंग का आज फायदा मिला है. भेजा हेल्थ केयर में मेरा चयन हुआ है. पहला जॉब है. हर माह 20 हजार वेतन मिलेगा. झरिया के अमन अंसारी भी टाटा ल्यूमेक्स के लिए चयन होने पर खुश दिखे. हालांकि उन्हें इस बात का मलाल भी है कि अहमदाबाद में जॉब करनी पड़ेगी. हर माह 17 हजार 500 रुपये वेतन मिलेगा. अभी शुरूआत है, इसलिए इस जॉब से खुश हैं. मेले में पहुंचनेवाली कंपनियों में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, टाटा कंसलटेंसी, होंडा, मिंडा, वेल्स पैन इंडिया, सुपर साइन, क्रेजा हेल्थ केयर, टाटा ल्यूमेक्स, नीलम आदि शामिल हैं. ज्यादातर इंश्योरेंस और सिक्युरिटी कंपनियां ही थी. 5 वीं क्लास से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले युवाओं के लिए इस मेले में अलग अलग पोस्ट के जॉब है. मेला में सुबह 9 बजे से ही युवाओं का हुजूम जमा होने लगा था. 11 बजे तक पूरा पंडाल भर गया. उद्घाटन का समय 12 बजे रखा गया था. लेकिन 12: 30 तक कोई प्रतिनिधि नहीं पहुंचा था. मंच पर सिर्फ टुंडी विधायक और जिप अध्यक्ष ही नजर आए. सांसद पीएन सिंह, विधायक राज सिन्हा, दुल्लू महतो, पूर्णिमा सिंह व अन्य वरीय अधिकारी भी नहीं पहुंचे थे.

NEWS इन ब्रीफ

बेरमो : ट्रक ड्राइवर ने की आत्महत्या

बोकारो। बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के जारंगडीह स्थित मनसा नगर निवासी और पेशे से ट्रक ड्राइवर चेतलाल सिंह (28 वर्ष) ने फंदे पर झूलकर आत्महत्या कर ली. मिली जानकारी के अनुसार आठ जुलाई को स्वर्गीय गणेश सिंह का पुत्र चेतलाल सिंह दोपहर में अपने कमरे में फंदे पर झूलता हुआ मिला. उसकी पत्नी गौरा देवी ने बताया कि वे सुबह काम करके लौटे थे. फ्रेश होने के बाद वे अपने कमरे में सोने चले गए, लेकिन कुछ देर आवाज देने पर कोई जवाब नहीं मिला. खिड़की से देखने पर शोर मचाया, जिससे अगल-बगल के लोगों ने दरवाजा तोड़कर फंदे से नीचे उतारा. घटना की सूचना पंचायत के मुखिया सुमंती देवी ने स्थानीय पुलिस को दी. सब इंस्पेक्टर विक्रांत मुंडा ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है. पूछताछ जारी है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर स्थिति स्पष्ट हो पाएगी. मृतक को एक तीन साल की बच्ची है.

इनामी साइको किलर हुआ गिरफ्तार

बोकारो। बेरमो अनुमंडल की चंद्रपुरा पुलिस ने इनामी साइको किलर अजय रविदास को शुक्रवार 7 जुली की रात गिरफ़्तार कर लिया. लोगों के सहयोग से चंद्रपुरा थाना के राजा बेड़ा से उसे दबोचा गया. इलाके में चार दिन से दहशत में रह रहे लोगों ने सनकी अजय रविदास की गिरफ़्तारी के बाद राहत की सांस ली है. पुलिस अब उससे गहनता से पूछताछ कर रही है. बता दें कि आरोपी गोमिया थाना क्षेत्र के होसिर सबदीटांड़ का निवासी है. उस पर अपनी पत्नी की हत्या और अन्य दो महिलाओं को चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप है. दोनों घायल महिला का इलाज चल रहा है. पहली घटना 5 जुलाई को सामने तब आई जब अजय अपने ही गांव की महिला गुड़िया रविदास को चाकू से हमला कर घायल दिया था. महिला गोमिया थाना क्षेत्र के सवांग न्यू माइनर्स कॉलोनी रहती है. उसके पति पवन रविदास सीसीएल कर्मी हैं. गुड़िया देवी की शरीर पर चाकू से आठ जगह वार किया गया. अभी भी वह आईसीयू में भर्ती है.

हज करने के बाद हाजी असरफ मियां की मौत

हजारीबाग। केरेडारी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गरी कलां निवासी हज यात्री असरफ मियां की मौत मक्का मदीना में हज करने के बाद हो गई. इस संदर्भ में मृतक असरफ मियां के छोटे पुत्र अब्दुल मोटलीब ने बताया कि उसके पिता गत दिनों हज करने मक्का मदीना गए थे. हज करने के बाद नमाज पढ़ कर सेव खा रहे थे. खाने के दौरान उन्हें बेचैनी महसूस हुई, जिसकी जानकारी उन्होंने साथी हाजी यात्रियों को दी. साथी हज यात्रियों ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाने की तैयारी में थे. इसी दौरान उनकी मौत हो गई. उनकी मौत के बाद साथ गए बड़कागांव निवासी कासिम मियां व अन्य ने घटना की सूचना उनके पुत्रों को टेलीफोन के माध्यम से दी.

सशिविमं पिहरा में दीक्षांत समारोह का आयोजन

शिशु मंदिर में शिक्षा के साथ संस्कार भी दिया जाता है : प्राचार्य

नवीन मेल संवाददाता

गिरिडीह। गावां प्रखंड स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर पिहरा में 8 जुलाई शनिवार को अष्टम बोर्ड उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से सब इंस्पेक्टर राहुल चौबे, प्लस टु उवि पिहरा के प्रधानाध्यापक गोविंद कुमार व संकुल साधनसेवी अजय कुमार पंडित उपस्थित थे. कार्यक्रम का शुभारम्भ भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन व दीप प्रज्वलन से किया गया. छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि लक्ष्य पर ध्यान रखते हुए मेहनत करनेवाले सदैव सफल होते हैं. अष्टम बोर्ड की परीक्षा में विद्या मंदिर के 95 प्रतिशत छात्र-छात्राओं ने ए-पलस व शेष पांच प्रतिशत छात्र-छात्राओं ने ए-श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की है. यहां अध्ययन करने वाले कई छात्र-छात्रा इस समय प्रशासनिक, इंजिनियरिंग, रेलवे जैसे विभागों में कार्यरत हैं. इस वर्ष मैट्रीक इंटर के प्रखंड टॉपर विद्यार्थियों ने भी यहीं से पढ़ाई की थी. शिशु मंदिर में शिक्षा के साथ संस्कार भी दिया जाता है, जो वर्तमान परिदृष्य में अत्यंत आवश्यक है. कार्यक्रम को राकेश कुमार पाठक, अमित कपूर, विनोद पांडेय आदि ने भी संबोधित किया. कार्यक्रम में परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले छात्र छात्राओं को पुरष्कृत किया गया. कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र विश्वकर्मा ने किया जबकि मौके पर रेखा देवी, कमल किशोर सिंह, श्यामसुंदर सिंह, राधेश्याम, चंचला देवी, प्रियंका देवी, अनुपम कुमारी, ब्युटी कुमारी, रानी कुमारी आदि उपस्थित थे.

51 लीटर जल लेकर देवघर रवाना हुआ शिवभक्त

नवीन मेल संवाददाता

गिरिडीह। आठ जुलाई को गिरिडीह जिले के सरिया निवासी विराट सिंह अपने कंधे पर 51 लीटर जल लेकर देवघर रवाना हुए. उन्होंने पवित्र देव स्थल राजदाह धाम से जल भरकर सुलतान गंज के लिए पैदल यात्रा शुरू की. विराट ने बताया कि पहले वे सरिया से सुलतान गंज की पैदल यात्रा करेंगे. उसके बाद सुल्तानगंज से देवघर की यात्रा पूरी कर भगवान भोलेनाथ का दर्शन कर जल चढ़ाएंगे. 51 लीटर जल लेकर इतनी दूरी की यात्रा के संबंध में प्रश्न पूछने पर उन्होंने भोलेनाथ के प्रति आस्था जताते हुए बताया कि भोलेनाथ के नाम से हर राह आसान हो जाती है. केदारनाथ यात्रा के दौरान उन्हें यह अनुभव हुआ कि सच्ची श्रद्धा और भगवान भोलेनाथ पर विश्वास करने से हर सफर आसान हो जाता हैं. तभी उन्होंने संकल्प लिया था. विराट ने बताया कि 25 दिनों के अंदर भोलेनाथ की नगरी देवघर पहुंच जाएंगे.

13वीं जूनियर, सब जूनियर झारखंड तैराकी प्रतियोगिता की शुरूआत

रांची। मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के एक्वेटिक स्टेडियम में आज से दो दिवसीय 13वीं जूनियर, सब जूनियर बालक/बालिका झारखंड तैराकी प्रतियोगिता शुरू हुई है। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि मनोज कुमार,सचिव(खेल,पर्यटन एवं कला संस्कृति)झारखंड सरकार के द्वारा किया गया। दो दिवसीय प्रतियोगिता के दौरान 250 से ज्यादा तैराक भाग ले रहें हैं। उद्घाटन के अवसर पर गिरीश राठौर एवं अर्चित आनंद(उपाध्यक्ष) झारखंड ओलंपिक संघ,ने भी खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर मनोज कुमार ने आयोजन की प्रशंसा की और खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिता का समापन रविवार को होगा एवं समापन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमति बरखा सिन्हा जी, अध्यक्ष(झारखंड तैराकी संघ) होंगी,उक्त जानकारी झारखंड तैराकी संघ के सचिव उपेंद्र तिवारी ने दी।

विस्थापितों का धरना चौथे दिन भी जारी

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। मुआवजा व नियोजन की मांग को लेकर डीवीसी मैथन के प्रशासनिक भवन के समक्ष विस्थापितों का धरना चौथे दिन 8 जुलाई शनिवार को भी जारी रहा. डीवीसी प्रबंधन ने विस्थापितों के साथ समझौता वार्ता या आंदोलन समाप्त कराने की कोई पहल नहीं की. प्रबंधन 12 जुलाई को डीवीसी मुख्यालय कोलकाता में उच्च अधिकारियों के साथ विस्थापित प्रतिनिधियों को वार्ता कराने के प्रस्ताव पर कायम है. प्रबंधन का कहना है कि विस्थापितों की जो भी मांग है, उसका समाधान मुख्यालय स्तर पर ही हो सकता है. इसलिए प्रतिनिधियों को कोलकाता जाना चाहिए और तबतक आंदोलन बंद कर देना चाहिए. इधर विस्थापितों का कहना है वे अपने खर्च से कोलकाता जाने में सक्षम नहीं है. डीवीसी प्रबंधन अपने खर्च से कोलकाता ले जाये तो जाने को तैयार हैं.

व्यवसायी के खाते से 19 हजार गायब

धनबाद। मोबाइल पर न ओटीपी आया और न ही मैसेज. उन्होंने कोई हस्ताक्षर भी नहीं किया, इसके बावजूद डुमरा निवासी व्यवसायी श्याम सुंदर साव के नेहरू चौक हरिना स्थित बैंक ऑफ इंडिया की बाघमारा शाखा के एकाउंट से 19 हजार रुपए गायब हो गए. इसकी लिखित शिकायत उन्होंने बरोरा पुलिस से की है. व्यवसायी का कहना है कि 1 जुलाई को किसी ने अवैध तरीके से उनके एकाउंट से दस हजार की निकासी कर ली. ठीक इसके तीन दिन बाद 4 जुलाई को फिर से किसी ने मेरे एकाउंट से 9 हजार रुपए की निकासी कर ली. दोनों बार अवैध निकासी के दौरान न ही मेरे मोबाइल पर ओटीपी आया और न ही मैसेज. बिना हस्ताक्षर के ही एकाउंट से पैसे की निकासी कर ली. उन्होंने बताया कि जब वे 5 जुलाई को बैंक अपना एकाउंट चेक करने गए तो पता चला कि उनके एकाउंट से दो बार किसी ने अवैध तरीके से निकासी कर ली है.

कॉलेज और कोर्ट को शिफ्ट करने का विरोध

नवीन मेल संवाददाता

गिरिडीह। मैट्रिक पास छात्राओं का इंटरमीडिएट में नामांकन नहीं होने और आरके महिला कॉलेज एवं सिविल कोर्ट को गिरिडीह से योगीटांड़ शिफ्ट किए जाने के प्रस्ताव के विरोध में झंडा मैदान में बैठक हुई. बैठक आरके महिला कॉलेज एवं सिविल कोर्ट स्थान परिवर्तन विरोधी समिति गिरिडीह के नेतृत्व में हुई. बैठक की अध्यक्षता करते हुए संचित कुमार गुप्ता ने कहा कि मैट्रिक पास छात्राओं का सर जेसी बोस गर्ल्स हाई स्कूल गिरिडीह और आरके महिला कॉलेज गिरिडीह में इंटर में नामांकन लेने और आरके महिला कॉलेज एवं सिविल कोर्ट को गिरिडीह में पूर्ववत स्थान पर बनाए रखने के लिए गिरिडीह के उपायुक्त और मुख्यमंत्री को छात्राओं एवं नागरिकों का संयुक्त हस्ताक्षरित ज्ञापन देने का निर्णय लिया गया है. इसके बाद 15 जुलाई को समीक्षा बैठक कर आगे के आंदोलन कि रणनीति बनाने का निर्णय लिया गया है.

प्राथमिक विद्यालय असनाबाद में नव गठित बाल संसद के छात्रों का कराया गया शपथ ग्रहण

झुमरी तिलैया। प्राथमिक विद्यालय असनाबाद मे समारोह आयोजित कर नव निर्वाचित बाल संसद के पदाधिकारिओं को शपथ ग्रहण कराया गया। शपथ ग्रहण मे विद्यालय मे बाल संसद के नवचयनित पदाधिकारिओं मे अध्यक्ष अनुमान कृष्ण,प्रधानमंत्री उज्जवल कुमार वर्मा,प्रार्थना मंत्री बादल कुमार,स्वच्छता मंत्री सत्यम कुमार,पर्यावरण मंत्री रौशन कुमार,सूचना मंत्री आर्यन कुमार, शिक्षा मंत्री प्रशांत कुमार,पुस्तकालय मंत्री आयुष कुमार,खेल मंत्री सचिन कुमार के आलावा इनके सहयोगी स्वीटी कुमारी,विकास कुमार,आयुष कुमार,साक्षी कुमारी,प्रीति कुमारी,हेतु कुमारी,संजना कुमारी,रागिनी कुमारी, आरुही कुमारी को विद्यालय के प्रति कुशल नेतृत्व हेतु विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष आलोक कुमार सिन्हा ने शपथ दिलायी। कार्यक्रम की अध्यक्षता नवचनित बाल संसद के अध्यक्ष अनुमान ढ्ढ२३२ ने किया जबकि कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की प्रभारी प्रधानाध्यापिका इंदु कुमारी ने की। इस मौके पर विद्यालय की शिक्षिका सीता कुमारी, कुमारी मीता,संयोजिका खुशबु देवी के आलावा विद्यालय मे अध्यनरत सभी बच्चें उपस्थित थे। इस अवसर पर सभी बच्चों के बीच मिठाई खिला कर नवचयनित बाल संसद के पदाधिकारिओं को बधाई दी गई।

महिला क्रिकेट टीम गठित को लेकर विचार-विमर्श

झुमरी तिलैया। कोडरमा जिला क्रिकेट एसोसिएशन ने इस वर्ष से महिला क्रिकेट टीम के गठन की भी योजना बनाई है। शनिवार को झुमरीतिलैया स्थित छाबड़ा लॉज में जिला की महिला क्रिकेट खिलाड़ियों के साथ केडीसीए ने विचार-विमर्श हेतु एक बैठक रखी। बैठक में सचिव दिनेश सिंह ने कहा कि कोडरमा जिला की महिला क्रिकेट टीम का गठन होने से यहां की बालिकाओं को क्रिकेट के क्षेत्र में बढ़ने का अवसर मिलेगा। साथ ही क्रिकेट के क्षेत्र में राज्य स्तर पर जगह बनाकर खिलाड़ी अपना कैरियर बना सकेंगी। कृष्णा ब्रहपूरिया ने बैठक में कहा की महिला क्रिकेट के गठन के लिए जिले के भिन्न-भिन्न स्कूलों से संपर्क कर बालिकाओं को क्रिकेट खेलने के प्रति जागरूक करना होगा। अमरजीत सिंह छाबड़ा ने कहा की जिले की दो चार लड़कियां ही अभी रेगुलर क्रिकेट खेलती हैं , उनके साथ बहुत जल्द ही इच्छुक महिला क्रिकेट खिलाड़ियों का एक शिविर लगाया जाएगा। जहां अच्छे प्रशिक्षक के द्वारा उन्हें प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की जाएगी। बैठक में उपस्थित महिला खिलाड़ियों ने भी अपनी बातें रखीं और उम्मीद जताई कि जल्द ही कोडरमा की महिला क्रिकेट टीम तैयार होगी।

विष्णुगढ़ के कोनार डैम और हजारीबाग में कुएं से महिला का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

हजारीबाग। विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत गरहमुर्गी श्मशान शेड के पास कोनार डैम से एक महिला का शव बरामद किया गया. महिला की पहचान मड़मो पंचायत के खरकट्टो गांव निवासी चेतलाल गंझू की पत्नी दीपनी देवी (45 वर्ष) के रूप में की गई. घटना के बाबत मृतका के पुत्र पुसन गंझू ने बताया कि गुरुवार की सुबह मां अपने मायके चतरोचट्टी के मड़पा गांव जाने की बात कहकर घर से निकली थी. शाम तक मामा के घर जब वह नहीं पहुंची, तो उसकी खोजबीन शुरू की गई. लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल पाया. शुक्रवार की सुबह जब मृतका की फोटो लोगों के मोबाइल में वायरल होने लगी, तब घर से लगभग 10 किमी दूर बनासो के नजदीक गरहमुर्गी के कोनार डैम में उसका शव मिलने की सूचना मिली. पहले गरहमुर्गी के ग्रामीणों ने डैम में शव को तैरता देखकर पुलिस को सूचित किया. उसके बाद घटनास्थल पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया.

रंगारंग कार्यक्रम

सविमं सिनीडीह में दादा-दादी व नाना-नानी सम्मान समारोह का आयोजन

बुजुर्गों का सम्मान ही हमारी संस्कृति : विशु रवानी

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। सरस्वती विद्या मंदिर, सिनीडीह में 8 जुलाई शनिवार को दादा-दादी व नाना-नानी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर धनबाद जिला संघ चालक विशु रवानी, विद्यालय प्रबंध कारिणी के कोषाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद, विद्यालय कार्यकारिणी के सदस्य उत्तम गयाली, विद्यालय के प्राचार्य सुनील कुमार सिंह एवं उप प्राचार्य दुर्गेश नंदन सिन्हा ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर समारोह की शुरूआत की. अध्यक्षता पशुपति नाथ पांडे व श्रीमती रेखा पांडे ने की. अतिथि परिचय विद्यालय के उप प्राचार्य दुर्गेश नंदन सिन्हा ने कराया. धनबाद जिला संघचालक विशु रवानी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बुजुर्गों का सम्मान ही हमारी संस्कृति है. बुजुर्ग हमारी धरोहर हैं. उन्होंने कहा कि भारतवर्ष में संयुक्त परिवार तथा बुजुर्गों के सम्मान की परंपरा रही है. परंतु पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव ने धीरे-धीरे इस परंपरा को धूमिल कर दिया है. विद्या भारती ने अपनी योजना में पुनः इस कार्यक्रम को शामिल किया है और संपूर्ण भारतवर्ष के विद्या भारती के विद्यालयों में यह कार्यक्रम प्रारंभ हो गया है. प्राचार्य सुनील कुमार सिंह ने कहा कि बुजुर्गों का सम्मान नहीं करेंगे, तो न आगे बढ़ेंगे न ही हमारा देश आगे बढ़ेगा. भारत की सभ्यता एवं संस्कृति में बुजुर्ग देव तुल्य होते हैं. उन्होंने कहा कि हम अपनी प्राचीन संस्कृति से परिचित हों. उन्होंने कहा कि. जब तक हमारा नैतिक एवं आध्यात्मिक पक्ष मजबूत नहीं होगा, प्राचीन परंपरा को कायम नहीं रख पाएंगे. अतः छात्र-छात्राओं को चाहिए कि वह बुजुर्गों का सम्मान करे. समारोह में प्रत्येक दादा-दादी एवं नाना- नानी को सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा भेंट किया गया. मौके पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया. अंत में सभी दादा-दादी, नाना- नानी एवं भारत माता की आरती की गई. समारोह का संचालन विद्यालय की आचार्या श्रीमती निशा तिवारी ने किया.

लखपति किसान पहल योजना को लेकर डीडीसी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन

आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता : डीडीसी

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। समाहरणालय सभाकक्ष में उप विकास आयुक्त रॉबिन टोप्पो की अध्यक्षता में शनिवार को महिला लखपति किसान पहल योजना को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सर्वप्रथम पीपीआईए फेलो श्वेता वर्मा एवं भावेश कुमार ने उप विकास आयुक्त सहित बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को जानकारी दी कि ग्रामीण विकास विभाग, भारत सरकार द्वारा ट्रांसफार्म रूरल इंडिया संस्था के सहयोग से महिला किसानों कि आए प्रति वर्ष औसतन एक लाख रुपए या उससे अधिक रखने के उद्देश्य से महिला लखपति किसान पहल योजना संचालित है। इस दौरान उन्होंने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से उपस्थित सभी को योजना के तहत कन्वर्जेंस के माध्यम से कृषि, पशुपालन, लघु उद्योग, सहायता समूहों सहित अन्य क्षेत्रों में कार्य कर रही महिलाओं को नई तकनीक एवं एक समय में सरकार की विभिन्न योजनाओं से जुड़कर किस प्रकार से वे अपनी आय में बढ़ोतरी कर सकती हैं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने कहा की महिला लखपति किसान पहल योजना के सफल संचालन हेतु सभी संबंधित विभागों को आपस में समन्वय बनाकर कार्य करने की आवश्यकता है। इसके लिए उप विकास आयुक्त ने जेएसएलपीएस को नोडल एजेंसी की तरह कार्य कर अन्य विभागों के साथ समन्वय करने व लाभुकों का चयन कर उन्हें विभिन्न योजनाओं से जोड़ने का निर्देश दिया । वहीं, उप विकास आयुक्त ने लाभुकों के चयन हेतु प्रखंड स्तर पर नियमित रूप से बीएलसीसी की बैठक आयोजित करने पर चयन के उपरांत लाभुकों की सूची जिला स्तर पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। श्री टोप्पो ने लाभुकों के चयन के दौरान डुप्लीकेसी पर विशेष ध्यान रखने एवं योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही उप विकास आयुक्त ने ग्रामीण क्षेत्र में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा बनाए जा रहे उत्पादों कि बेहतर ब्रांडिंग कर उन्हें आम जनों तक पहुंचाने हेतु योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम कुमार ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों एवं अन्य को महिला लखपति किसान पहल योजना को सफल बनाने व पशुपालन के क्षेत्र में अपनाए जाने वाले विभिन्न तकनीकों के संबंध में सभी को जानकारी दी। बैठक के दौरान जिला योजना पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला पशुपालन पदाधिकारी, एसएमपीओ, पीपीआईए फेलो सहित अन्य उपस्थित थे।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को किया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा । प्रखंड क्षेत्र के झुरझुरी स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय में मैट्रिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य रूप से मुखिया सुमन कुमार,पंसस मंजू देवी उपस्थित थे। मैट्रिक परीक्षा में 80% प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को मुखिया सुमन कुमार और पंसस मंजू देवी के द्वारा सम्मानित किया गया। मौके पर मुखिया ने कहा कि उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित करने से बच्चों में हौसला बढ़ता है। बच्चों को शिक्षा के प्रति ध्यान आकृष्ट होता है। वही प्रभारी प्रधानाध्यापक सुंदर यादव ने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए हम सभी शिक्षक अनवरत अच्छी शिक्षा देने का कार्य करते रहेंगे। सम्मान समारोह में प्रबंधन समिति अध्यक्ष लोकनाथ प्रसाद, वार्ड सदस्य छोटीलाल प्रसाद,शिबू सोरेन, प्रधानाध्यापक सुंदर यादव,तेज नारायण प्रसाद, रामलखन प्रसाद, महेंद्र प्रसाद, राजकुमार चौधरी,बद्री महतो समेत आदि लोग उपस्थित थे।

विभिन्न पंचायत के किसानों को मिला उन्नत किस्म का बीज

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान गौरियाकमा द्वारा अनुसूचित जाति उप परियोजना के (एससी एसपी) अंतर्गत खरीफ वर्ष 2023 में एससी जाति के लिए बरकट्ठा प्रखंड के किसानों को धान, उड़द, मुंग, अरहर, सब्जी के बीज वितरण किया गया। प्रखंड के ग्राम पंचायत तुइयो, गोरहर, बेड़ोकला, गंगपाचो में प्रखंड तकनीकी प्रबंधक बरकट्ठा ऐओम सम्बंधित पंचायत के कृषक मित्र उत्तीम महतो, दुलार चन्द पासवान, कार्तिक महतो, सतीश कुमार के माध्यम से आईसीएआर /आईएआरआई गौरीयाकरमा से प्राप्त बीज किसानों में वितरण किया गया। साथ ही किसानों को जानकारी दी गई कि जो भी बीज किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है वो उन्नत किस्म कि बीज है इसलिये किसान इसको अपने खेत में लगायें और उपज के बाद इसको अगले वर्ष के लिए भी बीज को रखें ताकि किसानों को ज्यादा उपज प्राप्त हो।

होटलों-ढाबों में घरेलू गैस का धड़ल्ले से हो रहा है इस्तेमाल, लाखों के राजस्व की चोरी

नवीन मेल संवाददाता

बरही । मुख्यालय सहित प्रखंड के अधिकांशतः क्षेत्रों में घरेलू गैस सिलेंडर को धड़ल्ले से होटल और रेस्टोरेंट्स में प्रयोग किया जा रहा है. इससे न केवल गैस एजेंसी बल्कि सरकार के राजस्व में घाटा हो रहा है. परंतु इस दिशा में अब तक प्रशासनिक स्तर से कोई कारवाई नही की गई है. गया रोड तिरुपति गैस एजेंसी के संचालक उमेश ठाकुर ने बताया कि उनके एजेंसी में करीब 30 कमर्शियल कनेक्शन हैं. जिसमे रिफिल करवाने वाले की संख्या नही के बराबर है. इसका मुख्य कारण दूसरे क्षेत्र के एजेंसी द्वारा बरही में घरेलू गैस का धड़ल्ले से आपूर्ति होना है. जिससे लोग 19 केजी के स्थान पर घरेलू सिलेंडर ही ऊंचे दर पर लेते है. जो कमर्शियल की तुलना में कम दर पर मिलते है. इसके कारण एजेंसी का कमर्शियल सिलेंडर की खपत नही के बराबर होती है. इससे प्रति माह हजारों रुपए की क्षति हो रही है. इस दिशा में प्रशासन को ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है. प्राप्त आंकड़ों के अनुसार औसतन बड़े होटलों में प्रति दिन 3 से सिलेंडर, ढाबा में 3 और छोटे होटल और ठेला वालो का 1 से डेढ़ सिलेंडर का प्रतिदिन का खपत है. बरही क्षेत्र में करीब एक दर्जन बड़े होटल, पचास ढाबा और सैकड़ों होटल व ठेला मौजूद है. इस प्रकार प्रतिदिन करीब दो सौ कमर्शियल सिलेंडर की खपत होने की उम्मीद है.

एसडीओ ने कहा : घरेलू गैस का कमर्शियल उपयोग अवैध है. पकड़े जाने पर दंड का प्रावधान है. शीघ्र ही इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे.

डीएवी में कक्षा प्रबंधन पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

बरही । कक्षा प्रबंधन को लेकर सीबीएसई ने डीएवी बरही में शनिवार से दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया है. जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यालय में खुशनुमा माहौल में आसान और प्रसन्नचित मुद्रा में कक्षा का संचालन करने की जानकारी दिया जाना है. कार्यशाला में बतौर मुख्यातिथि कोडरमा डीएवी के प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह और संसाधक जी लिटरा जमशेदपुर के अक्षय अग्रवाल और संसाधिका श्रद्धानंद बाल मंदिर रांची के सिम्पी कुमारी शामिल हुए. जिसमे विद्यालय के प्राचार्य सहित शिक्षक शिक्षिकाएं शामिल हुए. कार्यशाला के दौरान संसाधको ने विभिन्न क्रियाकलापो के माध्यम से बेहतर कक्षा प्रबंधन के साथ शिक्षण प्रक्रियाओं को बताया. इसके साथ ही शिक्षको के व्यवहार में आमूल चूल परिवर्तन लाकर ही क्लासरूम व्यवस्था को बेहतर करने की सलाह दिया.

चार नये पुल को लेकर जेई ने किया स्थल निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

बरही। स्थानीय विधायक सह झाविस निवेदन समिति के सभापति उमाशंकर अकेला के विकास कार्यों में शीघ्र ही चार नए पुल निर्माण भी शामिल होने वाले है. जानकारी देते हुए कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी ने बताया कि विधायक के अनुशंसा पर प्रखंड के विजैया श्मशान घाट के नाला, डपोक के पिपराटांड़ मिठी नदी, डपोक पश्चिमी श्मशान नदी और गौरियाकरमा के निचीतपुर टेटोतरी के बीच बराकर नदी पर पुलिया निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होने वाला है. योजना को लेकर शनिवार को ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल के जेई चंदन कुमार ने विधायक प्रतिनिधियों के साथ स्थल निरीक्षण कर मापी किया है. जल्दी ही डीपीआर तैयार कर कार्य प्रारंभ किए जायेंगे. इस दौरान जेई के साथ कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सहित उपप्रमुख देवलाल कुशवाहा, जिला विधायक प्रतिनिधि बासुदेव यादव आदि मौजूद थे.

छात्रा को बेरहमी से पीटने पर दो शिक्षकों को शो-कॉज

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। उत्क्रमित मध्य विद्यालय बेड़ोकला बरकट्ठा में आठवीं कक्षा की छात्रा कोमल कुमारी के साथ बेरहमी से मारपीट किए जाने का मामला प्रकाश में आया है. मारपीट करने का आरोप उसी स्कूल के सहायक शिक्षक परमेश्वर साव पर लगा है. वहीं घायल छात्रा को इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग ले जाने से रोकने का आरोप इसी स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक लक्ष्मण मिर्धा पर लगा है. इस संबंध में डीएसई संतोष गुप्ता ने प्रधानाध्यापक और सहायक शिक्षक को शोकॉज किया है. डीएसई ने बताया कि एक तो बच्चों के साथ मारपीट शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत दंडनीय अपराध है और ऊपर से इलाज के लिए व्यवधान उत्पन्न करना घोर अमानवीय कृत्य है. डीएसई ने बताया कि पीड़िता कोमल कुमारी के पिता ने पूरे मामले की जानकारी उनके वाट्सएप पर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है. छात्रा के साथ बेरहमी से हुई मारपीट की पुष्टि बरकट्ठा के बीईईओ किशोर कुमार ने भी की है. दोनों शिक्षकों को कहा गया है कि 24 घंटे में जवाब दें, अन्यथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 का उल्लंघन कर छात्रा के साथ मारपीट करने, स्कूल में सरकारी नियमों की अवहेलना करने और सरकारी लोक आचार नियमावली 1976 के उल्लंघन के आरोप में विभागीय कार्रवाई की जाएगी.

ग्लोबल वार्मिंग को लेकर किया गया पौधरोपण

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़ । राधा गोविंद विश्वविद्यालय के गणित विभाग द्वारा शनिवार को वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलाधिपति बी एन साह ने इस कार्य की प्रशंसा की तथा अपना आशीर्वाद दिया । इस अवसर पर विभाग के छात्र-छात्राओं एवं व्याख्याताओं सहित विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशोक कुमार, सहायक परीक्षा नियंत्रक सह शोध समन्वयक डॉ. रश्मि मौजूद थे । कार्यशाला में व्याख्याताओं तथा छात्रों ने पौधा लगाने के संबंध में अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए । तत्पश्चात कुलसचिव डॉ. निर्मल कुमार मंडल

ने प्रत्येक छात्र को वर्ष में अपने जन्मदिन पर कम से कम एक पौधा लगाने की सलाह दी । वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार ने पेड़ के गुणों की चर्चा करते हुए बच्चों को वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया । गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विजय कुमार पांडेय ने बच्चों को वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया तथा इसके फायदे पर चर्चा की । उन्होंने बताया कि पेड़ और मानव-जीवन एक दूसरे के पूरक हैं । इसलिए वृक्षों का संरक्षण करना हमारा कर्तव्य होना चाहिए । पेड़ सिर्फ लगाना ही नहीं है बल्कि उनकी सेवा भी करनी है । गणित विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. आशीष कुमार ने बच्चों को पेड़ से होने वाले फायदे को समझाया और पेड़ लगाने के तरीके का भी विवरण दिया । विद्यार्थियों ने राधा गोविंद विश्वविद्यालय के सामने खाली जमीन पर पौधारोपण का कार्य संपन्न किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने आकर्षक पेंटिंग्स भी बनाए ।

उमवि. गोविंदपुर में बाल संसद का गठन

रामगढ़। उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोविंदपुर मांडू के प्रांगण में 8 जुलाई को स्कूल रुवार 2023 के तहत बाल संसद का गठन विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ सुनील कुमार कश्यप की अध्यक्षता में चुनाव के माध्यम से कराया गया । बाल संसद के प्रधानमंत्री पीयूष कुमार प्रजापति , उप प्रधानमंत्री पीयूष कुमार, वित्त मंत्री आरूषी कुमारी ,उप वित्त मंत्री मेघा रानी , अध्यक्ष कृष्णा टुडू, उपाध्यक्ष खुशी कुमारी, शिक्षा मंत्री एवं सांस्कृतिक मंत्री तानिया कुमारी, उप शिक्षा मंत्री अमृत सागर ,बागवानी एवं पर्यावरण मंत्री गुड़िया कुमारी ,उप बागवानी मंत्री अंकित कुमार ,स्वास्थ्य मंत्री आशीष कुमार, उप स्वास्थ्य मंत्री वर्षा कुमारी, सफाई एवं स्वास्थ्य मंत्री पीहू कुमारी, जल मंत्री प्रीति कुमारी, उप जल मंत्री वैभव कुमार ,खेल एवं पोषाहार मंत्री पंकज कुमार, उप पोषाहार मंत्री सोनम कुमारी को बनाया गया। मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ सुनील कश्यप ने बाल संसद को शपथ दिलाते हुए कहा कि विद्यालय के सफल संचालन में बाल संसद की महत्वपूर्ण भूमिका होती है । कहा कि तमाम विभाग के पदाधिकारी और मंत्री अपने-अपने विभाग में भूमिका इमानदारी पूर्वक निभाएंगे तो विद्यालय एक अच्छा शत-प्रतिशत परिणाम रिजल्ट में दे सकेगा । इसलिए आप लोगों का सहयोग अपेक्षित है । इस अवसर पर विद्यालय के के अध्यक्ष जुगेश्वर भुईयां, शिक्षक शारदानंद शर्मा ,गौतम कुमार गुप्ता ,जेठालाल मांझी, रिया कुमारी ने सभी चयनित मंत्रियों को शुभकामना और बधाई दी।

आस्था का केंद्र — पहाड़, नदी और जंगल से आच्छादित मनोरम दृश्य वाला सूरजकुंड धाम, मंदिर में मत्था टेकनेवालों की मुरादें होती हैं पूरी

बरकट्ठा : सूरजकुंड धाम अपेक्षित विकास से महरूम, विभाग मौन

सूरजकुंड धाम को धार्मिक व पर्यटन स्थल तो घोषित किया गया है, लेकिन पर्यटकों के लिए सुविधा नाम मात्र की है

रामकृष्ण पांडेय

बरकट्ठा। पहाड़ की तलहटी, नदी की कलकल बहती धारा और घने जंगल से आच्छादित मनोरम दृश्य वाला ऐतिहासिक, पौराणिक व धार्मिक आस्था का केंद्र सूरजकुंड धाम अब तक अपेक्षित विकास से महरूम रहा है। एशिया का सबसे अधिक तापमान जलधारा वाला सूरजकुंड का औसत से कम विकास होने के कारण यहां के लोगों में खासी नाराजगी है। वहीं राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के नए अध्यक्ष जयशंकर पाठक से लोगों में इस धाम के उचित विकास की आस जगी है। प्रशासिनक उदासीनता के कारण अबतक इसका अपेक्षित विकास नहीं हो पाया है। इसके विकास में कोई जनप्रतिनिधि रूचि नहीं दिखा रहे है। सूरजकुंड धाम को धार्मिक व पर्यटन स्थल तो घोषित किया गया है लेकिन पर्यटकों के लिए सुविधा नाम मात्र की है। गूगल मैप से इस धाम को देखने के बाद यह अति मनोरम दिखाई देता है। यह एनएच2 बरकट्ठा से 5 किलोमीटर दूर पूरब की ओर एनएच2 के बगल में अवस्थित है। वैसे तो देश भर से लोग इस धाम का दर्शन करने हजारों की संख्या में प्रतिवर्ष पहुंचते हैं लेकिन केवल गर्म जलधारा, कुंड का दर्शन व मंदिरों में पूजा पाठ कर चलते बनते हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए कारगर उपाय नहीं रहने से लोग यहां रुकना मुनासिब नहीं समझते।यहॉ पर्यटन विभाग से यात्रियों के लिए भव्य विश्रामगृह ,कॉटेज ,दो मंजिला कैंटीन, शौचालय आदि बनाया गया है लेकिन अब तक उसके संचालन की व्यवस्था नहीं की गई है। इसलिए करोड़ों की लागत से बने यहां के भवन आदि बेकार हो रहे हैं।

औषधीय गुणों की खान है सूरजकुंड की गर्म जलधारा

इस धाम के स्थानीय पुजारी नरेश पांडेय ने बताया कि यहॉ कुंड में स्नान करने से विभिन्न प्रकार के चर्म रोगों का नाश होता है। साथ ही थकान दूर होती है। इसके जल को आचमन करने से पेट का गैस समाप्त हो जाता है। बताया कि ऐसी मान्यता है कि इसके गर्म जलधारा में सिक्के एवं आंवला डालने से सच्चे मन से मांगी गई मन्नते पूरी होती है। कहा कि कई आकर्षक मंदिर यहां बने हुए हैं लेकिन उचित रखरखाव में ये मंदिर भी खराब हो रहे हैं।

शादी विवाह के लिए सूरजकुंड धाम लोगों का पसंदीदा स्थान है

इस धाम में शादी करने दूरदराज से लोग पहुंचते हैं । कई बार दर्जनों जोड़े 1 दिन में विवाह के लिए पहुंच जाते हैं जिससे यहां त्योहार जैसा माहौल हो जाता है। लोगों की ऐसी मान्यता है कि इस धाम में विवाह करने वाले जोड़े आजीवन निरोग रहते हैं तथा अपने जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं। वहीं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने कई बार इस धाम के विकास के लिए कमेटी बनाई लेकिन वह धरातल पर नहीं उतर सका।

नप का चालू वित्तीय वर्ष के लिए 58 करोड का बजट हुआ स्वीकृत

इस माह खेल स्टेडियम वेडिंग जॉन का मंत्री और विधायक करेगी शिलान्यास

नवीन मेल संवाददाता

झुमरी तिलैया । नगर परिषद झुमरी तिलैया का चालु वित्तीय वर्ष 2023-24 का नगर विकास विभाग ने 58 करोड 8 लाख 81 हजार की विकास योजनाओं की स्वीकृति दी है। इसके तहत 31 मार्च 2024 तक नगर पर्षद के द्वारा झमरी तिलैया शहर के 28 वार्ड में विकास के लिए 57 करोड 98 लाख की राशि खर्च करने का बजट बनाया है। नगर पर्षद के प्रशासक विनीत कुमार ने बताया कि नागरिक सुविधा के तहत 4 करोड की राशि खर्च की जायेगी। वहीं सडक निर्माण के लिए 4 करोड 20 लाख 15वें वित्त आयोग से 14 करोड की राशि खर्च की जायेगी। उन्होनें बताया कि नगर पर्षद के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जून 23 तक 4696 लाभुकों के बीच 3365 मकान को राशि महैया कराई गयी है और उन निवास आवास में रहने लगे है। उसमें सरकार 24 करोड रुपए का राशि लाभुको के बीच उपलब्ध करायी है और इस वित्तीय वर्ष के 3 माह में 180 लाभुकों के लिए स्वीकृति के लिए भेजे गये है। उन्होनें यह भी बताया कि चालु वित्तीय वर्ष में विभिन्न मदों से 10 करोड रुपए राजस्व वसूली का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें होल्डिंग पेय जल और से 2 करोड 40 लाख रुपए की वसूली हुई है। शेष वसूली अलगे दो माह में करनी है। वहीं उन्होनें बताया कि झुमरी तिलैया नगर परिषद के द्वारा शहर के विकास के लिए कई कार्य किये जाने है और इसी जुलाई माह केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री व कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी विधायक नीरा यादव के द्वारा कोडरमा प्रखण्ड में मैदान में 1 करोड 40 लाख के लगत से बनने वाले खेल मैदान का शिल्यानास कराया जायेगा। यहॉ क्रिकेट के साथ बैंड मिंटन इनडोर स्टेडियम दौडने के लिए पार्क और घेराबंदी में खर्च किया जायेगा। वहीं गुमो को झुमररियाटांड में 1 करोड 50 लाख की लागत से स्टेडियम महतो आहरा में अमृत योजना के तहत तालाब का जीर्णोद्वार और सौंदयीकरण 1 करोड 30 लाख में किया जायेगा वहीं गांधी स्कूल के समीप 1 करोड 70 लाख की लागत से वेडिंग जॉन बनाया जायेगा। जहॉ कि एक छत के नीचे कई तरह की सामग्री मिल पायेगी। वहीं सीएच स्कूल में 50 लाख की लगात से खेल संबंधित सामाग्री लगाने का कार्य शुरू किया गया है।

अंधविश्वासः डायन बिसाही के आरोप में भतीजे ने चाची को कुल्हाड़ी से मारकर किया घायल

बानो। प्रखण्ड के महाबुवांग थाना क्षेत्र के बुरुइरगी में भतीजे ने चाचा को कुल्हाड़ी से मार कर घायल कर दिया जिसके बाद सीएचसी बानो में प्राथमिक इजाल कर घायल को सदर अस्पताल सिमडेगा रेफर कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार बुरुइरगी जरा टोली निवासी तिवारी कंडुलना जो गाँव का पहान भी है ।गांव में एक घर पूजा के लिए शाम को गया था ।रात्रि लगभग दस बजे पूजा कर अपने घर आ रहा तभी रास्ते मे केलेमेंट कंडुलना, तिवारी कंडुलना व मिलन कंडुलना रास्ते मे मिला डाइन बिसाही के आरोप में भतीजो ने अपने चाचा तिवारी कंडुलना को धारदार हथियार से काट कर घायल कर दिया। जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी हेमकिशोर गुप्ता ने घटनास्थल जा कर सबसे पहले घायल को सी एच सी बानो भेजा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बानो में प्राथमिक उपचार कर सदर अस्पताल सिमडेगा भेज दिया ।इधर घायल तिवारी कंडुलना के पत्नी लुदी कंडुलना के फर्द बयान पर आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर दिया गया है। महाबुवांग पुलिस त्वरित कार्यवाई करते हुए एक आरोपी कर पूछ ताछ कर रही है।

मतदाता संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 को लेकर एसडीओ ने की बीएलओ एवं सुपरवाइजर के साथ बैठक

निर्वाचन कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : एसडीओ

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा एसडीओ महेंद्र कुमार की अध्यक्षता में मतदाता संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 कार्यक्रम के तहत सदर प्रखंड कार्यालय के सभागार में सिमडेगा एवं पाकरंडाढ प्रखंड के बीएलओ तथा सुपरवाइजर के साथ बैठक की गई ।इस अवसर पर एसडीओ ने सभी बीएलओ तथा सुपरवाइजर को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।मालूम हो कि निर्वाचन आयोग द्वारा प्राप्त निर्देश के आलोक में 2024 के निर्वाचन के मद्देनजर सभी बीएलओ को घर-घर सर्वेक्षण करते हुए अस्पष्ट मतदाता सूची में फोटो तथा नाम सुधार का निर्देश दिया गया। इस दौरान एसडीओ ने कहा कि निर्वाचन कार्य में किसी भी प्रकार

की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी बीएलओ तथा सुपरवाइजर को पारदर्शिता तथा निष्ठापूर्वक समर्पित होकर गंभीरता से कार्यों का निष्पादन करने का निर्देश दिया इसके अलावा सभी बीएलओ को घर-घर सत्यापन कर छूटे हुए मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में चढ़ाने का निर्देश दिया गया इसके अलावा प्रपत्र के माध्यम से 18 प्लस के युवक-युवतियों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का भी निर्देश दिया गया वहीं बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों को पन्ना वेरीफाई करने का सख्त निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सभी बीएलओ सुपरवाइजर एवं बीएलओ को 2 दिन के अंदर ब्लैक एंड वाइट फोटो को हटाने का कार्य को पूर्ण करने को कहा ।एसडीओ ने सभी बीएलओ को प्रत्येक सप्ताह एक बूथ पर जाकर जागरूकता अभियान चलाने के साथ फोटो वीडियो भेजने का निर्देश दिया। इस मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय कुमार रजक, प्रखंड विकास पदाधिकारी पाकरंटांड श शक्ति कुंज व अन्य कर्मी के साथ बीएलओ एवं सुपरवाइजर उपस्थित थे।

सेक्रेड हार्ट स्कूल में विविध कार्यक्रम आयोजित

झुमरी तिलैया। सेक्रेड हार्ट स्कूल में नर्सरी व केजी के छात्रों के लिए स्वास्थ्यपूर्ण आहार को बढ़ावा देने के लिए स्वस्थ खाद्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से स्कूली छात्रों को स्वस्थ आहार के महत्व की जानकारी दी गई है। स्कूल के प्राचार्य नवीन कुमार ने कहा कि हम जानते हैं कि एक स्वस्थ आहार हमारे छात्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। स्वस्थ खाद्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया है। ताकि हमारे छात्र स्वस्थ जीवनशैली अपना सकें। इनमें विभिन्न गतिविधियाँ शामिल थीं, जिनका उद्देश्य छात्रों को स्वस्थ खाद्य को पसंद करने और उसे अपने दैनिक आहार में शामिल करने में मदद करना था। एकेडेमिक डायरेक्टर प्रमोद शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रमों में शामिल बच्चों ने सब्जी और फलों की खोज, स्वस्थ सैंडविच बनाने की गतिविधि और पौष्टिक खाद्य पदार्थों की रेसिपी, हेल्दी फूड बनाम जंक कंपटिशन में भाग लिया। छात्रों को इन गतिविधियों के माध्यम से स्वस्थ खाद्य के महत्व का अनुभव और खाद्य संबंधित ज्ञान और कौशल प्राप्त किया। आयोजन को सफल बनाने में रंजीता कुमारी, दीक्षा सिंह, प्रियंका सिंह, सपना शर्मा समेत अन्य का योगदान रहा।

गांधी स्कूल में डीएवी के पूर्व छात्रों ने उपलब्ध कराये खेल सामग्री

नवीन मेल संवाददाता

झुमरी तिलैया। गाँधी उच्च विद्यालय मे जुलाई सत्र से छात्रों के साथ अब छात्राएं भी पठन-पाठन के लिए नामांकन ली हैं। और शिक्षा के साथ- साथ अन्य गतिविधियां भी सुचारु रूप से चले इसके लिए वर्तमान प्राचार्य निशा भारद्वाज ने सार्थक पहल की हैं। और इसका परिणाम भी देखने को मिल रहा हैं। प्रति दिन अब इस विद्यालय मे प्रार्थना सभा के आलावा छुट्टी के पूर्व 30 से 45 मिनट छात्र छात्राएं अपनी पढ़ाई और कला संस्कृति खेल कूद एवं अन्य मुद्दों पर विचार विमर्श एक दूसरे को आदान प्रदान कर रही हैं। इधर वर्तमान प्राचार्य निशा भारद्वाज जो तीन वर्ष पूर्व डीएवी मे शिक्षक के रूप मे छात्रों को पठन- पाठन कराती थी। 2005 बैच के विद्यार्थी अचानक गाँधी स्कूल पहुंचे और विद्यालय की प्राचार्य सहित छात्रों के बीच खेल सामग्री एवं अनेक उपहार भेंट किया ।और मौके पर प्राचार्य ने कहा कि सरकारी विद्यालय मे डीएवी के नितिवान बच्चो ने जो खुशियां बिखेरी हैं, वो समाज के लिए सफल नागरिक का परिचय देते हैं ।उन्होंने कहा कि विद्यालय परिवार ऐसे छात्रों के प्रति आभार प्रगट करता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि धन, ऊंचे पद से नहीं अपितु नेक कार्यों से समाज के किसी का कद ऊंचा होता हैं ।जो निश्चित तौर पर गाँधी स्कूल के बच्चें भी इनसे प्रेरणा लेकर सीखेंगे। और जब ये छात्र अपने जीवन मे योग्य और काबिल नागरिक बने तब इस नेक कार्य को अंजाम देते हुए इनके हाथ भी किसी जरूरतमंद के लिए आगे बढे। देने वाले हमेशा लेने वालों से बड़े होते हैं। उपहार देने वालों मे 2005 बैच के छात्र एवं वर्तमान मे द आरवीएस के निदेशक प्रवीण वर्णवाल प्राचार्य रश्मि प्रवीण वर्णवाल, शशांक सिन्हा, रवि रंजन, सौरभ मजूमदार, आशुतोष कुमार, रजनी शर्मा, पूजा राज जैसे कई छात्र आईटी कम्पनी भारत और विदेशों मे कार्यरत हैं ने खेल सामग्री देकर बच्चो का मान बढ़ाया हैं।

सीओ ने की मतदाता सूची पुनरीक्षण पर समीक्षा बैठक

सिमडेगा। अनुमंडल पदाधिकारी महेंद्र कुमार ने सदर प्रखंड अंचल अधिकारी के कार्यालय कक्ष में शनिवार को निर्वाचन को लेकर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठक की। जहां राजनैतिक दलों को लोकसभा, विधानसभा निर्वाचन के लिए नए वोटर को जोड़ना, डीलीशन, स्थान्तरित, आधार लिंकेज व फोटो में सुधार तथा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 अभियान में की जा रही गतिविधियों की जानकारी दी गई। तथा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 अंतर्गत मतदाता संबंधी भी जानकारी दी गई। उन्होंने ने बताया कि संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान अधिक से अधिक मतदाताओं के नाम जोड़े। मतदाता सूची के प्रकाशन पर हुई बैठक में शामिल राजनीतिक दलों के सदस्यों से आवश्यक सहयोग करने एवं जागरूकता अभियान चलाने की बात कहीं। जिला निर्वाचन कार्यालयों व 02 विधानसभा क्षेत्रों और प्रदेश के सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। बीएलओ द्वारा चुनावी पाठशाला का आयोजन कर मतदाता सूची का वाचन किया जा रहा है। उन्होंने सभी राजनीतिक पार्टियों के सदस्य से बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर के साथ समन्वय स्थापित करते हुए वोटर प्रतिशत को बढ़ाने के लिए जागरूकता अभियान चलाने को कहा।

झारखंड स्वास्थ्य सेवा के निदेशक प्रमुख ने सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। स्वास्थ्य सेवा झारखंड के निदेशक प्रमुख डॉ वीरेंद्र प्रसाद सिंह शनिवार को सदर अस्पताल सिमडेगा पहुंचे जहां पर उन्होंने सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया ।इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ नवल कुमार ,जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ पीपी शाह, सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ राजेश कुमार के अलावे कई कर्मी उपस्थित रहे। निदेशक प्रमुख ने सर्वप्रथम उपाधीक्षक कक्ष का निरीक्षण करते हुए संचालित कार्यों की जानकारी ली। जिसके बाद उन्होंने जन औषधि केंद्र पहुंचकर वहां पर मरीजों को मिलने वाली दवाइयों के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा उन्होंने कहा कि जन औषधि की दुकान ओपीडी की ओर मुंह करके खोलें ताकि अधिक से अधिक मरीज इसका लाभ ले सके ।वहीं उन्होंने ओपीडी पहुंचकर वहां पर इलाज कर रहे डॉक्टर से समुचित जानकारी ली जहां पर उन्होंने भर्ती होने वाले मरीज इमरजेंसी मरीज एवं ओपीडी के मरीजों के लिए अलग-अलग रजिस्टर एवं अन्य चीजों के बारे में जानकारी इसके अलावा महिला चिकित्सक के साथ भी उन्होंने निरीक्षण करने के साथ कई बिंदुओं पर आवश्यक जानकारी लेकर दिशा निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने मेंडाल जांच केंद्र ,हेल्थ मैप अल्ट्रासाउंड सीटी स्कैन सेंटर सहित अस्पताल के विभिन्न कक्षों का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की । उन्होंने कहा लोगों का विश्वास सदर अस्पताल से जुड़ा है ऐसे में मूलभूत सुविधाओं की कमी ना हो इसका ध्यान रखा जाए सर्पदंश मामले में पर्याप्त मात्रा में एंटी स्नेक वेनम उपलब्ध हो ताकि किसी मरीज की मौत न हो। सड़क हादसे में जो मरीज पहुंचते हैं उन्हें तत्काल इलाज प्राप्त हो तथा किसी परेशानी पर सदर अस्पताल में पुलिस एवं प्रशासन के नंबरों को भी अंकित रखें ताकि लोग आसानी से समस्याओं पर प्रशासन एवं पुलिस को संपर्क कर सकें इसके अलावा कई बिंदुओं पर जानकारी दी तथा सदर अस्पताल की साफ-सफाई तथा अन्य चीजों को लेकर सराहना किया मौके पर मैनेजर अलका कुल्लू डीपीसी प्रीति शालिनी बरला, सहित सदर अस्पताल के कर्मचारी उपस्थित रहे।

संस्कृत सप्ताह का समापन समारोह आयोजित

झुमरी तिलैया। विद्या विकास समिति झारखंड द्वारा संचालित समस्त शिशु-विद्या मंदिरों में संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में कैलाश राय सरस्वती विद्या मंदिर झुमरी तिलैया में भी हर्षोल्लास के साथ यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। समापन समारोह की शुरूआत विद्यालय के संस्कृत प्रमुख रामानुज पांडेय व प्राचार्य शर्मेंद्र कुमार साहु ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। प्राचार्य ने कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए कहा कि हमारी संस्कृति को अक्षुण्ण में रखने में संस्कृत की भूमिका है ।देववाणी संस्कृत युगों युगों से हमारे लिए ज्ञान की अजस्र धारा प्रवाहित करती रही है। वही मुख्य वक्ता रामानुज पांडे में संस्कृत की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार हम भारतीयों के लिए नदियों में गंगा ,पुरुषों में विष्णु उसी प्रकार भाषाओं में संस्कृत का स्थान है। संस्कृत के बिना हम अपने अतीत से कट जाएंगे। इस अवसर पर भैया बहनों के बीच कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। गीता पाठ, सुभाषितानि, एकात्मता स्त्रोत, हास्य कवि सम्मेलन, प्रेरक प्रसंग इत्यादि प्रतियोगिताओं में भैया बहनों ने संस्कृत में ही अपनी बातें रखी ।

ताराबोगा में जल मीनार का लिकेज पाइप को बदल कर नया पाइप लगाने पर ग्रामीणों में हर्ष

ठेठईटांगर। पीएचडी विभाग के द्वारा बना जल मीनार जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने प्रखंड प्रमुख बिपिन पंकज मिंज के पास किया था एवं प्रमुख वहां जाकर स्वयं जल मीनार का निरीक्षण किया था जिसमें पाइप में लीकेज की समस्या थी पाइप फटा हुआ था प्रमुख ने वहां जाकर के संबंधित विभाग के जेई को फोन किया इसके तत्पश्चात शनिवार को दोबारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान प्रखंड प्रमुख वहां पहुंचे ग्रामीणों ने बताया कि जल मीनार पूरी तरह से बन चुका है जो भी लिकेज था पाइप फटा हुआ था उसे दुरुस्त कर दिया गया है ।अब सुचारु रूप से चालू है इस पर गांव वालों ने कहा कि आप के माध्यम से आप ने आवाज उठाई यह जल मीनार बन गया इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद साथ ही प्रखंड प्रमुख ने भी तुरंत वहीं पर विभाग के जेई को फोन किया एवं उन्हें भी धन्यवाद दिया कि आप लोगों ने हमारे आगराह को सुना और जो भी समस्याएं थी उसे दूर किया, नया पाइप लगवाये, साथ ही प्रखंड प्रमुख विपिन पंकज मिंज ने कहा अगर किसी और क्षेत्र में भी इस तरह की समस्याएं हैं तो उसे हमें बताएं अवगत कराएं इसे हम बनवाने का पूरा पूरा कोशिश करेंगे।

अच्छी सोच

प्रेरणा शाखा ने 500 पौधे लगाने का किया लक्ष्य निर्धारण, 111 पौधरोपण किया

पेड़-पौधे के बगैर जीवन की कल्पना गलत : राजू शर्मा

नवीन मेल संवाददाता

झुमरी तिलैया। प्रेरणा शाखा के तत्वाधान मे लोकाई स्थित राजू शर्मा के फार्म हाउस मे 111 पौधारोपण किया गया। जिसमे अमरुद, जामुन, अनार सहित कई पौधे लगाए गए ।मौके पर फार्म हाउस के मालिक राजू शर्मा ने कहा कि पेड़ पौधा के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। पर्यावरण संतुलन महज विचार नहीं समग्र आधार भी हैं। उन्होंने कहा कि प्रेरणा शाखा और खास कर आधी आबादी जिस तरह से समाज सेवा के क्षेत्र मे कार्य कर रही हैं प्रेरणा का स्त्रोत हैं। शाखा के द्वारा बेटी बचाव बेटी पढ़ाओ, पर्यावरण, रक्तदान, गौ आहार, कला संस्कृति मे जो कार्य किये जा रहें हैं वो अद्वितीय हैं। प्रेरणा शाखा की अध्यक्ष श्रेया केडिया ने कहा कि जीवन के लिए पेड़ पौधे उतने ही जरुरी हैं जितना हवा पानी। चारो ओर हरियाली हो इसके लिए पेड़ पौधे लगाए जा रहें हैं। उन्होंने कहा कि आज शहर का विस्तार हो या बस्ती का बसने का कार्य हो पेड़ पौधे काटे जा रहें हैं। जिसकी कीमत इंसान चूका भी रहा हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जन्म दिन शादी की सालगिरह और नेक कार्य पर पाँच-पाँच पौधे लगाने का संकल्प लेना चाहिए। सचिव सारिका लड्ढा ने कहा कि वृक्ष प्रकृति का अनमोल रत्न हैं। जिसकी रक्षा सबकी दायित्व हैं। प्रेरणा शाखा आओ चले हम पेड़ लगाएं धरती पर हरियाली लाये के तहत 11,111 झारखंड मारवाड़ी युवा मंच के द्वारा वृक्षारोपण अभियान

में प्रेरणा शाखा द्वारा छोटा सा योगदान दिया गया है और आगे भी इस लक्ष्य को पूरा करने में वह वृक्षारोपण में अपना योगदान देती रहेगी। प्रेरणा शाखा के द्वारा इस मुहिम को उसकी लक्ष्य तक पहुंचाने में के लिए अभी तक कुल 204 पौधे लगा चुकी है। इस अवसर पर उपाध्यक्ष नेहा हिसारिया, प्रीति गुटगुटिया, दीपा गुप्ता, नेहा जैन, श्वेता गुटगुटिया आदि उपस्थित थे।

कोडरमा प्रखंड सभागार में खरीफ फसल पर कार्यशाला आयोजित

झुमरी तिलैया। कोडरमा प्रखंड के सभागार में प्रखंड स्तरीय खरीफ कर्मशाला का आयोजन किया गया। इसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी रोशमा डुंगडुंग द्वारा बागवानी, कृषि वाणिकी और जल संरक्षण पर विस्तार से जानकारी दी गई। वहीं बीस सूत्री अध्यक्ष द्वारा झारखंड सरकार द्वारा संचालित कृषि ऋण माफी योजना का लाभ किसानों को दिलाने के सम्बन्ध में जानकारी दिया और समय से बीज पैक्सो के माध्यम से बीज वितरण हुआ इसके लिए कृषि विभाग और सरकार को धन्यवाद दिय। उप प्रमुख बासुदेव यादव द्वारा मोटे अनाज विषेश रूप से मडुवा, कोदो, गोंदली जैसे मोटे अनाज को लगाने के बारे में विस्तार से जानकारी दिया और इससे होने वाले लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। जिला परिषद सदस्य लक्ष्मण यादव ने किसान क्रेडिट कार्ड से शत-प्रतिशत आच्छादित करने पर जोर देते हुए कहा कि किसानों को ज्यादा परेशानियां होती है। उसे सरल करते हुए लोन से आच्छादित करने कि बात कही। प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी रिजवान खान ने पैक्स में बीज वितरण के बारे में जानकारी दी। उनके द्वारा बताया गया कि अरहर का बीज पैक्सो में उपलब्ध है। किसान पैक्स से प्राप्त कर सकते हैं।

रंका के बाहाहारा पंचायत के पांच गावों में मंत्री ने किया जनसंवाद

'जन समस्या का निदान करना मेरा धर्म'

नवीन मेल। रंका/गढ़वा

गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने शनिवार को रंका प्रखंड के बाहाहारा पंचायत में जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान पंचायत के गौरगाड़ा गांव में दुर्गा मंडप के समीप, चटकमान गांव में स्कूल के बगल में, गासेदाग गांव में स्थित चार मुहान पीपल पेड़ के समीप, जासोबार गांव में बड़का आम के समीप तथा बाहाहारा गांव में स्थित पंचायत भवन में जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मंत्री ने उपस्थित ग्रामीणों से रू-ब-रू होते हुए लोगों की समस्याओं को सुना। कई समस्याओं का मंत्री ने ऑन द स्पॉट निदान कराया जबकि से समस्याओं का यथाशीघ्र निदान के लिए संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया। जनसंवाद में ग्रामीणों ने पेयजल, राशन, आवास, पेंशन आदि की

समस्या से मंत्री को अवगत कराया। मंत्री ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को समस्याओं का त्वरित निदान करने का निर्देश दिया।

इस दौरान बाहाहारा गांव में मंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी फेतल सिंह खरवार के वंशजों को सम्मानित किया।

मंत्रीने कहा कि गढ़वा वासियों की समस्या मेरी अपनी समस्या है। जनसमस्या का निदान करना मेरा कर्म एवं धर्म है। गढ़वा के लोगों ने जिस उम्मीद के साथ मुझे अपना सेवक चुना है, मैं उनकी उम्मीदों पर पूरी तरह से खरा उतरने के लिए प्रयासरत हूं। मंत्री ने कहा कि पहले के जनप्रतिनिधि और आज के जनप्रतिनिधि बहुत अंतर है। अब क्षेत्र में विकास कार्यों का मायने पूरी तरह बदल चुका है। पहले के लोग पूरे लाव-लस्कर एवं झूठे आश्वासन का पुलिंदा लेकर चुनाव के समय क्षेत्र में नजर आते थे और जीतने के बाद सब कुछ भूल जाते थे, परंतु अब उन्होंने जनप्रतिनिधि और विकास का मतलब ही पूरी तरह से बदल दिया है। आज पूरे गढ़वा के चप्पे-चप्पे पर बेहतर और गुणवतापूर्ण विकास कार्य नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि वे चौबीसों घंटे जनसमस्या के निदान के लिए सोचते एवं उसके लिए प्रयास करते रहते हैं। चुनाव जीतने के बाद लोग पांच साल बाद ही जनता के बीच नजर आते थे, परंतु मैं जिस दिन से चुनाव जीता हूं, मैं हमेशा जनता के बीच में हूं। क्षेत्र की समस्या दूर करने के लिए पहले लोगों को जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों के पीछे-पीछे चक्कर काटना पड़ता था। फिर भी कोई सुनवाई नहीं होती थी, परंतु आज खुद जनप्रतिनिधि जनता के सेवक के रूप में अधिकारियों की टीम के साथ घर-घर पहुंचकर एक-एक समस्याओं का निदान कर रहा है। मंत्री ने कहा कि जिन समस्याओं का तत्काल निदान होना था, उसे कर दिया गया। शेष का निदान यथाशीघ्र कर दिया जाएगा।

झामुमो के बाहाहारा पंचायत अध्यक्ष ओमप्रकाश यादव, युवा मोर्चा सचिव विकास कुमार यादव, पंचायत प्रभारी ललन यादव, रमेश यादव, राजकुमार यादव, संजय साव, फुलटुन यादव, संदीप यादव, सुकुल यादव, सूरज सोनी आदि ने विचार व्यक्त किया। मौके पर मुख्य रूप से रंका एसडीएम रामनारायण सिंह, बीडीओ देवानंद राम, सीओ शंभु राम, झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, संजय सिंह छोटू, रेखा चौबे, मालती देवी, प्रमुख हेमंत लकड़ा, मुखिया किरण देवी, बीस सूत्री अध्यक्ष अहमद अली अंसारी, कार्तिक पांडेय, जैनुल्लाह अंसारी, देवेन्द्र नाथ तिवारी, प्रखंड अध्यक्ष आशीष गुप्ता, दीपक सोनी, मुकेश तिवारी, अरविंद सोनी, पप्पू यादव, नंदलाल सिंह, नंदू सोनी, सुरेंद्र यादव, मुन्ना सिंह आदि मौजूद थे।

फेतल सिंह के वंशजों को मंत्री ने किया सम्मानित : मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने शनिवार को रंका प्रखंड के बाहाहारा पंचायत में जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान स्वतंत्रता सेनानी फेतल सिंह के वंशजों को शॉल ओढ़ाकर एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। सम्मानित किये गये लोगों में बेलाश सिंह, राजकुमार सिंह, बालकेश्वर सिंह, बिरजु सिंह, रामचंद्र परहिया, राजनाथ सिंह, हरखुलास सिंह, विनोद प्रसाद गुप्ता, सत्यनारायण सिंह, सतराज सिंह, गुल्लू सिंह आदि का नाम शामिल है।

खबर छपते ही एकाएक चकाचक हो गई सड़क

सुदामा साह व उमाशंकर साह के भंडार से ओम प्रकाश के घर तक सड़क का निर्माण कार्य हुआ पूर्ण

नवीन मेल संवाददाता। डंडई

खबर छपते ही सुदामा साह व उमाशंकर साह के भंडार से ओम प्रकाश के घर तक पहले पार्ट की जर्जर सड़क शनिवार को एकाएक चकाचक हो गई। अभिकर्ता के द्वारा आनन-फानन में शनिवार की अहले सुबह दर्जनों ट्रैक्टर और जेसीबी के सहयोग से उक्त निर्माण कार्य को पूर्ण कराने का काम किया गया। वहीं सड़क पर भारी-भरकम संख्या में वाहनों को चलता देख पास पड़ोस के ग्रामीण व किसान भी सकते में आ गए। उनका कहना था कि कौन सी ऐसी नौबत आ गई कि आज अभिकर्ता को दर्जनों वाहन लगाकर बदहाल सड़क की मरम्मती करानी पड़ गई। जर्जर सड़क पर मिट्टी मुरम गिरते ही उसकी तस्वीर भी पूरी तरह बदल गई। वहीं जगह जगह पर बने गड्ढे पूरी तरह बराबर हो गए।

मामले पर किसानों ने भी हर्ष व्यक्त करना शुरू कर दिया। किसानों ने बताया कि राष्ट्रीय नवीन मेल द्वारा मामले को प्रमुखता से

उठाया गया। इसके बाद सड़क को नया रूप में बदलने का अवसर प्राप्त हुआ। साथ ही कहा कि जर्जर सड़क की मरम्मती हो जाने से अब हम लोगों को खेत खलिहान तक आने-जाने में काफी सहूलियत होगी। मालूम हो कि ग्राम पंचायत बैलाझाखरा गांव स्थित सुदामा साह व उमाशंकर साह के भंडार से ओम प्रकाश के घर तक पहले पार्ट की जर्जर सड़क में फर्जीवाड़ा से संबंधित खबर को राष्ट्रीय नवीन मेल ने प्रमुखता से उठाया था।

संक्षिप्त

प्रशंसकों ने मनाया एमएस धोनी का जन्मदिन

चिनिया। प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र के रनपुरा गांव में शनिवार को भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी का 42वा जन्मदिन बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ लोगों ने मनाया। सैकड़ों की संख्या में मौजूद युवकों ने सर्वप्रथम महेंद्र सिंह धोनी की तस्वीर की पूजा अर्चना कर केक काटा व एक दूसरों को केक खिलाई। तत्पश्चात गांव में जन्मदिन के अवसर पर चॉकलेट मिष्ठान का भी यूवको ने हर्षोल्लास के साथ वितरण किया। इस मौके पर राजेश शाह, राहुल सोनी, चंदन कुमार, शुभम साह, आशीष रजक, इम्तियाज अंसारी, रहमान अंसारी, कन्हाई परहीया आदि लोग मौजूद थे।

अभाविप की स्थापना दिवस को लेकर बैठक

गढ़वा। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गढ़वा नगर इकाई की बैठक नगर परिषद गढ़वा स्थित सभागार में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से अभाविप मध्य पूर्व क्षेत्र (बिहार-झारखंड) क्षेत्रीय संगठन मंत्री निखिल रंजन जी मौजूद रहे। बैठक में आगामी 9 जुलाई को अभाविप के 75 वें स्थापना दिवस एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा हुई। बैठक में प्रदेश सहमंत्री निशांत चतुर्वेदी,विभाग संगठन मंत्री रत्नेश त्यागी, विश्वविद्यालय संयोजक मंजूल शुक्ला, जिला संयोजक विकास चंद्रवंशी, सह संयोजक शुभम तिवारी, हरिओम तिवारी, नगर मंत्री अखिल कुमार, पंकज चौबे, सुगंध बघेल, सौरभ भोलू, राहुल कुमार,स्नेहित केसरी,जूही कुमारी, प्राची कुमारी, कविता कुमारी सोनाली उपाध्याय अंतिमा कुमारी, सालवी कुमारी, विशाल गुप्ता, कुंदन गुप्ता, मनीष गुप्ता, प्रफुल्ल गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

मृतक की पत्नी को मिला दो लाख का चेक

भवनाथपुर। थाना क्षेत्र के कैलान पंचायत के मृतक शिवकुमार यादव के पत्नी को बीडीओ जयपाल महतो एवं शाखा प्रबंधक एम हसन ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो लाख के चेक दिया। जानकारी के मुताबिक बता दे कि भवनाथपुर थाना क्षेत्र के कैलान पंचायत के शिवकुमार यादव का मृत्यु खेत में पटवन करने के दौरान कुंआ में गिरने से 13 फरवरी 2023 को हो गया था। शिवकुमार यादव ने झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के बुका शाखा में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत बीमा करा रखा था।

100 दिव्यांगता प्रमाणपत्र निर्गत किए गए

मेराल। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने को लेकर मेडिकल बोर्ड का आयोजन किया गया। इसमें एक सौ लोगों को दिव्यांगता संबंधी प्रमाण पत्र निर्गत किया गया। प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कुल 136 आवेदन आए थे। मनोचिकित्सा से संबंधित 31, हड्डी रोग से संबंधित 60, मेडिसिन से संबंधित एक तथा 8 लोगों का नेत्र संबंधी प्रमाण पत्र बनाया गया। मेडिकल बोर्ड में मनोचिकित्सक सह जनरल फिजीशियन डॉ पीयूष कुमार प्रमोद, डॉ एसके रवि, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ विजय कुमार, नेत्र रोग विशेषज्ञ के अलावा डॉ वीरेंद्र कुमार, बीपीएम चंचल कुमार, बीडीएम दिलीप कुमार, दीपेश तिवारी, प्रधान सहायक हुमायूं कबीर, सुशील कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

पांच लोगों पर मारपीट की प्राथमिकी दर्ज

केतार। केतार थाना क्षेत्र के अंजनिया गांव निवासी महेंद्र यादव ने शनिवार को थाना प्रभारी संतोष कुमार को आवेदन देकर गांव के ही पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कराया है। आवेदन में उल्लेख किया है कि शुक्रवार की शाम अपने पत्नी से बात कर रहा था। इसी बीच शिव कुमार यादव, जीतन यादव, हितनारायण यादव, धनेश्वर यादव और लल्लू यादव एकमत होकर लाठी डंडे और टांगी से सुनील यादव और मनोज यादव को सर पर मार दिया, जिससे माथा में गंभीर चोट लगी है। दोनों घायलों को भवनाथपुर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। उन्होंने उक्त लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर कानुनी कारवाई करने का आग्रह किया है।

जहरीले जीव के काटने से लड़की की मौत

केतार। केतार बाजार निवासी बिंदु राम की 18 वर्षीय पुत्री रेखा कुमारी की मृत्यु शुक्रवार की रात्रि में इलाज के दौरान गढ़वा अस्पताल में हो गयी। जानकारी देते हुए परिजनों ने बताया की शुक्रवार की दोपहर में मुंग फसल तोड़ने के दौरान जहरीले जीव ने काट लिया था। शाम में अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने सदर अस्पताल गढ़वा में भर्ती कराया था जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजन सदमे में हैं। रो-रो कर बुरा हाल है।

पदाधिकारी ने की वेंडर की दुकान की जांच

डंडई। डीआरडीए परियोजना पदाधिकारी दीपक कुमार ने शुक्रवार को वेंडर रामाशीष प्रसाद की दुकान की जांच की। उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय के निर्देश पर जांच करने पहुंचे दीपक ने पास पड़ोस के लोगों से संबंधित दुकान के बारे में पूछताछ भी की। दीपक ने बताया कि मामले की रिपोर्ट उप विकास आयुक्त को देने के बाद ही इस पर कुछ कहा जा सकता है। बताते चलें कि वेंडर रामाशीष प्रसाद का इससे पूर्व कहीं भी डंडई गांव में मनरेगा सामग्री आपूर्ति आधारित दुकान का अता पता नहीं था। जांच की जानकारी मिलते ही उनके द्वारा अपने घर के पीछे बनाए जा रहे घर में उपयोग के लिए लाए गए सीमेंट की बोरी को उनके द्वारा उक्त अधिकारी को दिखाने का काम किया गया।

30 किमी पैदल यात्रा कर घाघरा देवाकी बाबाधाम में करेंगे जलार्पण

भव्य भक्ति जागरण के साथ 24 को निकलेगी कांवर यात्रा

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

बाबा भोलेनाथ की आशीर्वाद से श्रावण मास के शुभ अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कांवरिया संघ, बरवाटोली, लोहरदगा के द्वारा तीसरा सोमवारी को भव्य भक्ति जागरण के साथ देवाकी बाबा धाम मंदिर, घाघरा में जलार्पण के लिए विशाल कांवर यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यात्रा में शामिल शिवभक्तों की टोली लोहरदगा से 30 किमी पैदल यात्रा कर घाघरा देवाकी बाबाधाम में स्थित भगवान शिव पर जलार्पण करेंगे। इस कांवर यात्रा में सभी लोहरदगा वासियो को सादर आमंत्रित किया गया हैं। इसके लिए निमंत्रण पत्र भी लोगो को भेजा जा रहा है। कांवर यात्रा मनोकामना सिद्धि दुर्गा मंदिर बरवाटोली से सोमवार 24 जुलाई 2023 को प्रातः 7.00 बजे से प्रारंभ होगी। इसका उद्घाटन उपायुक्त डा. बाघमारे प्रसाद कृष्ण, पुलिस अधीक्षक आर. रामकुमार, एस.डी.ओ.

अरविंद कुमार लाल, एसडीपीओ वशिष्ठ नारायण सिंह संयुक्त रूप से करेंगे, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में गौरव आर.पी. अग्रवाल होंगे जबकि विशिष्ट अतिथि अजातशत्रु, अमन सिंह, सन्नी सिंह, राजीव रंजन, विजय प्रजापति, सन्नी यादव, रोहित साहू, संतोष लकड़ा होंगे। यात्रा को सफल बनाने के लिए एक कमिटी बनाई गई है। इसमें अध्यक्ष गौरव अग्रवाल (लड्डु), कोषाध्यक्ष शुभम अग्रवाल, सचिव आलोक अग्रवाल (निखिल), उपाध्यक्ष विक्रम सिंह, मीडिया प्रभारी राहुल कौशल, प्रचार मंत्री पीयूष अग्रवाल, संभव तमेड़ा, दिव्यांशु तमेड़ा, कौशल मेहता, यात्रा प्रभारी राम सिंह, मनीष अग्रवाल, महेंद्र प्रताप देव, राहुल साहु, अमित यादव को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वही मुख्य संरक्षक की भूमिका में डॉ. गणेश प्रसाद, रमेश साहु होंगे। वही संरक्षक में लखन प्रसाद साहु, सुधीर अग्रवाल, सन्तोष महतो, प्रत्युष साहु, शिबू साहु, धीरज अग्रवाल, सुमित रॉय, निखिल गर्ग, चंदन गोयल, नागेंद्र प्रजापति, दुर्गा प्रजापति, अनिल अग्रवाल, अनिश मित्तल, अजय सोनी रहेंगे। उक्त जानकारी कांवरिया संघ बरवाटोली के आजीवन संरक्षक समाजसेवी सुनील अग्रवाल ने दी। उन्होंने बताया कि कांवरियों के लिए सुल्तानगंज से गंगाजल की व्यवस्था मंदिर परिसर में ही किया गया है। इस दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं हो इसका ध्यान कमिटी रखेगी।

प्री-सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता 10 जुलाई से

लोहरदगा। प्रखंड स्तरीय, जिला स्तरीय एवं प्रमंडल स्तरीय प्री सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता, 2023 का आयोजन विभिन्न तिथियों में किया जाएगा। प्रखंड स्तरीय प्रतियोगिता 10-18 जुलाई 2023 तक सभी प्रखंडों में आयोजित की जाएगी। जिला स्तरीय पर प्रतियोगिता 20-25 जुलाई 2023 तक आयोजित की जाएगी। प्रमंडल स्तर पर यह प्रतियोगिता 1-5 अगस्त तक आयोजित की जाएगी। वहीं राज्य स्तर पर यह प्रतियोगिता 24-26 अगस्त तक आयोजित की जाएगी। बालक वर्ग में अंडर 14 एवं 17 में प्रतियोगिता खेली जाएगी। वहीं बालिका वर्ग में सिर्फ अंडर-17 वर्ग में प्रतियोगिता खेली जाएगी। 62वीं सुब्रतो कप इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट, 2023 (अंडर-17 बालक वर्ग एवं अंडर-17 बालिका वर्ग) 19 सितंबर से 23 अक्टूबर तक नई दिल्ली में एवं सब-जूनियर बालक वर्ग अंडर-14 वर्ग में प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 30 सितंबर से 10 अक्टूबर तक बंगलुरू में निर्धारित है।

दक्षता प्राप्त करने का मौका दे रहा है जिला प्रशासन

लोहरदगा। जिला प्रशासन लोहरदगा द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एंड अप्लाइड न्यूट्रीशन (होटल प्रबंधन खानपान तकनीक एवं पोषण आहार संस्थान) ब्राम्बे, राँची के साथ लोहरदगा जिले के ग्रामीण क्षेत्र के 10वीं/12वीं उत्तीर्ण छात्र/छात्राओं को होटल प्रबंधन के क्षेत्र में निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु एमओयू किया गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, ब्राम्बे, राँची में अगस्त, 2023 से प्रारंभ होने वाले निम्नांकित कोर्स हेतु लोहरदगा जिला के होटल प्रबंधन क्षेत्र में रोजगार के इच्छुक युवक/युवती अपने प्रखण्ड मुख्यालय/जिला योजना कार्यालय, लोहरदगा में 18 जुलाई तक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन जमा कर सकते हैं।

सलाहकार समिति की बैठक 12 को होगी

कुडू। गारिमा केंद्र के स्थापना एवं संचालन हेतु प्रखंड स्तरीय सलाहकार समिति के गठन को लेकर 12 जुलाई को बैठक होगी। बीडीओ मनोरंजन कुमार ने बताया कि महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा, समाजिक भेदभाव, डायन कुप्रथा जैसी कुरीतियों को रोकना एवं गरिमा केंद्र में पीड़ित महिलाओं को आपात स्थिति में अस्थायी आवासीय सुविधा प्रदान करने के साथ साथ गरिमा केंद्र के सुधार हेतु समय - समय पर जानकारी देना समिति का उद्देश्य है।

खेल के साथ जीवन में शिक्षा का होना निहायत जरूरी : बीडीओ

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा

सेन्हा प्रखंड मुख्यालय के सेन्हा वन डिपू के समीप प्रखंड स्तर पर जिला प्रशासन के सौजन्य से फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार चोपड़ा, थाना प्रभारी अभिनव कुमार ने संयुक्त रूप से युवा खिलाडियो से परिचय प्राप्त कर किया।

फुटबॉल टूनोमेंट का शुभारंभ वन डिपू मूहल्ला एवं अमन चौक सेन्हा के बीच खेला गया। दोनों टीम ने खेल का अच्छा प्रदर्शन करते हुए 1-0 से अमन चौक के टीम को पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया। खेल समापन के पश्चात युवा खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार चोपड़ा ने कहा खेल के साथ जीवन में शिक्षा का होना निहायत जरूरी है। बताते हुए उन्होंने कहा प्रखंड परिसर में शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु पुस्तकालय खोला गया है जहां सभी तबके के बच्चे नामांकन करा कर पुस्तकालय का लाभ उठाएं

और अच्छी शिक्षा गहन कर समाज के लिए प्रेरणा दायक बने। वहीं थाना प्रभारी अभिनव कुमार ने युवाओं को समाज के प्रति सजग करते हुए कहा कि युवा सद्भावना मंच के तहत वैसे युवाओं को कार्ड निर्गत किया जा रहा है जो सभी समुदाय के पर्व में सहयोग के लिए हाथ बढ़ा रहें है। इसके अलावे उन्होंने कहा थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम करने में युवाओं का अहम योगदान देखा गया है। आगे भी उन सभी युवाओं से अपेक्षा है कि सहयोग के भावना से कार्य करें।

इस मौके पर बीडीओ अशोक कुमार चोपड़ा, थाना प्रभारी अभिनव कुमार एस आई गणेश कुमार यादव के अलावे दोनों टीम के खिलाड़ी और अन्य लोग उपस्थित थे।

'पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाना आवश्यक'

उपायुक्त ने की जिले के लोगों से अपील

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

गढ़वा कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की ओर से शहर के बंधन मैरिज हॉल में जिला स्तरीय खरीफ सह मिलेटस कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन डीसी शेखर जमुआर जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी जिला कृषि पदाधिकारी शिव शंकर प्रसाद ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया।

मौके पर डीसी शेखर जमुआर ने कहा कि देश के विकास में किसानों की भूमिका अग्रणी है उन्होंने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है। गढ़वा जिले के 90 प्रतिशत खेती बारिश के पानी पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी तरह की चल रही योजनाओं को पंचायत स्तर और बूथ स्तर पर उतारने का शत प्रतिशत प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज लगातार गढ़वा जिले में बारिश कम हो रही है। उसके कारण जिले में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ लगाना आवश्यक है। बिना पौधा लगाए हम पर्यावरण संरक्षण की कल्पना नहीं कर सकते हैं और इसी तरह से पानी के लिए आने वाली पीढ़ी परेशान रहेगी। उन्होंने कहा कि आज सभी पंचायत स्तर पर पौधारोपण का कार्य किया जा रहा है। मैं खुद गढ़वा जिले के तमाम लोगों से अपील करता हूं कि अधिक से अधिक संख्या में पौधा लगाएं और पर्यावरण संरक्षण में अपनी महती भूमिका निभाएं। जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में हम सब की जिम्मेदारी है।

कार्रवाई | बीडीओ ने की पीडीएस दुकान की जांच

सही पायी गयी ग्रामीणों की शिकायत

नवीन मेल संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

प्रखंड के सिंहपुर ग्राम के डीलर कामेश्वर गुप्ता पर ग्रामीणों द्वारा राशन वितरण में अनियमितता की शिकायत पर प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रवण राम ने शनिवार को जनवितरण प्रणाली की दुकान की जांच की। इस दौरान ग्रामीणों की शिकायतों को सत्य पाया गया। ग्रामीणों ने डीलर कामेश्वर गुप्ता पर अंगूठा लगाने के बाद भी राशन नहीं बांटने का आरोप लगाया था। ग्रामीणों का यह भी आरोप था कि राशन लेने जाने पर डीलर द्वारा मारपीट व केस करने की धमकी दी जाती है। ग्रामीणों की शिकायत के आलोक में शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रवण राम जनवितरण प्रणाली की दुकान पर पहुंचकर गोदाम की जांच की। गोदाम

में राशन उपलब्ध नहीं था। जुलाई माह का राशन गोदाम में रखा जा रहा था, जबकि बीडीओ द्वारा पूछताछ के दौरान डीलर कामेश्वर गुप्ता ने स्वीकार किया कि मई-जून माह का राशन कुछ ग्रामीणों को नहीं दिया गया है, जबकि दुकान में कोई भी राशन शेष नहीं था। बीडीओ ने डीलर कामेश्वर गुप्ता को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि सोमवार को सभी ग्रामीणों को राशन मिल जाना चाहिये। मौके पर उपस्थित ग्रामीण बार-बार डीलर को बदलने की मांग प्रखंड विकास पदाधिकारी से कर रहे थे। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि सोमवार को बकाया राशन बांटने के बाद डीलर पर सख्त कार्रवाई की जायेगी। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रवण राम ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत सत्य पायी गयी है। जांच में उपस्थित दर्जनों ग्रामीणों ने बताया है कि मई- जून माह का अंगूठा लगवा कर भी डीलर के द्वारा राशन नहीं दिया गया। डीलर के अनुसार कुछ लोगों को राशन दिया गया है और कुछ लोगों का राशन बाकी है। उनका राशन भी गोदाम में नहीं मिला। डीलर को सोमवार को सभी ग्रामीणों का राशन मुखिया और पंचायत सेवक की उपस्थिति में बांटने का सख्त निर्देश दिया गया है। डीलर कामेश्वर गुप्ता पर पहले से भी शिकायत थी। कामेश्वर गुप्ता के ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई भी की जायेगी। मौके पर सत्यनारायण पांडेय, रविंद्र पांडेय, विकास पांडेय, योगेंद्र योगेंद्र पांडेय, अंजनी पांडेय आदि उपस्थित रहे।

एक नजर इधर भी

विद्रोही नायिका शांता आप्टे

सिनेमा में स्त्री या नायिका को सम्मानजनक स्थिति दिलाने के लिए अस्सी के दशक में हमें स्मिता पाटिल और शबाना आजमी के चेहरे नजर आते हैं लेकिन इससे भी पहले चालीस के दशक में यह काम शांता आप्टे ने किया। हिंदी और मराठी सिनेमा में उन्होंने अपने समय में कई कीर्तिमान स्थापित किये। वह गाती तो अच्छा थीं ही बल्कि नृत्य में भी निपुण थीं। अपनी आंखों के सुंदर उपयोग से उन्होंने अपने नृत्य को इतना स्वाभाविक बना दिया था कि दर्शक उससे प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाते थे। उनके गायन और अभिनय की तुलना कोलकाता की विख्यात बंगला कलाकार कानन देवी से की जाती थी। एक अच्छी गायिका के तौर पर ग्रामोफोन कंपनियों ने उनके स्वतंत्र रूप से रिकॉर्ड भी जारी किये। अपनी पहली ही फिल्म श्यामसुंदर से चर्चा में आईं शांता आप्टे की अन्य चर्चित फिल्में थीं- 'अमृत मंथन', 'अमर ज्योति', 'राजपूत रमानी', 'दुनिया न माने', 'कुंकू' आदि। बाद में उन्होंने तमिल फिल्म 'सावित्री' (1941) में भी काम किया। उनकी अंतिम फिल्मों में 'भाग्यरेखा', 'मैं अबला नहीं हूं', 'स्वयंसिद्ध' ,'चंडी पूजा' ,'राम भक्त विभीषण' (1958) का उल्लेख मिलता है। लेकिन उनकी सबसे ज्यादा चर्चा 1937 में आई फिल्म 'दुनिया न माने' से हुई जिसे प्रभात फिल्म कंपनी ने बनाया था । वी. शांताराम द्वारा निर्देशित यह फिल्म बेमेल विवाह की समस्या पर आधारित थी। इस फिल्म की सराहना विदेशों में भी हुई। यह फिल्म उस समय बनाई गई थी जब नारी स्वतंत्रता जैसा कोई शब्द समाज ने नहीं सुना था। शांता आप्टे ने नायिका नीरा की भूमिका में इतना विलक्षण अभिनय किया था कि समाज में उनकी विद्रोही महिला की छवि स्थापित हो गई थी। फिल्म में नायिका नीरा अपने सौतेले माता-पिता के द्वारा जबरदस्ती कर दिये गये विवाह को बहुत साहस के साथ अस्वीकार करती है। वह विवाह के बंधन में बंध जाने के बाद भी उस विवाह के बंधन को स्वीकार नहीं करती। शांताराम ने नायिका को ऐसा व्यक्तित्व प्रदान किया था कि वह कोरा आदर्शावाद बघारती स्त्री दिखाई न दे। वे उसे ऐसी आत्मसंयमी, विदुषी और विद्रोहिणी नारी बनाते हैं जो यथार्थ जीवन में भी लोगों को प्रेरणा दे सके। शांताराम ने इस बेमेल विवाह के अनमेल को तीव्र व्यंग्यात्मक रूप में दिखाने के लिए विभिन्न प्रकार की ध्वनियों का सहारा लिया था। नायिका और उसके बूढ़े पति की बहन के बीच की लड़ाई को नेपथ्य में बिल्लियों की लड़ने की आवाजों के द्वारा दर्शाया गया था। इसी तरह जब बूढ़ा पति अपनी मूंछों को रंग रहा होता है, तब नेपथ्य से बर्तन में कलई करने वाले की आवाज आती है-कलई करा लो। छाते के नीचे खड़े हुए राजकपूर और नर्गिस की प्रतीकात्मक छवि से पहले 'दुनिया न माने' में बूढ़ा पति अपनी लाचारी को छुपाने के लिए कई तरह से छाते का प्रयोग करता है। शांता आप्टे का जन्म 23 नवंबर, 1916 को महाराष्ट्र के एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। पिता स्टेशन मास्टर थे और घर में संगीत का माहौल था। उन्हें उनके पिता ने पंढरपुर के महाराज संकेत विद्यालय से प्रशिक्षण भी दिलवाया था। फिल्मकार भालजी पेंढारकर ने उन्हें फिल्मों में सर्वप्रथम प्रस्तुत किया फिल्म 'श्याम सुंदर' में। सरस्वती सिनेटोन की इस फिल्म में उन्होंने राधा का रोल किया था। हालांकि फिल्म हिंदी में ज्यादा नहीं चली लेकिन मराठी में इसने सिल्वर जुबली मनाई। शांता आप्टे की प्रतिभा का सही उपयोग प्रभात फिल्म कंपनी की फिल्मों में किया गया। वे केवल अपने चरित्र से ही नहीं बल्कि आम जीवन में भी बहुत दिलदार और बेधड़क थीं। उस जमाने में पत्रिका 'फिल्म इंडिया' के संपादक बाबूराव पटेल की तूती बोलती थी। एक बार उन्होंने उनके ऊपर कोई गॉसिप लिख दिया तो वह फिल्म इंडिया के ऑफिस में डंडा लेकर पहुंच गई थीं और बाकायदा उनकी टेबल पर जाकर उन्हें धमकाया कि अगर आगे ऐसा कुछ किया तो उनकी पिटाई होगी।

■ अजय कुमार शर्मा

अमृतकाल पर सजग संजय-दृष्टि

मोदी सरकार के 9 वर्षों का मूल्यांकन करती एक किताब

सक्रिय पत्रकारिता की लंबी पारी खेलने के बाद अब मीडिया-गुरु के रूप में सुपरिचित प्रो. संजय द्विवेदी समकालीन विषयों पर निरंतर लिखते रहे हैं। इनका राष्ट्रवादी टोन आकर्षित करता है। बिना किसी की परवाह किये संजय ऐसे विषय भी उठाते हैं, जिनको लेकर कुछ लोग उनकी आलोचना भी करते हैं, लेकिन ध्येयवादी इस लेखक-पत्रकार ने कभी ऐसे तत्वों की परवाह नहीं की और जो सच है और जो लिखा जाना चाहिए, उस पर बाकायदा कलम चलाई। अपनी प्रतिबद्ध वैचारिक लाइन पर चलते हुए पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक, सामाजिक और मीडिया संबंधी तीन हजार से भी अधिक लेख लिखने वाले संजय की नई पुस्तक भी कमाल की है। इस लेखक की पिछली पुस्तक 'भारतबोध का नया समय' भी काफी चर्चित रही और अब यह 'अमृतकाल में भारत'। इस पुस्तक में प्रो. संजय ने केंद्र सरकार के कुछ अभिनव कार्यों पर अपनी सकारात्मक दृष्टि डाली है। इसमें दो राय नहीं कि आजादी के अमृत महोत्सव को ध्यान में रखकर केंद्र सरकार ने जनहित में कुछ उत्कृष्ट कार्य किये। कुछ अभूतपूर्व निर्णय लिए, इन सबका सारगर्भित विश्लेषण समीक्ष्य पुस्तक में मिलता है। लेखक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नये भारत के शिल्पकार और राष्ट्रनायक के रूप में अपनी पुस्तक समर्पित की है। पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री द्वारा लिए गये निर्णयों ने देश को वैश्विक स्तर पर भी एक विशिष्ट पहचान दी। योग दिवस और मिलेट्स वर्ष आज पूरी दुनिया मना रही है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने बदलाव के नये आयाम गढ़े। स्वच्छ भारत से लेकर स्वस्थ भारत और बेटा-बेटी एक समान जैसे उदात्त-चिंतन ने बदलाव की बयार बहाई। खेलो इंडिया, हर-हर गंगे, नमामि गंगे के साथ ही डिजिटल क्रांति के रूप में भारत को जो नई पहचान मिली, उसका लोहा अब पूरी दुनिया मान रही है। इन सभी विषयों पर प्रो. संजय ने सन्तुलित कलम चलाई है। नये संसद भवन का निर्माण भारतीय अस्मिता की नवीन पहचान से कम नहीं। संजय द्विवेदी ने इस सत्य को स्थापित किया है कि मोदी की बातों में माटी की महक है। वे संवाद कला के महारथी हैं। जनसंचार माध्यमों का रचनात्मक इस्तेमाल कोई इनसे सीखे। 'मन की बात' के माध्यम से वे देश के करोड़ों लोगों तक पहुँचे। जिस आकाशवाणी को हमने हाशिये की चीज समझ लिया था, उसे प्रधानमंत्री ने मन की बात के माध्यम से कितना लोकप्रिय कर दिया, यह सबके सामने है। भारत की प्रगति और उस के श्रेष्ठ विकास कार्यों की गूँज विश्व स्तर पर हुई है इसलिए तो अमेरिका को भी कहना पड़ा कि 'दुनिया भारत का बौना होना गवारा नहीं कर सकती। आपको दिग्गज होना होगा और सही किस्म का दिग्गज होना होगा।' प्रधानमंत्री ने यह करके दिखा दिया। यह पुस्तक प्रधानमंत्री के तमाम सपनों और सरकार के उत्कृष्ट कार्यों का विहंगावलोकन है। समीक्ष्य पुस्तक में अनेक जगह आँकड़ों के माध्यम से भी देश के विकास को दर्शाया गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि अमृतकाल में आने वाले पच्चीस सालों के विराट संकल्प भी हैं। कोई भी राष्ट्र क्यों वर्तमान में नहीं जीता। वह अपने भविष्य के एजेंडे भी तय करता है। मोदी सरकार ने आने वाले पच्चीस सालों की भी चिंता की है। उस समय देश आजादी की शताब्दी मनायेगा, तब का भारत कैसा होगा, इसकी चिंता अमृतकाल में करना और उसके अनुरूप कदम उठाना बड़ी बात है। 'राष्ट्र सर्वोपरि' और 'कर्मभोगी नहीं, कर्मयोगी बनें' नामक अध्याय में प्रो. द्विवेदी ने प्रधानमंत्री के कर्मठ जीवन के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला है। सरकारी कर्मचारी अपनी सेवा को सिर्फ सरकारी न समझे, वरन देश की विकास यात्रा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका समझकर कार्य करें। प्रधानमंत्री यही भाव जाग्रत करना चाहते हैं। उनके विचारों को अनेक उदाहरणों के साथ लेखक ने लिपिबद्ध किया है। लोकतंत्र एवं समाज, संवाद और संचार, विकास के आयाम, विज्ञान एवं तकनीक, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा, भाषा नामक विभिन्न अध्यायों में लेखक ने प्रधानमंत्री के नवाचारों और संकल्पों को सारगर्भित ढंग से प्रस्तुत किया है। लेखक ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति : बदलाव की बुनियाद' में नई शिक्षा को लेकर प्रधानमंत्री ने जो कुछ सुधार किये, उसका विस्तृत विवरण दिया है। जैसे शिक्षा मंत्रालय ने 'दीक्षा' प्लेटफार्म शुरू किया। इसका 'स्वयं' नामक पोर्टल को तेईस करोड़ हिट्स मिले। इसी से समझा जा सकता है युवा पीढ़ी के लिए यह पोर्टल कितना उपयोगी रहा।'

अपनी प्रतिबद्ध वैचारिक लाइन पर चलते हुए पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक, सामाजिक और मीडिया संबंधी तीन हजार से भी अधिक लेख लिखने वाले संजय की नई पुस्तक भी कमाल की है। इस लेखक की पिछली पुस्तक 'भारतबोध का नया समय' भी काफी चर्चित रही और अब यह 'अमृतकाल में भारत'।

पुस्तक समीक्षा

संजय द्विवेदी

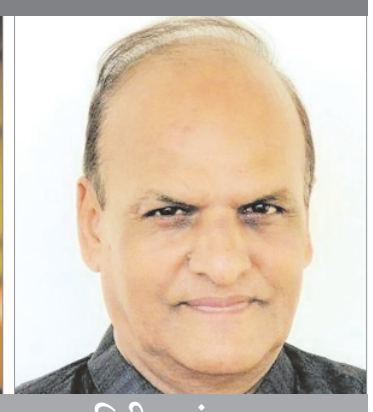

गिरीश पंकज

एनसीईआरटी की किताबों ने प्रसन्न कर दिया

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने पहली व दूसरी कक्षा की पुस्तकें जारी की हैं। ये राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण में तैयार की गई हैं। प्रसन्नता की बात है कि इनमें तैत्तरीय उपनिषद में वर्णित पंचकोष का उल्लेख किया गया है। तैत्तरीय उपनिषद में आनंद का समुचित विवेचन है। कहते हैं, 'चेतन से आकाश पैदा हुआ। आकाश से वायु वायु से अग्नि और अग्नि से जल का उद्भव हुआ। जल से पृथ्वी। पृथ्वी से औषधियां वनस्पतियां प्रकट हुईं। वनस्पतियों औषधियों से अन्न और अन्न से पुरुष पैदा हुआ। यह पुरुष अन्नमय है। (तैत्तिरीय उपनिषद 2.1) यहां सृष्टि के विकासवादी सिद्धांत के संकेत है। आगे कहते हैं,' अन्न से प्रजा उत्पन्न हुई। अन्न से जीवित रहती है और अन्न में लीन होती है। अन्न सभी प्राणियों का ज्येष्ठ है। अन्नमय शरीर के भीतर प्राणमय शरीर है।' प्राण के बारे में कहते हैं, 'प्राण ही आयु है - प्राणोहि भूतानां आयु। फिर प्राणमय शरीर के भीतर मनोमय कोष है।' मनोमय से यह प्राणमय शरीर पूर्ण है। वह प्राणमय शरीर में सर्वत्र व्याप्त है। इसके भीतर विज्ञानमय कोष है। फिर विज्ञान के गुण बताते हैं, 'विज्ञान कर्म क्षेत्र का विस्तारक है। सभी देवता ज्येष्ठ ब्रह्म की तरह विज्ञान की उपासना करते हैं। विज्ञान ब्रह्म है। विज्ञानमय कोष के भीतर आनंदमय कोष है। प्रिय उस आनंद का सिर है। मोद दक्षिण भाग है। प्रमोद उत्तर भाग है। आनंद आत्मा है। आनंदमय कोष सुन्दर उपलब्धि है। आनंद सृष्टि का मूल तत्व है। वह सृष्टि का नियंता है। शंकराचार्य ने तैत्तिरीय उपनिषद के भाष्य में लिखा है, 'आनंद विद्या और कर्म का फल है। विद्या और कर्म भी प्रिय और आनंद के लिए ही हैं। प्रिय पदार्थ की प्राप्ति से होने वाला आनंद मोद कहलाता है। वही हर्ष प्रकट करने पर प्रमोद कहा जाता है। फिर विज्ञानमय पुरुष का वर्णन है। यह मनोमय शरीर से भी सूक्ष्म है। विज्ञानमय जीवात्मा समस्त शरीर में व्याप्त है।' गीता (13.3.22) में कहते हैं कि, 'जीवात्मा रूप क्षेत्रज्ञ शरीर रुपी क्षेत्र में सर्वत्र व्याप्त है।' इसके बाद आनंदमय पुरुष का वर्णन है। यह विज्ञानमय जीवात्मा से भिन्न है। यह उसके भीतर रहता है। इसे आनंदमय कहा गया है। आनंदमय के पहले विज्ञानमय पुरुष व्याप्त है। वह इसमें भी परिपूर्ण है। आनंदमय की तुलना पक्षी रूप में की गई है। प्रिय भाव उस पक्षी का सिर है। समस्त प्राणी आनंद चाहते हैं। इस पक्षी का दाहिना पंख मोद है। दायां पंख प्रमोद है। आनंद ही परम सत्ता का मध्य अंग है। सम्पूर्ण आनंद सम्पूर्ण दिव्यता है। अनेक पदार्थ मधु, दूध और घी भी अपने स्वाद में आनंद देते हैं। वैदिक ऋषियों को आनंदित करने वाले सोम भी आनंददाता हैं। ऋग्वेद में एक पूरा मण्डल (9) सोम को समर्पित है। सोम आनंदवर्धक पेय हैं। आनंददाता हैं। आनंद का स्रोत हैं। (9.113.6) ऋषि स्तुति है, 'हे सोम आप वरुण व इन्द्र को आनंद देते हैं। आप विष्णु सहित सभी देवों को आनंदित करते हैं। देवता भी अमृतत्व पाने के लिए सोम पीते हैं। (9.106.8) वैदिक पूर्वजों के दूध प्रिय है। ऋषि सोम में गाय का दूध मिलाते हैं। (9.6.6) सोम और दूध का मिलन सभी रसों का दाता है।' ऋषि कहते हैं, 'जिस समय सोम को दूध के साथ मिलाते हैं उस समय सभी रस आकर्षित होते हैं।' मजेदार बात यहां यह है कि यहां आनंद के स्रोत आस्था विश्वास में नहीं भौतिक पदार्थों में हैं। ऋषि सोम में दूध मिलाने के बाद दही मिलाते हैं। पहले सोम में दूध और फिर दही फिर इससे मिलने वाला सभी रसों का आनंद। वे इस आनंद में नमस्कार का भाव भी मिलाते हैं। ऋषि कहते हैं, 'मधुर सोमरस में मधुर गोदूध मिलाओ फिर नमस्कार करो। फिर दही मिलाओ। नमस्कार सहित दूध के साथ सोमपान सभी रसों का आनंददाता है। नमस्कार का अपना रस है। यह नमस्कार आधुनिक पियक्कड़ों के 'चियर्स' जैसा है।' कहते हैं, 'सोम में जब दूध मिलाया जाता है तब सोमपान से सभी देवगण आनंदित होते हैं।' सोम देवता का उल्लेख ईरान के प्राचीन ग्रन्थ 'अवेस्ता' में भी हैं। ऋग्वेद के सोम 'अवेस्ता' में 'होम' हैं। ऋषियों के अनुसार सोम के दर्शन से सृजन कर्म विशिष्ट हो जाते हैं। काव्य उगते हैं। गीत प्रकट होते हैं। ऋग्वेद (9.50.1) में कहते हैं, 'हे सोम आपके उद्भव से हम याजक, ऋक, यजु और साम मन्त्रों का गान करते हैं।' मैकडनल जैसे कुछ विद्वान सोम को इंटोक्सिकेटिंग - नशीला पदार्थ बताते हैं। यह बात गलत है। सोम रचनाशीलता का आनंद है।' इसे पवित्र बताते हैं, 'पवित्र यह सोमरस सूर्य की तरह सभी लोकों में प्रकाशित होता है। (9.54.3) सोम ज्ञानदाता हैं।' एनसीईआरटी ने उचित ही तैत्तिरीय उपनिषद के पंचकोष का बच्चों के पाठ्यक्रम के लिए सदुपयोग किया है। यह एक अच्छी शुरूआत है। उपनिषद का ज्ञान निष्कलुष और आनंददाता है। हम सब आनंद अभीप्सु हैं। मनुष्य आनंद का भोक्ता है। लेकिन अभिलाषाएं अनंत हैं। सभी इच्छाएं पूरी नहीं होती। इससे तनाव बढ़ता है। वैदिक समाज आनंद मगन था। कामना अभिलाषाओं के तनाव नहीं थे। तैत्तिरीय उपनिषद के ऋषि ने आनंद का प्रेमपूर्ण विश्लेषण किया है। ऋषि प्रारम्भ में ही कहते हैं 'अब हम आनंद की मीमांसा करते हैं, - मनुष्य युवा हों। श्रेष्ठ आचरण से युक्त हों। अध्ययनशील हों, अंग स्वस्थ हों। धनवान हों। पृथ्वी पर अधिकार भी हों। तो यहां आनंद है।' यहां आनंद की सारी बातें भौतिक हैं। आगे कहते हैं कि, 'लेकिन इस तरह से सौ आनंदों से बड़ा मनुष्य गंधवार्णां आनंद है। गंधर्व आनंद कविता संगीत कला और संस्कृति से जुड़ा होता है। सांस्कृतिक मनुष्य साधारण मनुष्य की तुलना में सौ गुना आनंद पाते हैं। आगे 'मनुष्य गंधर्व आनंद' की तुलना में देव गंधर्व आनंद को सौ गुना बताते हैं।

■ हृदयनारायण दीक्षित

है न विचित्र बात !

भारतीयता को समर्पित छात्र आंदोलन का 75वां वर्ष

भारतीयता के उदात्त विचार को समर्पित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की ऐतिहासिक संगठनात्मक यात्रा 09 जुलाई को अपने 75वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। यह यात्रा 1949 में देश की स्वतंत्रता के उपरांत राष्ट्र पुनर्निर्माण तथा समर्थ व सबल युवा पीढ़ी गढ़ने का श्रेष्ठ लक्ष्य लिए आरंभ हुई थी। किसी भी संगठन के लिए 75वें वर्ष तक पहुंचना गौरवशाली, महत्वपूर्ण तथा उत्सव का अवसर होता है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की संगठनात्मक यात्रा में यह अवसर ऐसे समय आया है जब देश की स्वतंत्रता का अमृतकाल चल रहा है। देश की विकास यात्रा के साथ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की यात्रा राष्ट्र समर्पित सक्षम युवा पीढ़ी के निर्माण की रही है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का स्वरूप अपने 75वें वर्ष में विस्तृत तथा बहुआयामी हो गया है। पिछले सत्र में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की कुल सदस्यता 45 लाख से अधिक रही है तथा देशभर में 21 हजार से अधिक स्थानों पर अभाविप की इकाइयां व संपर्क स्थान हैं। यह केवल एक आंकड़ा मात्र नहीं है बल्कि यह विद्यार्थी परिषद के अखिल भारतीय स्वरूप को स्पष्टतया सामने लाने के साथ वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े छात्र संगठन होने की बात को सिद्ध करता है। विगत 74 वर्षों से शिक्षा क्षेत्र के विविध विषयों पर कार्यरत अभाविप की सकारात्मक शक्ति ने भारतीय शैक्षणिक परिसरों से राजनीति, सिनेमा, मीडिया, व्यापार,शिक्षा, प्रशासन आदि क्षेत्रों को प्रभावशाली युवा नेतृत्व दिया है। इन विविध क्षेत्रों में आज कई ऐसी नामचीन हस्तियां हैं जो अपने विद्यार्थी जीवन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से सक्रिय रूप से संबद्ध रही हैं। देश में आपातकाल जैसे बड़े संकट के विरुद्ध अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की महत्वपूर्ण भूमिका व योगदान के साथ-साथ लघु स्तर से लेकर वृहद स्तरीय ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में देश के युवा वर्ग ने सकारात्मक परिवर्तन निमित्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री रहे व वर्तमान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर अभाविप के संकल्प निमित्त लिखते हैं- 'भारत हमारी मां है, हम पुत्र की भांति सभी देशवासियों की सेवा करेंगे, इस संकल्प के साथ विद्यार्थी परिषद की स्थापना हुई थी। ... विद्यार्थी परिषद का कार्यक्षेत्र भले ही शैक्षिक परिसर अर्थात कैंपस है, परंतु विचार का क्षेत्र शिक्षा से आगे बढ़कर देशहित के हर मुद्दे के साथ भी संबद्ध है।' अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की यात्रा भारतीय मूल्यों से अनुप्राणित राष्ट्रप्रेमी युवाओं की समर्थ पीढ़ी के निर्माण की यात्रा रही है। कोरोना महामारी के दौरान जब देश पर संकट था तब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में अनेक युवाओं ने लोगों की पीड़ा को कम करने के लिए उल्लेखनीय कार्य किया। यह हाल का उदाहरण है। ऐसे कितने ही अवसर रहे हैं जब देश में अभाविप के नेतृत्व में युवाओं का समूह विभिन्न समस्याओं के समाधान के निमित्त सबसे पहले आगे आया। वर्तमान में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शिक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण हितधारक के रूप में अपनी भूमिका निर्वहन कर रही है, जिससे देश के शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन आ सके। आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की विभिन्न शाखाएं पर्यावरण, सेवा,खेल आदि क्षेत्रों में भी कार्यरत हैं तथा युवाओं को इन विषयों से संबद्ध कर समाज में सार्थक परिवर्तन लाने का कार्य कर रही हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सतत नवीन विषयों तथा क्षेत्रों से अपनी यात्रा को संबद्ध किया है। इस कारण 75वें वर्ष में पहुंची यह यात्रा कहीं भी बोझिल या रुकी होने के स्थान पर सतत गतिशील तथा नवीन क्षेत्रों में संलग्न दिखती है।

■ आशुतोष सिंह

तीरथ जब तक पर्यटन की संज्ञा में रहेंगे, गरिमा की चिंता बनी रहेगी!

'मंदिर में दर्शन करने आने वाले दर्शनार्थियों से अपील है कि वे शालीन परिधान पहनकर आएं...।' यह इबारत इन दिनों राजस्थान ही नहीं देश के कई मंदिरों में लिखी हुई दिखाई देने लगी है। मंदिरों से ज्यादा यह इबारत सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। और अब वही हो रहा है जो किसी भी विषय के सोशल मीडिया पर साया होने के बाद होता है, चर्चा-परिचर्चा। एक तरफ पक्ष आ खड़ा हुआ है तो एक तरफ विपक्ष। और कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं कि राजस्थान में यह विषय आगामी कुछ दिनों में चुनावी मुद्दा भी बन जाय। हाल ही, राजस्थान में उदयपुर के ऐतिहासिक जगदीश मंदिर ने इस इबारत के साथ वायरल की ऊंचाइयों को छुआ है। यह ऊंचाई तब और ऊंची हो गई जब राजस्थान का देवस्थान विभाग इसमें कूद पड़ा और इबारत को हटाने की कार्रवाई की। अब तक यह इबारत धर्म-समाज-श्रद्धालुओं तक सीमित थी, सरकारी विभाग के कूदते ही यह इबारत राजनीतिक गलियारों का हिस्सा बन गई। और चूंकि राजस्थान में कांग्रेस नीत गहलोत सरकार है, तब हिन्दूवादी संगठनों को सरकार पर सवाल उठाने का मौका मिल गया। हालांकि, आम आदमी देवस्थान विभाग पर बेसिक संजीदा सवाल उठा रहा है कि जब भगवान के भोग की व्यवस्था नहीं होती तब तो देवस्थान विभाग के कान में जूं नहीं रेंगती, इस इबारत पर अचानक कैसे स्फूर्ति आ गई। यह इबारत इस चुनावी साल में राजस्थान में क्या गुल खिलाती है, यह तो वक्त बतायेगा, लेकिन यक्ष प्रश्न यह है कि इस इबारत को मंदिरों में लिखने की आज जरूरत क्यों आन पड़ी है। इतने सालों में तो ऐसा कुछ नहीं नजर आता था, अब ऐसा क्या हो गया। कहीं न कहीं यह क्षरण होती सनातन संस्कृति की ओर संकेत है, शायद यही कारण है कि संस्कृति संरक्षण की पहल मंदिरों में इस इबारत से शुरू हुई है। शालीन परिधानों की बात ही करनी है तो शुरूआत घर से होनी चाहिए। हिन्दू समाज का कौन सा घर ऐसा होगा जिसमें पूजाघर न हो। बड़े-बुजुर्ग सुबह-शाम दीया तो करते ही हैं। पूजा अर्चना भी स्नान के बाद ही की जाती है। भले दो मिनट ही सही, सुबह उठकर ईश्वर स्मरण सभी करते हैं। सनातन संस्कृति में बडे-बुजुर्गों के समक्ष उपस्थित होते समय भी गरिमा का ख्याल रखा जाता है, यह गरिमा सिर्फ आचरण में ही नहीं, अपितु परिधानों में भी झलकती है। आज भी बुजुर्गों के सामने आंखों में नम्रता और यदि घर की बहुएं हों तो वे सिर पर पल्लू अवश्य रखती हैं। मंदिर में बिराजमान आराध्य की प्रतिमा भी कोई निर्जीव मूरत नहीं मानी जाती, उसमें प्राण प्रतिष्ठा होती है और उसकी नित्य सेवा का भाव उसकी सजीवता को प्रकट करता है। ऐसे में उनके समक्ष जाने में भी गरिमा के संस्कार हैं, हालांकि यह संस्कार पीढ़ी दर पीढ़ी स्वतः स्थानांतरित होते हैं, इन्हें किसी इबारत में बांधने की आवश्यकता आज तक नहीं पड़ी। अव्वल तो यह कि आज की पीढ़ी मंदिर में कदम साल में कितनी बार रखती है, और यदि शालीन परिधान नहीं हैं तो इसके मायने यह समझे जाएं कि क्या वे टाइम पास और मौज-शौक की दृष्टि से मंदिर आ रहे हैं। इसकी बानगी हाल ही केदारनाथ धाम में सामने आई और वहां के प्रबंधन को इस पर सख्त रुख अख्तियार करना पड़ा। कुछ समय पूर्व सम्मेदशिखरजी पर भी विवाद का मूल का कारण 'गरिमा' की पालना को लेकर ही रहा। सम्मेदशिखरजी के मामले में 'धार्मिक पर्यटन' शब्द को लेकर सवाल उठना शुरू हुआ जिस पर आज भी गंभीरता से विचार करना जरूरी है। पर्यटन एक वृहद शब्द है जिसमें देश से लेकर सात समंदर पार से आने वाले विदेशी की पसंद-नापसंद का ख्याल रखने और उससे कमाई करने का नजरिया शामिल है। यही कारण है जब धर्मस्थल के साथ धार्मिक पर्यटन का नजरिया शामिल हो जाता है तब उसके आसपास कुछ ऐसी गतिविधियां भी स्थापित होने लगती हैं जो उस धार्मिक स्थल की गरिमा के अनुरूप नहीं होतीं। जिम्मेदारों और सरकारों को यह समझने की अत्यंत आवश्यकता है कि तीरथ और पर्यटन शब्द में भावनाओं से लेकर नजरिये तक में जमीन-आसमान का फर्क है। पर्यटकों को तो हम जानते ही हैं, सिर्फ मंदिर ही नहीं, वे तो सार्वजनिक रूप से रेलवे, बस स्टैंड, एयरपोर्ट पर भी खुलेआम लिप किस कर लेते हैं। कुछ समय पहले यह मुद्दा भी उठा था कि सार्वजनिक स्थलों पर यह भी बोर्ड लगाए जाने चाहिए कि आप जिस देश में हैं वहां की संस्कृति के अनुरूप व्यवहार करें। लेकिन, हमारे बॉलीवुड की मेहरबानी है कि पर्दे पर खुलेआम जो दिखाया जाता है, उस पर्दे पर चेतावनी बोर्ड कौन लगाये। यह हास्यास्पद नहीं है कि सिगरेट और शराब पीते हुए दृश्य दिखाते हैं, और नीचे सिर्फ एक लाइन लगाकर इतिश्री कर ली जाती है - सिगरेट-शराब का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। मेवाड़ की एक कहावत यहां उद्धृत करना उचित लगा रहा है, ग'खुद खावे काकड़ी, लोगां ने दे आकड़ी'। खैर, उदयपुर में भी जिस जगदीश मंदिर को लेकर विवाद खड़ा हुआ है, उसके मूल में तीरथ के बजाय पर्यटन है। वहां पर आसपास या शहर के लोगों के परिधानों से ज्यादा समस्या नहीं है, दरअसल वहां देसी-विदेशी पर्यटकों की रेलमपेल रहती है। ज्यादातर उन्हीं के परिधान मंदिरों की गरिमा के अनुरूप नहीं होते। सकारात्मक पहलू यह है कि मंदिर पुजारियों ने उन्हें रोकने के बजाय वहां पर भारतीय परिधान उपलब्ध कराने का निर्णय किया है और सुरक्षित चेंजिंग रूम की व्यवस्था की भी बात कही है, ताकि मंदिर में प्रवेश गरिमापूर्ण परिधान के साथ हो। देवस्थान विभाग द्वारा जगदीश मंदिर से इस तरह की अपील के पोस्टर फाड़ने के बाद सवाल यह भी उठा है कि यह कार्रवाई की ही क्यों गई, जबकि सरकारों की जिम्मेदारी तो किसी भी आस्था स्थल की पवित्रता, मर्यादा और गरिमा के संरक्षण की है। जिस तरह पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने ताजमहल में बोर्ड लगा रखा है कि वहां जूते-चप्पल पहनकर नहीं जाया जा सकता, उसी अनुरूप मंदिर में यदि कोई इस तरह का आग्रह करता है तो क्यों अनुचित है? सभी मत-पंथों की बात करें तो हर आस्था स्थल के अपने-अपने नियम हैं जिन्हें बताया भी जाता है और लोग पालन भी करते हैं, वह भी श्रद्धा से। गुरुद्वारे में बिना सिर ढंके कोई प्रवेश नहीं करता, भले ही वह पुरुष हो और भले ही वह अन्य मतावलम्बी ही क्यों न हो। यह बात कई मुस्लिम आस्था स्थलों पर भी लागू है और बिना किसी आपत्ति श्रद्धालु श्रद्धा से इसका पालन करते हैं।

■ कौशल मूंदड़ा

हिन्दू समाज का कौन सा घर ऐसा होगा जिसमें पूजाघर न हो। पूजा अर्चना भी स्नान के बाद ही की जाती है। भले दो मिनट ही सही, सुबह उठकर ईश्वर स्मरण सभी करते हैं। सनातन संस्कृति में बडे-बुजुर्गों के समक्ष उपस्थित होते समय भी गरिमा का ख्याल रखा जाता है, यह गरिमा सिर्फ आचरण में ही नहीं, अपितु परिधानों में भी झलकती है।

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नई दिल्ली-1, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com।

NEWS इन ब्रीफ

शुभेंदु ने चुनाव में हिंसा को लेकर बीएसएफ के आईजी को लिखा पत्र

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में शनिवार को हुए पंचायत चुनाव के लिए मतदान के दौरान केंद्रीय बलों की पर्याप्त उपस्थिति और सक्रियता नहीं देखे जाने को लेकर नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने बीएसएफ के आईजी एसएस गुलेरिया को पत्र लिखा है। गुलरिया राज्य में तैनात हुए केंद्रीय बलों के लिए मुख्य कोऑर्डिनेटर हैं। अपने पत्र में शुभेंदु ने उनके खिलाफ न्यायालय की अवमानना का आरोप लगाते हुए कहा है कि कोर्ट ने प्रत्येक मतदान केंद्र पर केंद्रीय बल के जवानों की तैनाती का आदेश दिया था लेकिन इसका अनुपालन नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बलों ने तैनाती के लिए सेक्शन वाइज कम से कम चार जवानों की तैनाती की अडिगता दिखाई जिसकी वजह से राज्य भर में हिंसा हुई है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि केंद्रीय बल के जवान अगर कोर्ट के आदेश अनुसार काम किए होते तो इतनी हिंसा नहीं होती।

बाइक से गिरे दो सगे भाइयों को ट्रक ने रौंदा, दोनों की मौत

अशोकनगर। शहर में शनिवार को जिला न्यायालय के पास बाइक से गिरे दो युवकों को पीछे से आ रहे एक ट्रक ने कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दोनों मृतक सगे भाई थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, इंदौर के मालवीय नगर का रहने वाला 48 वर्षीय पृथ्वीराज पुत्र मांगीलाल जाटव 20 साल से अशोकनगर क्षेत्र में सोफा बनाने का काम करता था और उसका भाई दुर्गेश जाटव गुना में रहता था। दोनों का एक दूसरे के पास आना जाना लगा रहता था। कुछ दिन से पृथ्वीराज का बेटा भी अशोकनगर ही रुका हुआ था। शुक्रवार को पृथ्वीराज अपने भाई के पास गुना चला गया था। शनिवार को सुबह पृथ्वीराज अपने भाई दुर्गेश के साथ अशोकनगर बाइक से आ रहा था। इसी दौरान सुबह करीब 11:30 बजे उनकी बाइक जिला न्यायालय के पास अचानक से फिसल गई। जैसे ही बाइक जमीन पर गिरी, उसी समय तेज रफ्तार ट्रक पीछे से आया और दोनों को रौंदते हुए आगे निकल गया। ट्रक का पहिया दोनों भाइयों के ऊपर से गुजर गया, जिससे उनकी मौके पर ही दोनों की मौत हो गई।

धर्मचंद कोल हत्याकांड के आरोपी को गिरफ्तार ,पुलिस ले गई महाराष्ट्र

मीरजापुर। सात वर्ष बाद आखिरकार महाराष्ट्र पुलिस शनिवार को धर्मचंद कोल हत्याकांड के आरोपित को गिरफ्तार कर महाराष्ट्र ले गई। हत्या के बाद से ही हत्यारा फरार चल रहा था। मामला हलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बरयां गांव का है। हत्यारोपित अपने ससुराल जाकर छिपा हुआ था। आरोपी नगीना ने सगे भाई जगदीश कोल के साथ मिलकर महाराष्ट्र में धर्मचंद कोल की हत्या की थी। हालांकि पूछताछ में पता चला कि आरोपित नगीना कोल उर्फ चंकी पांडेय व मृतक धर्मचंद कोल एक ही परिवार के हैं। दरअसल, वर्ष 2016 में महाराष्ट्र सिटी के पनवेल कुंडवेर में धर्मचंद कोल की हत्या के संबंध में थाना पनवेल जिला रायगढ़ महाराष्ट्र में हत्या का केस दर्ज हुआ था, पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। वांछित आरोपित हलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत सुकतरवा पिपरा गांव निवासी चिंकी पांडेय के मीरजापुर में छिपे होने की सूचना पर तेजी से काम करते हुए एसटीएफ ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

सीएम योगी ने खिलाड़ी कोटे में चयनित आरक्षियों को दी नियुक्ति पत्र, कहा

अनुशासित होकर करें अपना काम

एजेंसी। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां लोकभवन में खिलाड़ी कोटे में चयनित 227 आरक्षियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये। इनमें से 137 पुरुष और 90 महिलाएं हैं। चयनित अभ्यर्थियों में कई राज्यों के युवा शामिल हैं।

इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के युवाओं में खेल को लेकर एक अलग ऊर्जा का संचार हुआ है। आज हम प्रतिभावान खिलाड़ियों को पुलिस बल का हिस्सा बना रहे हैं। सभी अभ्यर्थियों और उनके परिजनों को शुभकामनाएं देता हूं। यह उप्र की अब तक की सबसे बड़ी नियुक्ति है जिसमें इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों को नौकरी दी गयी है। आज दिव्या काकरन को नायब तहसीलदार के पद पर नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी की गयी है।

उन्होंने बताया कि खिलाड़ी कोटे से 479 खिलाड़ियों का चयन हुआ

है। 304 पुरुष और 175 महिला खिलाड़ी हैं। इनमें यूपी से 371 खिलाड़ी हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तराखण्ड, कर्नाटक, केरल समेत कई अन्य राज्यों के खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इसमें अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 227 का वेरिफिकेश हुआ है। इसलिए उन्हें आज नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। इनमें से 137 पुरुष और 90 महिलाएं हैं।

नवचयनितों को नसीहत देते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आप उत्तर प्रदेश पुलिस बल का हिस्सा बनने जा रहे हैं। आमतौर पर सरकारी नौकरी मिलने के बाद लोग शिथिल पड़ जाते हैं। सोचते हैं कि अब तो नौकरी मिल ही गयी है। यह ठीक नहीं है। आगे भी आपको ऐसे ही अनुशासित रहते हुए कठिन परिश्रम करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 150 प्रशिक्षकों की तैनाती करने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले छह वर्ष में खेल गतिविधियां बढ़ी हैं। प्रदेश सरकार ने खेल अवस्थापना के लिए नए प्रयास किये हैं। विद्यालय के आसपास खेल मैदान होना जरूरी किया है। हर ब्लॉक में एक मिनी स्टेडियम और हर जनपद में एक स्टेडियम हमने बनवाने के लिए निर्देश दिये हैं। ग्रामीण क्षेत्र में ग्राम प्रधान और शहरी क्षेत्र में पार्षद निधि से ओपन जिम निर्माण के कार्य हो रहे हैं।

अब तक 65 हजार स्पोर्ट्स किट युवक मंगल दल और महिला मंगल दल को दिये जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश एकमात्र राज्य है जिसने टोक्यो ओलम्पिक और पैरा ओलम्पिक खिलाड़ियों प्रतिभागियों का सम्मान किया। एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भी पुरस्कृत किये गये।

कार्यक्रम में मौजूद उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चंद्र यादव समेत अन्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल, पुलिस महानिदेशक विजय कुमार, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, प्रशांत कुमार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पहलवान दिव्या काकरन ने कहा कि उनके पिता मजदूरी करते थे। वह पहलवानी के क्षेत्र में आईं। बहुत चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि मैं मेडल लेकर आई तो मुझे उप्र सरकार ने 50 लाख रुपये और नायब तहसीलदार के पद पर सीधी भर्ती दी। पहले यूपी के बच्चे दूसरे राज्यों से खेलने को मजबूर होते थे। उप्र की परिस्थितियां बदली हैं। आज दूसरे राज्यों के युवा हमारे प्रदेश से खेल रहे हैं। यह सब उप्र में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद हुआ है। दिव्या ने मुख्यमंत्री योगी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया और मेडल लाने का आश्वासन भी दिया।

राज्यपाल अर्लेकर ने विश्वविद्यालयों के नीतिगत निर्णय पर लगाई रोक

एजेंसी। पटना

बिहार के राज्यपाल सह कुलाधिपति राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर ने राज्य के पांच विश्वविद्यालयों के कुलपति के नीतिगत निर्णय लेने पर रोक लगा दी है। बिहार के गवर्नर द्वारा पत्र जारी करते हुए पांच विश्वविद्यालयों के कुलपति से वित्तीय प्रभार सहित ट्रांसफर नियुक्ति और कई तरह के नीतिगत कामों पर रोक लगा दी गई है, जिसे तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। यह आदेश राज्य के जय प्रकाश विश्वविद्यालय- छपरा, भूपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय - मधेपुरा, पटना विश्वविद्यालय - पटना, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय - दरभंगा और कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय- दरभंगा पर लागू होगी।राजभवन ने शुक्रवार को पत्र जारी करते हुए कहा है कि इन सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति का कार्यकाल सितंबर में खत्म होने वाला है। ऐसे में किसी भी तरह के

नीतिगत फैसले और वित्तीय काम करना उचित नहीं होगा इसलिए राज्यपाल द्वारा, जो सभी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी होते हैं, उन्होंने पत्र के माध्यम से आदेश दिया है कि किसी प्रकार के नीतिगत निर्णय/किसी प्रकार की नियुक्ति या ट्रांसफर की कार्रवाई नहीं की जाए। साथ ही किसी भी नई योजना और नए काम, जिसमें वित्त का काम हो रहा हो, वैसे फैसले नहीं लिए जाएं। यदि विशेष परिस्थितिवश कार्यहीत में किसी भी प्रकार की ऐसा निर्णय लेने की आवश्यकता पड़ती हो तो पहले राज्यपाल से अनुमति ले ली जाए।

विस में कांग्रेस 'बाहुबल' की जगह 'बुद्धिबल' का प्रयोग करें: नरोत्तम

एजेंसी। भोपाल

मध्य प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 11 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। पांच दिवसीय विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बना रही है। कांग्रेस की तैयारी पर प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि विधानसभा में कांग्रेस 'बाहुबल' की जगह 'बुद्धिबल' का प्रयोग करे, तो सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है। गृहमंत्री डॉ मिश्रा ने शनिवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि ह्यहर बार कांग्रेस ने घेरने की तैयारी की है और कैसा घेरा है ये सबने देखा है। विधानसभा का फ्लोर सारगर्भित और सार्थक चर्चा के लिए होता है। वहां बाहुबल की नहीं बुद्धिबल की जरुरत होती है। वो जिस विषय पर चाहें चर्चा करें। सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए तैयार है। लेकिन हो हल्ला न करें। हो हल्ला करके सदन का समय बर्बाद होता जनता की गाढ़ी कमाई से ये सदन चलता है। वो आएं और संवाद करें, संवाद के लिए ही विधानसभा का फ्लोर मिलता है।

राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए गृहमंत्री ने कहा कि सत्यमेव जयते! गांधी परिवार जब-जब खुद को खतरे में पाता है, तब लोकतंत्र और संविधान को खतरे में बताता है। वहीं कांग्रेस की वचन पत्र समिति की बैठक पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस को बार-बार वचन पत्र समिति की बैठक करने की जगह उनके 2018 के वचन पत्र के ही कवर पेज और तारीख बदल देना चाहिए।

सपा महिला सभा की 73 सदस्यीय 'राज्य कार्यकारिणी' घोषित

लखनऊ। लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी समाजवादी पार्टी (सपा) ने शनिवार को 'समाजवादी महिला सभा' की 'राज्य कार्यकारिणी' की संशोधित सूची जारी की है। संशोधित सूची में पदाधिकारी व सदस्यों समेत 73 लोगों को शामिल किया गया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर 'समाजवादी महिला सभा' की नई 'राज्य कार्यकारिणी' के गठन में बदलाव किया गया। नवीन राज्य कार्यकारिणी की संशोधित सूची में एक प्रमुख महासचिव और 23 सदस्यों समेत 73 लोगों की सूची जारी की गई है। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की स्वीकृति पर जारी महिला सभा की नवीन राज्य कार्यकारिणी में 12 उपाध्यक्ष, 09 महासचिव, 27 प्रदेश सचिव, 23 सदस्य बनाए गए हैं। इसके साथ ही क्रमशः एक-एक प्रमुख महासचिव व कोषाध्यक्ष को शामिल हैं।

डोमिसाइल नीति से दूसरे राज्य के लोग यहां शिक्षक बनेंगे: प्रशांत

एजेंसी। पटना

जन स्वराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शनिवार को समस्तीपुर में लोगों से संवाद करते हुए कहा कि बिहार के शिक्षा मंत्री और केके पाठक के बीच जो हो रहा, ये महत्वपूर्ण नहीं।प्रदेश सरकार ने डोमिसाइल को जो बदला है, उससे यूपी,एमपी के लोग यहां शिक्षक बनेंगे और बिहार के युवा दूसरे राज्यों में मजदूर बनेंगे। प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार का शिक्षा विभाग इन दिनों सुर्खियों में है। शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर और शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक के बीच विवाद है।बिहार में शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त है। बिहार में जब शिक्षा को लेकर नए-नए परिवर्तन होंगे, तो उथल-पुथल होना तय है। शिक्षा मंत्री और केके पाठक के बीच क्या हो रहा है, ये महत्वपूर्ण नहीं है। वर्तमान

सरकार ने डोमिसाइल के नियम को बदला है, इससे बिहार के युवाओं को मौका नहीं मिलेगा और उनके साथ अन्याय होगा। दूसरे राज्य के लोग बिहार में आकर नौकरी करेंगे और बिहार के लोग दूसरे राज्यों में जाकर फैक्ट्री में मजदूरी करेंगे। प्रशांत किशोर ने कहा कि नीतीश कुमार की सरकार के शासन को शिक्षा व्यवस्था को काला अध्याय कहा जाएगा। सड़कें खराब हों, तो अगली सरकार बना सकती है, बाढ़ आएगी तो जल प्रबंधन की उचित व्यवस्था कर समस्या खत्म की जा सकती है। लेकिन खराब शिक्षा व्यवस्था के कारण 2 पीढ़ियां जो पढ़कर निकली हैं, उनका भविष्य सुधरने वाला नहीं है। उनकी पूरी जिंदगी बर्बाद हो जाएगी। उन्हें हमेशा पढ़े-लिखे लोगों के नीचे ही काम करना होगा। प्रशांत ने कहा कि वह बिहार सरकार 40 हजार करोड़ रुपये शिक्षा व्यवस्था पर खर्च करती है। अपर मुख्य सचिव को जो कहना है कह लें, शिक्षा मंत्री को जो कहना है कह लें, लेकिन शिक्षा व्यवस्था सुधरती नहीं दिख रही है।

दलित समुदाय में सबसे बड़ा चेहरा बसपा सुप्रीमो मायावती हैं : ओमप्रकाश राजभर

एजेंसी। वाराणसी

आगामी लोकसभा 2024 चुनाव को लेकर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने पार्टी संगठन को मजबूत बनाने पर खासा जोर दिया है। शनिवार को पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने लोहियानगर कालोनी आशापुर स्थित पार्टी कार्यालय में कार्यकताओं और पदाधिकारियों संग बैठक की। बैठक में राजभर ने पदाधिकारियों को पार्टी संगठन मजबूत बनाने के साथ चुनाव की तैयारियों को लेकर विमर्श किया। इस दौरान उन्होंने पत्रकारों से भी बातचीत की। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए

पार्टी संगठन को मजबूत बनाने के लिए जुट गए हैं। विपक्षी दलों के गठबंधन से जुड़े सवाल पर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री राजभर ने कहा कि उत्तर प्रदेश की राजनीति और देश की राजनीति में सबसे बड़ा चेहरा बसपा सुप्रीमो मायावती का है। सामान्य और ओबीसी वर्ग का प्रधानमंत्री बन गया है, दलित वर्ग का प्रधानमंत्री बनना बाकी है। दलित समुदाय में सबसे बड़ा चेहरा मायावती है, इनसे बड़ा चेहरा देश में कोई नहीं है। एक सवाल के जवाब में राजभर ने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव दुनिया को बेवकूफ बना सकते हैं। वह राजभर को बेवकूफ बनाने चले थे, लेकिन राजभर ने उनको समझा दिया। अखिलेश यादव को समझौता करने का सहूर (गुण) नहीं है। उन्हें पहले समझौता करने का सहूर सीखना चाहिए। उन्होंने हमसे समझौता किया था की 16 सीटों पर पार्टी के उम्मीदवार लड़ेंगे लेकिन आखरी समय में उन्होंने मुझे मजबूर कर दिया और 12 उनके नेताओं को सुभासपा के सिंबल पर चुनाव लड़ाना पड़ा। अखिलेश यादव घमंड में बोल रहे हैं , शायद वह भूल गए हैं कि उन्होंने बहुजन समाज पार्टी के नेताओं को तोड़कर सरकार चलाई थी। विपक्षी दलों के गठबंधन की आगामी बैठक से जुड़े सवाल पर राजभर ने कहा कि 07 अक्तूबर को पटना के गांधी मैदान में एक बैठक आयोजित की गई है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा 13 जुलाई को करेगी विस का घेराव

कटिहार। भारतीय जनता पार्टी की कटिहार जिला इकाई ने शनिवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री निखिल कुमार चौधरी के एमजी रोड स्थित आवास पर लोकसभा कोर कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता भाजपा के जिला अध्यक्ष मनोज राय ने की। इस संदर्भ में मनोज राय ने बताया कि पटना में शिक्षक अभ्यर्थी की पिटाई, नियोजित शिक्षकों को पूर्ण सरकारी शिक्षक का दर्जा देने एवं बिहार सरकार में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आगामी 13 जुलाई को विधानसभा घेराव की जाएगी। जिला अध्यक्ष ने बताया कि शिक्षक बहाली में डोमिसाइल नीति पर भाजपा आरपार के मूड में है।

देश के विकास में महिलाओं का रोल अहम: केशव मौर्य

एजेंसी। प्रयागराज

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सर्किट हाउस में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभिन्न उत्पादों के बारे में महिलाओं से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि भारत को आत्म निर्भर बनाने में महिलाओं की बहुत बड़ी भूमिका है। केशव प्रसाद मौर्य ने लोगों की समस्याओं को सुनने के बाद सरकिट हाउस में स्वयं समूह की महिलाओं के लगाये गये उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। महिलाओं का हौसला बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि भारत आत्मनिर्भर बने इसके

लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई योजनाएं बनाई है और उन योजनाओं को धरातल पर कार्य सही रूप से उतारने का काम हमारे देश की महिलाएं कर रही हैं। वास्तव में आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए देश की महिलाओं की बहुत बड़ी भूमिका है, जिसे नकारा नहीं जा सकता।

विकास

मुक्त विवि ने औद्योगिक ईकाइयों से किया एमओयू, युवाओं को मिलेंगे रोजगार

उद्योग जगत के सहयोग से बढ़ेंगे अवसर

एजेंसी। कानपुर

उत्तर प्रदेश में रोजगार कौशल ढांचा विकसित करने में उद्देश्य से राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने औद्योगिक नगरी कानपुर में कई औद्योगिक घरानों के साथ एमओयू किया। इससे माध्यम से अब विश्वविद्यालय और उद्योग जगत के आपसी सहयोग से युवाओं को नये-नये रोजगार के अवसर मिलेंगे और उनकी क्षमता के अनुरूप क्रियाशील मानव संसाधन के रूप में प्रभावी रूप से समायोजित किया जा सकेगा। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल बीते माह कानपुर आयीं थी और उन्होंने मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर विश्वविद्यालय को औद्योगिक घरानों के साथ एमओयू करने का

निर्देश दिया था। जिसके अनुक्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के नेतृत्व में अधिकारियों का एक दल कानपुर पहुंचा और सर्विस ऑफीसर्स मैस अरमापुर स्टेट में औद्योगिक घरानों और विश्वविद्यालय के मध्य एमओयू की कार्रवाई संपन्न हुई। मुक्त विश्वविद्यालय की तरफ से आयोजित यूनिवर्सिटी इंडस्ट्री समिट 2023 सृजन कार्यक्रम में कुल 24 कंपनियों के प्रतिनिधियों ने पंजीकरण कराया। जिनमें प्रमुख रूप से रूपानी प्रोडक्शन, जे0 के0 सीमेंट, कानपुर मेट्रो, राकन स्टील्स लिमिटेड, पालीवाल डायग्नोसिस, इंजीनियरिंग इंडस्ट्री, रुद्धि इंटरनेशनल, हैवेल्स और प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग आदि कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय की तरफ से प्रशिक्षण एवं सेवायोजन प्रकोष्ठ के प्रभारी देवेंद्र प्रताप सिंह एवं कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ वार्ता की और राकन स्टील लिमिटेड से एमओयू करार किया। मुक्त विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने बताया कि उद्योगों की मांग के अनुरूप कुशल मानव संपदा का निर्माण और उनके सही नियोजन से देश विकास के पथ पर अग्रसर होगा। इस दिशा में औद्योगिक नगरी कानपुर से यह एक समग्र प्रयास किया गया है जिसमें विश्वविद्यालय इन कंपनियों के साथ मिलकर रोजगार के नए आयाम विकसित करेगा। प्रो. सिंह ने कहा कि हम उद्योग जगत के सहयोग से नवीन कौशल परिवेश बनाने को प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को जब एक ही स्थान पर कौशल विकास के अवसर मिलेंगे तो निश्चित रूप से वह अपने सपनों को साकार कर सकेंगे। उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन प्राथमिकता पर है। प्रो. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय व उद्योग जगत के साझा प्रयास से युवाओं में व्यवसायिक प्रशिक्षण तथा कौशल विकास की सही समझ विकसित कर राष्ट्रीय हित में उनका समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

वाहन की टक्कर से बहू की मौत, ससुर घायल

राजगढ़। राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर पचोर थाना क्षेत्र में ग्राम उदनखेड़ी स्थित पेट्रोलपंप के सामने शनिवार दोपहर तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में 26 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई वहीं बाइक चालक ससुर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया है। पुलिस ने मौके से फरार पिकअप चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार हाइवे-52 स्थित ग्राम उदनखेड़ी स्थित पेट्रोलपंप के सामने तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप वाहन बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार 26 वर्षीय पायल गुप्ता निवासी ग्वाड़ा की मौके पर ही मौत हो गई वहीं ससुर राधेश्याम गुप्ता (50) साल को गंभीर चोटें लगी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया।

कनाडा ओपन : सिंधु-सेन सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी। कैलगरी (कनाडा)
भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन यहां अपने-अपने महिला और पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज कर कनाडा ओपन 2023 बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 इवेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गए। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने शुक्रवार रात क्वार्टर फाइनल में चीन की विश्व नंबर 45 गाओ फांग जी को 21-13, 21-7 से हराया और साल के अपने तीसरे सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शीर्ष भारतीय शटलर ने अप्रैल में स्पेन मास्टर्स बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन इस साल अभी तक कोई खिताब नहीं जीत सकी हैं। सेमीफाइनल में सिंधु का मुकाबला

अपनी पुरानी प्रतिद्वंद्वी और मौजूदा विश्व चैंपियन जापान की अकाने यामागुची से होगा। विश्व नंबर 15 सिंधु विश्व नंबर 1 यामागुची से आमने-सामने मुकाबलों में 14-10 से आगे हैं, लेकिन पिछले महीने सिंगापुर ओपन के पहले दौर में जापानी शटलर से हार गईं थीं। दूसरी ओर, दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने बेल्जियम के दुनिया के 62वें नंबर के जूलियन कैरागी पर 21-8, 17-21, 21-10 से जीत दर्ज कर 2023 के अपने दूसरे सेमीफाइनल में जगह बनाई। राष्ट्रमंडल खेलों के मौजूदा पुरुष एकल चैंपियन सेन फाइनल में जगह बनाने के लिए दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी जापान के केंटा निशिमोतो से भिड़ेंगे। लक्ष्य और केंटा दो बार एक-दूसरे से भिड़ चुके हैं और एक-एक मैच जीत चुके हैं। 21 वर्षीय सेन ने इस साल 12 टूर्नामेंट खेले हैं लेकिन अभी तक फाइनल में नहीं खेले हैं।

विश्व कप शॉटगन में भारतीय स्कीट निशानेबाज सबसे पहले निशाना साधेंगे

एजेंसी। नई दिल्ली
साल का छठा आईएसएसएफ विश्व कप शॉटगन चरण इटली के लोनाटो में शुरू हो गया है, जिसमें सोमवार को मुकाबले शुरू होने से पहले रविवार को स्कीट निशानेबाजों के लिए प्री-इवेंट प्रशिक्षण निर्धारित है। भारत की छह सदस्यीय स्कीट शूटिंग टीम में पुरुषों की स्कीट में सीनियर प्रो और ओलंपियन मैराज अहमद खान, अनंतजीत सिंह नरूका और गुरजोत खंगुरा शामिल हैं, जबकि महिला स्कीट प्रतियोगिता में गनेमत सेखों, दर्शना राठौड़ और महेश्वरी चौहान शामिल हैं। अनंतजीत, गुरजोत, गनेमत और दर्शना जैसे खिलाड़ियों के लिए, अगस्त में बाकू, अजरबैजान में होने वाली महत्वपूर्ण विश्व चैंपियनशिप से पहले यह महत्वपूर्ण अभ्यास होगा, जहां प्रत्येक

स्पर्धा में चार पेरिस 2024 ओलंपिक कोटा स्थान उपलब्ध होंगे। उल्लिखित चारों भी खुद को सितंबर में होने वाले हांगझाऊ एशियाई खेलों की टीम में पाते हैं। स्कीट स्पर्धाओं के समापन के बाद अगले शनिवार से शुरू होने वाली ट्रैप स्पर्धाओं में छह और सदस्य भी भाग लेंगे। जबकि ट्रैप ने पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में भवनीश मेंदीरत्ता के चौथे स्थान पर रहने के बाद अपना पेरिस कोटा खाता खोला है, भारतीय स्कीट निशानेबाजों ने अभी तक कोटा स्थान नहीं जीता है और वे लोनाटो विश्व कप का इंतजार कर रहे हैं, ताकि किसी भी कमी को दूर किया जा सके और खुद का आकलन किया जा सके। स्कीट टीम पहले ही लोनाटो पहुंच चुकी है और विश्व कप चरण के आयोजन स्थल ट्रैप कॉनकेवर्डे शूटिंग रेंज में अनौपचारिक प्रशिक्षण शुरू कर चुकी है।

NEWS इन ब्रीफ

अर्जुन अटवाल जॉन डीरे क्लासिक में कट से चूके

सिल्विस। भारतीय गोल्फर अर्जुन अटवाल अंतिम नौ होल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए और यहां दूसरे दौर में छह ओवर 77 का निराशाजनक कार्ड खेलकर पीजीए टूर की प्रतियोगिता जॉन डीरे क्लासिक में कट से चूक गए। पीजीए टूर और पीजीए टूर चैंपियंस (वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए) दोनों में भाग ले रहे अटवाल ने पहले दौर में इवन पार 71 का स्कोर बनाया था लेकिन दूसरे दौर में अंतिम नौ होल में उन्होंने दो डबल बोगी और दो बोगी की जिससे उनका कट में जगह बनाना मुश्किल हो गया था। अटवाल का कुल स्कोर छह ओवर रहा जबकि कट चार अंडर पर गया। कैमरन यंग ने शुक्रवार को दूसरे दौर में सात अंडर 64 का कार्ड खेला और उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों पर दो शॉट की बढ़त बना रखी है। उनका कुल स्कोर 13 अंडर 129 है।

एशिया ओलंपिक परिषद के अध्यक्ष बने शेख तलाल

बैंकाक। शेख तलाल फहद अल सबाह एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) के अध्यक्ष के रूप में अपने निलंबित भाई की जगह लेंगे। शेख तलाल ने शनिवार को चार वोट से ओसीए अध्यक्ष पद का चुनाव जीत लिया। उनके पिता शेख फहद अल अहमद अल जबर अल सबाह 1980 के दशक की शुरूआत में संगठन के पहले अध्यक्ष थे। उनके भाई शेख अहमद अल फहद अल सबाह ने 1991 से 2021 तक 45 देशों के ओसीए के अध्यक्ष रहे थे। लेकिन जिनीवा में जालसाजी के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद उन्हें ओसीए से निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने हालांकि आरोपों से इनकार किया और वह इसके खिलाफ अपील कर चुके हैं।

स्टोक्स ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को जिंदा रखा

एजेंसी। लीड्स
कप्तान बेन स्टोक्स ने हेडिंग्ले में एक और शानदार प्रदर्शन किया और गेंदबाजों ने अंतिम क्षणों में महत्वपूर्ण विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड ने शुक्रवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे रोमांचक दिन पर एशेज 2023 की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा। दूसरे दिन स्टंप्स से पहले चार विकेट खोने के बावजूद, ऑस्ट्रेलिया तीसरे एशेज टेस्ट में अपनी स्थिति मजबूत करने में सफल रहा और उसकी बढ़त 142 तक पहुंच गई। पैट कमिंस की अगुवाई में मजबूत गेंदबाजी प्रदर्शन के बाद दूसरे दिन इंग्लैंड 237 रन पर सिमट गया, जिससे ऑस्ट्रेलिया को मात्र 26 रनों की बढ़त मिली। इंग्लैंड एक बार फिर डेविड वार्नर को एकल अंक में आउट करने में सफल रहा क्योंकि उनके तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने टेस्ट क्रिकेट में 17वीं बार ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज को आउट किया। उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन चाय से पहले बचे हुए

ओवरों में टिके रहे और 55 की बढ़त के साथ अपनी टीम को 29/1 पर ले गए। ख्वाजा और लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदारी बनाने के लिए आगे बढ़े। उनकी साझेदारी 57 रनों की थी जब लाबुशेन ने मोईन अली की गेंद पर डीप मिडविकेट पर हैरी ब्रूक को कैच थमा दिया। लाबुशेन 77 गेंदों में 33 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।
अपने अगले ओवर में, मोईन ने फिर से प्रहार किया, टेस्ट क्रिकेट में अपना 200वां विकेट लिया और यह स्टीव स्मिथ का बेशकीमती विकेट था, जिन्होंने गेंद को सीधे मिड-विकेट क्षेत्ररक्षक बेन डकेट के हाथों में मार दिया।
ऑस्ट्रेलिया को एक और झटका तब लगा जब सेट बल्लेबाज ख्वाजा, जो धैर्यपूर्वक अपने अर्धशतक की ओर बढ़ रहे थे, 43 रन पर आउट हो गए।
ट्रैविस हेड और मिशेल मार्श ने सुनिश्चित किया कि दूसरे दिन स्टंप्स से पहले ऑस्ट्रेलिया को कोई और झटका न लगे। इस जोड़ी ने नाबाद 26 रनों की साझेदारी की, जिससे मेहमान टीम का स्कोर 116/4 हो गया।
इससे पहले, इंग्लैंड ने हेडिंग्ले में तेज धूप वाली परिस्थितियों में दूसरे दिन की शुरूआत 68/3 के साथ की और वह ऑस्ट्रेलिया से 195 रनों से पीछे है। मेहमान टीम ने शुरूआत में ही जोरदार प्रहार किया, कप्तान पैट कमिंस ने दिन की दूसरी गेंद पर जो रूट का बड़ा विकेट लिया।
रूट को दूसरी स्लिप में डेविड वार्नर ने कैच किया, जो अपने पिछले दिन के स्कोर में एक भी रन जोड़े बिना 19 रन बनाकर आउट हो गए। इंग्लैंड ने एक के बाद दूसरा विकेट भी गंवाया, मिशेल स्टार्क ने जॉनी बेयरस्टो को घेरा, जहां स्टीव स्मिथ ने सिर की ऊंचाई पर कैच लपक लिया।
अगले बल्लेबाज मोईन अली थे, जिन्होंने बेन स्टोक्स के साथ मिलकर इंग्लैंड के लिए पारी के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया शुरू की। मैदानी अंपायर कुमार धर्मसेना द्वारा नॉट आउट दिए जाने के बाद मेजबान टीम के कप्तान एलबीडब्ल्यू के फैसले से बच गए और समीक्षा में इसका असर अंपायर की कॉल के रूप में देखा गया।

रोहन बोपन्ना-मैथ्यू एबडेन दूसरे दौर में पहुंचे

लंदन। भारत के रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन यहां अर्जेंटीना के गुइलेर्मो दुरान और टॉमस एचेवेरी की जोड़ी को हराकर विंबलडन के पुरुष युगल के दूसरे दौर में पहुंच गए। ग्रास कोर्ट ग्रैंड स्लैम में छठी वरीयता प्राप्त इंडो-ऑस्ट्रेलियाई टेनिस जोड़ी ने शुक्रवार रात दो घंटे 12 मिनट तक चले शुरूआती दौर के मैच में गैरवरीय अर्जेंटीना जोड़ी को 6-2,6-7, 7-6 से हराया। 43 वर्षीय बोपन्ना और एबडेन, जिन्होंने इस साल की शुरूआत में एटीपी टूर पर दो युगल खिताब जीते थे, रविवार को दूसरे दौर में जैकब फर्नले और जोहानस की गैरवरीय ब्रिटिश जोड़ी से भिड़ेंगे। उल्लेखनीय है कि बोपन्ना-एबडेन ने फरवरी में कतर ओपन और मार्च में एटीपी मास्टर्स 1000 इंडियन वेल्स खिताब जीता था। पुरुष युगल के अलावा, बोपन्ना विंबलडन में मिश्रित युगल में भी हिस्सा ले रहे हैं और वह शनिवार को कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोवस्की के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे।

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए वेस्टइंडीज की टीम घोषित

एजेंसी। सेंट जॉन्स
वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच के लिए टीम की घोषणा कर दी है। टीम सेलेक्शन पैनल ने 12 से 16 जुलाई तक डोमिनिका के विंडसर पार्क में खेले जाने वाले मैच के लिए 13 सदस्यों और दो ट्रैवलिंग रिजर्व खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की है। बाएं हाथ के बल्लेबाज किर्क मैकेंजी को पहली बार टीम में शामिल किया गया है, जबकि बाएं हाथ के ही एलिक अथानाज टीम में दूसरे अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। नवंबर 2021 में अपना आखिरी टेस्ट खेलने वाले ऑलराउंडर रहकीम कॉर्नवाल और बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वारिकन को वापस बुलाया गया है। बाएं हाथ के स्पिनर गुडाकेश मोती चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। प्रमुख चयनकर्ता डॉ डेसमंड हेन्स ने कहा, बांग्लादेश के हालिया 'ए' टीम दौरे पर हम मैकेंजी और अथानाज की बल्लेबाजी से बहुत प्रभावित हुए। ये दो युवा खिलाड़ी हैं जिन्होंने अच्छे स्कोर हासिल किए और बड़ी परिपक्वता के साथ खेले, और हमारा मानना है कि वे एक अवसर के हकदार हैं। ह्लश्रृंखला को देखते हुए हम जानते हैं कि यह चुनौतीपूर्ण होगी। हम आईसीसी टेस्ट मैच चैंपियनशिप का नया चक्र शुरू कर रहे हैं। वेस्टइंडीज की टीम एंटिगा के कूलिज क्रिकेट ग्राउंड में चल रहे प्री-सीरीज कैंप के बाद रविवार को डोमिनिका की यात्रा करेगी। मैच की तैयारी के लिए सोमवार दोपहर और मंगलवार सुबह उनका प्रशिक्षण सत्र होगा। टेस्ट श्रृंखला नई 2023-2025 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में वेस्टइंडीज और भारत दोनों के लिए पहला मैच होगा। पहला मैच बुधवार को सुबह 10 बजे शुरू होगा।जुलाई को त्रिनिदाद के क्वींस पार्क ओवल में दूसरा टेस्ट होगा - जो वेस्टइंडीज और भारत के बीच 100वां टेस्ट मैच होगा।

उम्र से परे हुनर की नई इबारत है ऋषिका केवल 10 वर्ष की उम्र में जीते 19 पदक

एजेंसी। नई दिल्ली
प्रतिभाएं उम्र की मोहताज नहीं होती.. खासकर खेल के मामले में तो यह पंक्ति अक्सर सही साबित होती है। भारत युवाओं का देश है और यहां यूथ टैलेंट की कोई कमी नहीं है। जरूरत है तो बस उसे सही दिशा देने की। उम्र से परे हुनर के उत्कृष्ट प्रदर्शन का एक उदाहरण उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में भी प्रत्यक्ष उदीयमान है। हम यहां बात कर रहे हैं ऋषिका रयान कीङ्ख जिसके पास दस साल की छोटी उम्र में ही कराटे के खेल में प्रदेश स्तर से लेकर राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर तक के कुल 19 पदक हैं। तीन वर्ष की उम्र से कराटे के खेल में खुद को पारंगत करने की जिजीविषा के साथ मानसिक और शारीरिक तौर पर खुद को तैयार करने वाली ऋषिका का कहना है कि वैश्विक मंच पर भारत का

प्रतिनिधित्व करना उनके लिए लिए एक जबरदस्त सम्मान है। ऋषिका ने कहा, "कुमिते और काता दोनों में स्वर्ण पदक जीतना एक सपने के सच होने जैसा है, और मैं इस उपलब्धि का श्रेय अपनी मां अलका के. और पिता डॉ अभिषेक के. के अटूट समर्थन, मेरे कोच अरविंद यादव के मार्गदर्शन और अपने साथी देशवासियों को देती हूं। यह जीत भारत के भीतर मौजूद प्रतिभा और क्षमता का प्रमाण है।" ऋषिका ने आगे कहा, "मैं माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की भी आभारी हूं कि उन्होंने वाराणसी को एक जीवंत और सुरक्षित शहर में बदलने के प्रयासों के बीच प्रदेश की बेटियों के सशक्तिकरण और सुरक्षा को बढ़ावा दिया है।" ऋषिका की असाधारण उपलब्धि, उनकी जीत न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता का प्रतीक है, बल्कि पूरे देश में महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए प्रेरणा की किरण के रूप में भी कार्य करती है। उनका असाधारण प्रदर्शन प्रतिभा को बढ़ावा देने और वैश्विक मंच पर कराटे के क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। 2023 कराटे चैम्पियनशिप में ऋषिका की ऐतिहासिक जीत ने खेल इतिहास के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा दिया है।

मेजर लीग क्रिकेट से हटे पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू

नई दिल्ली। एमएलसी के उद्घाटन सत्र से पहले, टेक्सास सुपर किंग्स ने पुष्टि की है कि पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू इस साल लीग में हिस्सा नहीं लेंगे। रायुडू, जिन्होंने हाल ही में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की थी, ने व्यक्तिगत कारणों से फ्रेंचाइजी-आधारित लीग से नाम वापस ले लिया है। रायुडू चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम का हिस्सा थे जिसने इस साल मई में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस (जीटी) को हराकर अपना पांचवां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब जीता था। आईपीएल 2023 फाइनल से पहले उनकी सेवानिवृत्ति की घोषणा ने उन्हें विदेशी लीग में भाग लेने के लिए पात्र बना दिया था। इसके तुरंत बाद, उन्हें सीएसके की सहयोगी फ्रेंचाइजी टेक्सास सुपर किंग्स में नामित किया गया, जो एमएलसी में भाग लेगी।

हमारे युग में, हॉकी टूर्नामेंट के लिए चेन्नई वही था जो आज ओडिशा है : तुषार खांडकर

एजेंसी। नई दिल्ली
चेन्नई में 16 वर्षों के बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी से प्रशंसकों में भारी उत्साह है। चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में 3 अगस्त से हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 शुरू होने वाली है। इस टूर्नामेंट को देखते हुए हॉकी इंडिया ने चेन्नई क्रॉनिकल्स सीरीज शुरू की है, जिसमें शहर के कुछ प्रतिष्ठित रोमांचक मैचों पर बात की जाएगी। चेन्नई क्रॉनिकल्स सीरीज के दूसरे एपिसोड में, भारत के पूर्व कप्तान तुषार खांडकर ने इस शहर से जुड़ी कुछ पुरानी यादों को साझा किया। तुषार को हाल ही में भारतीय जूनियर महिला टीम का कोच नियुक्त किया गया है। 2007 में एशिया कप के दौरान चेन्नई में भारतीय टीम के प्रदर्शन और वार्षिक ऑल इंडिया एमसीसी मुरुगप्पा गोल्ड कप में

उनकी नियमित उपस्थिति को लेकर तुषार ने कहा, "हमारे युग में, चेन्नई हॉकी के लिए वही हुआ करता था जो आज ओडिशा है। हमारे पास वहां बहुत सारे टूर्नामेंट होते थे और चेन्नई के हॉकी प्रेमी न केवल अंतरराष्ट्रीय मैच देखने आते थे, बल्कि वे बड़ी संख्या में घरेलू मैच भी देखने आते थे। मेरा अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त होने के बाद भी, मैं एमसीसी मुरुगप्पा गोल्ड कप खेलने के लिए अक्सर चेन्नई जाता था। यह एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट था, सीजन की शुरूआत की तरह, और हम सभी ने वहां के माहौल का पूरा आनंद लिया।" उन्होंने कहा, "ओडिशा के हॉकी प्रशंसकों की तरह, चेन्नई के दर्शक भी खेल के प्रति बहुत जागरूक हैं, वे अतीत और वर्तमान हॉकी सितारों से परिचित हैं और वे वास्तव में खेल से प्यार करते हैं। भीड़ का समर्थन एक कारण था कि भारतीय टीम के खिलाड़ी भी चेन्नई में अधिक मैच खेलना चाहते थे, यही वजह है कि हममें से कई लोगों ने एमसीसी मुरुगप्पा गोल्ड कप खेलने का विकल्प चुना।" तुषार 2007 पुरुष एशिया कप जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थे। इस टूर्नामेंट में दिलीप टिर्की की अगुवाई वाली टीम ने दक्षिण कोरिया को 7-2 से हराया। तुषार का मानना है कि घरेलू दर्शकों के सामने खेलते हुए इस जीत ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी में टीम के पुनरुत्थान को प्रेरित किया।

विश्व कप 2023 **पाक प्रधानमंत्री ने विश्वकप को लेकर गठित की समिति**

पाकिस्तानी टीम भारत आएगी या नहीं?

एजेंसी। कराची
पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने इस साल के आखिर में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में राष्ट्रीय टीम की भागीदारी पर फैसला करने के लिए विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। समिति शरीफ को अपनी सिफारिशें सौंपने से पहले भारत और पाकिस्तान के रिश्तों के सभी पहलुओं, खेल और राजनीति को अलग रखने की सरकार की नीति तथा खिलाड़ियों, अधिकारियों, प्रशंसकों और मीडिया के लिए भारत में स्थिति पर चर्चा करेगी।
प्रधानमंत्री पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के संरक्षक भी हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पहले ही विश्व कप का कार्यक्रम घोषित कर चुके हैं तथा उन्हें उम्मीद है कि पाकिस्तान पांच अक्टूबर से शुरू होने वाली प्रतियोगिता के लिए भारत

का दौरा करेगा। पीसीबी ने हालांकि उन्हें बताया है कि दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंध होने के कारण इस प्रमुख प्रतियोगिता में उनकी राष्ट्रीय टीम की भागीदारी सरकार की मंजूरी पर निर्भर करेगी। समिति के अन्य सदस्यों में खेल मंत्री अहसान मजारी, मरियम औरंगजेब, असद महमूद, अमीन उल हक, कमर जमान कैरा और पूर्व राजनयिक तारिक फातमी शामिल हैं। संबंधित मंत्रियों ने पीसीबी को पहले ही संकेत दे दिए हैं कि एक उच्च स्तरीय सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल भारत भेजा जाएगा जो उन मैच स्थलों का निरीक्षण करेगा जहां पाकिस्तान को मैच खेलने हैं। क्रिकेट बोर्ड के कार्यवाहक अध्यक्ष जका अशरफ और मुख्य संचालन अधिकारी सलमान तासीर आईसीसी की बैठक में भाग लेने के लिए डरबन जाएंगे। इन बैठकों में अशरफ भारत के सुरक्षा कारणों का हवाला देकर बार-बार अपनी टीम को पाकिस्तान भेजने से इनकार करने का मुद्दा उठा सकते हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप का बहुप्रतीक्षित मैच 15 अक्टूबर को अहमदाबाद में विश्व के सबसे बड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। पाकिस्तान अपने दोनों अभ्यास में हैदराबाद में खेलेगा और उसके बाद इसी मैच स्थल पर नीदरलैंड और श्रीलंका के खिलाफ विश्व कप के मैच खेलेगा। उसकी टीम को चेन्नई, बेंगलुरु और कोलकाता में भी अपने मैच खेलने हैं। भारत और पाकिस्तान एशिया कप और आईसीसी प्रतियोगिताओं में ही एक दूसरे के खिलाफ मैच खेलते हैं।

फिडेलिटी मैनेजमेंट एंड रिसर्च कंपनी ने एफपीआई नियमों का किया उल्लंघन

सेबी ने लगाया एक करोड़ का जुर्माना

एजेंसी। नई दिल्ली

मार्केट रेगुलेटर सेबी ने एक आदेश में एफपीआई नियमों का उल्लंघन करने के लिए फिडेलिटी मैनेजमेंट एंड रिसर्च कंपनी (एफएमआरसी) पर 1 करोड़ रुपए का जुमार्ना लगाया है। एफएमआरसी को एक साल और छह महीने तक आवश्यक पंजीकरण के बिना एक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक के रूप में काम करते पाया गया। एक अलग आदेश में, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सेबी रेगुलेशन, 2019 के तहत धाराओं का उल्लंघन करते हुए जेपी मॉर्गन चेस बैंक पर 22.1 लाख रुपए का जुमार्ना भी लगाया है। सेबी के नियमों के अनुसार, केवल पंजीकृत फॉरेन पोर्टफोलियो निवेशकों को ही शेयर बाजार में भाग लेने की अनुमति है। इसके अलावा, नियम में यह भी कहा गया है कि अगर एफपीआई निवेशकों के ओनरशिप या कंट्रोल में किसी तरह का कोई भी बदलाव होता है, तो एफपीआई की योग्यता का एक बार फिर से मूल्यांकन किया जाएगा। अगस्त 2021 में, डेजिग्नेटेड डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट जेपीएमसी ने सेबी को फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट्स मनी मैनेजमेंट की मटेरियल इन्फॉर्मेशन में बदलाव की सूचना में देरी के बारे में सूचित किया। एफआईएमएम को एक एफपीआई के रूप में पंजीकृत किया गया था और मटेरियल इन्फॉर्मेशन में इसकी सहयोगी फिडेलिटी मैनेजमेंट एंड रिसर्च कंपनी (एफएमआरसी) के साथ इसका मर्जर शामिल था। इसके बाद सेबी ने मटेरियल इन्फॉर्मेशन में बदलाव की सूचना में देरी को लेकर जांच शुरू की। सेबी को जांच से पता चला कि एफएमआरसी के साथ एफआईएमएम के मर्जर से एफआईएमएम बंद हो गया, जो कि एक यूनिट एफपीआई के रूप में पंजीकृत थी। हालांकि, विलय के बाद, सर्वाइविंग एंटिटी एफएमआरसी- जिसने एफपीआई रजिस्ट्रेशन प्राप्त नहीं किया था,एफआईएमएम के नाम, खातों और एफपीआई पंजीकरण के तहत सिक्योरिटी मार्केट में काम कर रही थी। सेबी द्वारा एफएमआरसी के खिलाफ न्यायिक कार्यवाही शुरू करने के बाद, एफएमआरसी को एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, जिसमें एफएमआरसी से पूछा गया था कि उसके खिलाफ जांच क्यों नहीं की जानी चाहिए और उस पर जुर्माना क्यों नहीं लगाया जाना चाहिए। एफएमआरसी ने सेबी को बताया कि उसका मानना है कि विलय के परिणामस्वरूप केवल नाम परिवर्तन हुआ है, कोई मटेरियल परिवर्तन नहीं हुआ है।

अनंत माहेश्वरी ने छोड़ा माइक्रोसॉफ्ट का दामन

नई दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के अध्यक्ष अनंत माहेश्वरी ने कंपनी में लगभग सात वर्ष के कार्यकाल के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बता दें कि कंपनी ने माहेश्वरी के इस्तीफे के बाद ईरीना घोष को टऊ के पद पर प्रमोट किया है। पिछले साल घोष को पदोन्नति देकर माइक्रोसॉफ्ट इंडिया का मुख्य परिचालक अधिकारी बनाया गया था। उन्होंने शशि श्रीधरन की जगह ली है, जिन्हें एशिया में क्षेत्रीय भूमिका का निर्वहन करने के लिए भेजा गया है। बता दें कि अनंत माहेश्वरी ने माइक्रोसॉफ्ट इंडिया में करीब सात साल तक अपनी सेवाएं दी हैं। माहेश्वरी 2016 में माइक्रोसॉफ्ट से जुड़े थे। इससे पहले वह हनीवेल इंडिया के अध्यक्ष और मैकिन्से एंड कंपनी में एंगेजमेंट मैनेजर थे। 1996 में बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से अर्थशास्त्र में मास्टर ऑफ साइंस करने वाले माहेश्वरी ने 1998 में क्क्ट अहमदाबाद से टइअ भी किया है।

ट्विटर की टक्कर में मेटा ने शुरू की 'थ्रेड्स' ऐप

कई केंद्रीय मंत्री और जानी-मानी हस्तियां शामिल

एजेंसी। नई दिल्ली

मेटा थ्रेड्स को एलन मस्क के स्वामित्व वाले माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर का प्रत्यक्ष प्रतिद्वंद्वी माना जा रहा है

सोशल मीडिया मंच ट्विटर के प्रतिद्वंद्वी के तौर पर हाल में फेसबुक और इंस्टाग्राम की मालिक कंपनी ह्यमेटा' द्वारा शुरू ऐप थ्रेड्स' का इस्तेमाल करने वालों में विदेश मंत्री एस.जयशंकर, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, बॉलीवुड स्टार माधुरी दीक्षित, क्रिकेटर शिखर धवन और आध्यात्मिक गुरु सदगुरु सहित अन्य हस्तियां शामिल हैं। नए सोशल मीडिया मंच से महज दो दिन में ही करीब पांच करोड़ से अधिक लोग जुड़े है। केंद्रीय मंत्रियों में विदेश मंत्री एस.जयशंकर, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी शामिल हैं, जो सोशल मीडिया मंच थ्रेड्स से जुड़े हैं। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर भी इस नए मंच से जुड़े हैं। अन्य मंत्रियों में प्रह्लाद जोशी, गिरिराज सिंह और गजेंद्र शेखावत शामिल हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और गोवा के मुख्यमंत्री डॉ.प्रमोद सावंत भी इस नए मंच का इस्तेमाल कर रहे हैं। मेटा थ्रेड्स को एलन मस्क के स्वामित्व वाले माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर का प्रत्यक्ष प्रतिद्वंद्वी माना जा रहा है और इसकी शुरूआत के महज 24 घंटे के भीतर करीब तीन करोड़ लोग इससे जुड़ गए। मेटा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क जुकरबर्ग ने अपने आधिकारिक थ्रेड्स अकाउंट से इसकी घोषणा की थी। बॉलीवुड निर्देशक करण जौहर, क्रिकेटर शिखर धवन, ऋषभ पंत और सुरेश रैना के साथ-साथ अभिनेत्री काजोल, माधुरी दीक्षित, तापसी पन्नू, तमन्ना भाटिया,अभिनेता अभिषेक बच्चन, अल्लू अर्जुन, जूनियर एनटीआर, चिरंजीवी, महेश बाबू आदि भी इस मंच का इस्तेमाल कर रहे हैं।

विदेशी मुद्रा 1.85 बिलियन से बढ़कर 595 अरब डॉलर के हुआ पार

एजेंसी। मुंबई

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30 जून को समाप्त सप्ताह में 1.85 अरब डॉलर बढ़कर 595.05 अरब डॉलर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.90 अरब डॉलर घटकर 593.19 अरब डॉलर रह गया था। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था लेकिन वैश्विक घटनाओं के कारण पैदा हुए दबावों के बीच रुपए को संभालने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने से इसमें गिरावट आई है। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, 30 जून को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.54 अरब डॉलर बढ़कर 527.98 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। हालांकि रिजर्व बैंक ने कहा कि स्वर्ण भंडार का मूल्य 47.2 करोड़ डॉलर घटकर 43.83 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 9.5 करोड़ डॉलर घटकर 18.24 अरब डॉलर रह गया।

व्यापार सुविधा में भारत सबसे आगे

एजेंसी। नई दिल्ली

व्यापार सुविधा प्रदान करने के मामले में भारत दक्षिण एशियाई क्षेत्र में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला देश है। डिजिटल और सतत व्यापार सुविधा पर वैश्विक सर्वेक्षण के अनुसार भारत ने 2021 की तुलना में काफी सुधार किया है। एशिया प्रशांत के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक आयोग (यूएनईएससीएपी) की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। 2023 के सर्वे में 140 से अधिक अर्थव्यवस्थाओं को शामिल किया गया है। 60 व्यापार सुविधा उपायों के मूल्यांकन के बाद भारत को 93.55 प्रतिशत के प्रभावशाली स्कोर के साथ सबसे आगे रखा गया है। 2021 में भारत का स्कोर 90.32 प्रतिशत था। सर्वे में हासिल उल्लेखनीय स्कोर असल में व्यापार प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, पारदर्शिता बढ़ाने और व्यापार की सुविधा के लिए भारत के अथक प्रयासों का प्रमाण हैं। इसमें सिंगल विंडो इंटरफेस (स्विफ्ट), प्री-अराइवल डेटा प्रोसेसिंग, ई-संचित, समन्वित सीमा प्रबंधन जैसी पहलों के माध्यम से हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया गया है। भारत ने महिलाओं को कारोबार की सुविधा देने के क्षेत्र में भी पर्याप्त सुधार किया है। 2021 के 66.7 फीसदी के मुकाबले 2023 में भारत को इस श्रेणी में 77.8 फीसदी अंक प्राप्त हुए हैं। यह सरकार की लैंगिक समावेशिता और व्यापार क्षेत्र में महिलाओं के सशक्तीकरण के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। वित्त मंत्रालय ने रिपोर्ट का हवाला देते हुए एक बयान में कहा, भारत का समग्र स्कोर कनाडा, फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी आदि सहित कई विकसित देशों से अधिक रहा है। भारत के समग्र स्कोर में साल-दर-साल सुधार जारी रहा है, जो अगली पीढ़ी के व्यापार सुविधा उपायों को शुरू करके व्यापार करने में आसानी को और बढ़ाने के लिए मजबूत प्रतिबद्धता का संकेत देता है। मंत्रालय ने कहा, सह सर्वेक्षण भारत में व्यापार करने में आसानी को बढ़ाने और देश में व्यापार सुविधाजनक माहौल को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सीमा शुल्क विभाग की ओर से उठाए गए फेसलेस कस्टम्स, ट्यूरेंट कस्टम्स जैसे व्यापार सुविधा उपायों के प्रभाव को दर्शाता है।

गर्मी पड़ने के बाद भी कोका कोला की बिक्री में आई कमी

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में जैसे ही गर्मियों की दस्तक होती है, बेवरेज इंडस्ट्री तगड़ा बिजनेस करती है। कह सकते हैं कि उनका आधे से ज्यादा व्यापार इसी मौसम पर टिका रहता है। लेकिन कोका कोला कंपनी की कहानी कुछ अलग है। उसका कहना है कि इस बार गर्मियों में क्योंकि बारिश हुई है, इस वजह से इसका असर सेल पर भी पड़ गया है। इस बारे में कोका कोला इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट सुदीप बजोरिया कहते हैं कि ये हमारे के लिए काफी चुनौतीपूर्ण गर्मी रही है। लेकिन इतना जरूर कहा जा सकता है कि जहां से शुरू किया था, उस लिहाज खत्म तो बेहतर स्थिति में कर रहे हैं। सुदीप ने इस बात पर भी जोर दिया कि कंपनियों को ही अब अपने ग्राहकों को और बेहतर तरीके से समझना होगा। गर्मियों में बारिश होना पिछले कुछ सालों में आम बात हो गई है, ऐसे में बदलने का जिम्मा बेवरेज कंपनियों के ऊपर है। वैसे इस समय कोका कोला की जो डाइट कोक आती है, वो भी विवादों में चल रही है। कारण ये है कि एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उस कोक में आर्टिफिशिय शुगर मिलाई जाती है। कोल ड्रिंग को मीठा किया जाता है। ये सवाल जब सुदीप से पूछा गया तो उन्होंने इस पर कोई भी जवाब देने से मना कर दिया।

विदेश

भारतीय मिशन पर कोई भी प्रत्यक्ष हमला अस्वीकार्य

लंदन। सोशल मीडिया चैनलों पर खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा भारत विरोधी दुष्प्रचार के बीच ब्रिटिश सरकार का यह बयान सामने आया है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली ने ट्विटर पर घोषणा की कि देश में भारत के राजनयिक मिशन के कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। अमेरिका, आस्ट्रेलिया और कनाडा में भारतीय राजनयिक मिशन को निशाना बनाए जाने और ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी और बर्मिंघम में भारत के महावाणिज्यदूत डा शशांक विक्रम की तस्वीरों के साथ कुछ धमकी भरे पोस्टर आनलाइन सामने के बीच क्लेवरली ने कहा कि लंदन में भारतीय उच्चायोग पर कोई भी प्रत्यक्ष हमला पूरी तरह से अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि हमने विक्रम दोरईस्वामी और भारत सरकार को स्पष्ट कर दिया है कि उच्चायोग में कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोपरि है। मार्च में खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा उच्चायोग की इमारत को निशाना बनाए जाने के बाद से मध्य लंदन में इंडिया हाउस में मेट्रोपालिटन पुलिस ने सुरक्षा को कड़ा कर दिया है।

श्रीलंकाई संसद अध्यक्ष ने भारत से कहा शुक्रिया

वित्तीय संकट से आपने हमें बचाया

एजेंसी। काठमांडू

भारत श्रीलंका का एक बहुत करीबी सहयोगी और भरोसेमंद दोस्त रहा है। जब भी हम मुसीबत में पड़े भारत ने हमेशा मदद की

श्रीलंका के संसद के अध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्धने ने कहा है नई दिल्ली ने कोलंबो को जिस तरह की मदद प्रदान की उस तरह की मदद किसी अन्य देश द्वारा नहीं की गई। ध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्धने ने पिछले साल अभूतपूर्व आर्थिक संकट के दौरान श्रीलंका को बचाने और खून-खराबा रोकने के लिए भरोसेमंद दोस्त भारत के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पिछले साल श्रीलंका को भीषण आर्थिक संकट दौरान भारत ने पड़ोसी प्रथम' की अपनी नीति के तहत विभिन्न माध्यमों से कोलंबो को लगभग चार अरब डॉलर की मदद प्रदान की थी। इंडियन ट्रैवल कांग्रेस के प्रतिनिधियों के लिए शुक्रवार को यहां आयोजित भव्य रात्रिभोज समारोह में अपने संबोधन में अभयवर्धने ने कहा कि भारत ने वित्तीय संकट के दौरान हमें बचा लिया, अन्यथा हम सभी को एक और रक्तपात का सामना करना पड़ता। उन्होंने नकदी संकट का सामना कर रहे श्रीलंका को दी गई मदद के लिए भारत को धन्यवाद दिया और दोनों देशों तथा उनकी संस्कृतियों के बीच सभ्यतागत संबंधों तथा समानताओं को याद किया। अभयवर्धने ने कहा, श्रीलंका और भारत सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और नीतिगत रूप से बहुत करीब से जुड़े हुए देश हैं तथा सबसे ऊपर, भारत श्रीलंका का एक बहुत करीबी सहयोगी और भरोसेमंद दोस्त रहा है। जब भी हम मुसीबत में पड़े भारत ने हमेशा मदद की। उन्होंने कहा, और, इस बार भी, आज, मैंने सुना है कि भारत हमारे ऋणों के पुनर्गठन को 12 वर्ष के लिए बढ़ाने को तैयार है। कभी ऐसी उम्मीद नहीं थी और न ही इतिहास में भी किसी देश ने इस तरह की सहायता दी है। अभयवर्धने ने कहा, मैं बताना चाहता हूं कि पिछले साल हम पर जो मुसीबत आई थी, उसके दौरान आपने (भारत ने) हमें बचाया, भारत ने हमें बचाया, अन्यथा हम सभी के लिए एक और रक्तपात होता। तो, इस तरह भारत हमारी मदद के लिए आगे आया।" उन्होंने श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त गोपाल बागले, श्रीलंका के पर्यटन और भूमि मंत्री हरिन फर्नांडो और श्रीलंका सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में यह टिप्पणी की।

नेपाली की राजनीति में भारत का कोई दखल नहीं : ओली

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली ने कहा कि प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड' की एक हालिया टिप्पणी को लेकर भारत को विवाद में नहीं घसीटा जाना चाहिए जिसमें प्रचंड ने कहा था कि नेपाल में भारतीय कारोबारी सरदार प्रीतम सिंह ने उन्हें प्रधानमंत्री बनाने के प्रयास किए थे। प्रंचड ने कहा था, उन्होंने (सिंह ने) एक बार मुझे प्रधानमंत्री बनाने का प्रयास किया था। प्रचंड ने एक किताब के विमोचन कार्यक्रम में कहा, उन्होंने मुझे प्रधानमंत्री बनाने के लिए कई बार दिल्ली की यात्रा की और काठमांडू में राजनीतिक नेताओं के साथ कई दौर की बातचीत की। उनकी टिप्पणी ने विवाद खड़ा कर दिया है और कई हलकों से इसकी आलोचना हुई है और संसद की कार्यवाही भी ठप्प कर दी गई है। प्रचंड की टिप्पणी पर ओली ने कहा, भारत अच्छी तरह से जानता है कि नेपाल में सरकार गठन में हस्तक्षेप करना नेपाल की संप्रभुता का उल्लंघन होगा और उसने ऐसा नहीं किया है और न ही करेगा।

सख्ती

तालिबान ने औरतों के ब्यूटी सैलून पर लगाई पाबंदी, कहा

इस्लाम इसकी इजाजत कभी नहीं देता

एजेंसी। काबुल

तालिबान ने कहा है कि अफगानिस्तान में महिलाओं के ब्यूटी सैलून पर पाबंदी लगाई गई है, क्योंकि ये ऐसी सेवाएं देते हैं जो इस्लाम में हराम हैं। पाबंदी की दूसरी वजह ये भी है कि विवाह के दौरान दूल्हे के परिवार के लिए यह आर्थिक परेशानी का कारण बनते हैं। तालिबान का यह बयान ऐसे वक्त आया है जब कुछ दिन पहले ही उसने देश के सभी सैलून को अपना करोबार समेटने और दुकान बंद करने के लिए एक महीने का वक्त दिया है। तालिबान के इस फरमान पर अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों ने महिला उद्यमियों पर इसके प्रभाव को लेकर चिंता जताई है। अफगान महिलाओं व लड़कियों की आजादी और उनके अधिकारों पर पाबंदी लगाने वाला यह हालिया फैसला है। इससे पहले तालिबान महिलाओं व लड़कियों की शिक्षा, सार्वजनिक स्थान पर जाने और रोजगार के अधिकतर तरीकों पर पाबंदी लगा चुका है। बृहस्पतिवार को जारी एक वीडियो क्लिप में तालिबान शासित धार्मिक मामलों के वर्चु एंड वाइस मंत्रालय के प्रवक्ता सादिक अकिफ महजर ने ऐसे कई सैलूनों को सूचीबद्ध किया। उन्होंने कहा कि भवों को आकार देना, मेकअप का इस्तेमाल करना, किसी महिला के प्राकृतिक बालों को बढ़ाने के लिए दूसरों के बाल का इस्तेमाल करना आदि इस्लाम के खिलाफ है। महजर ने कहा कि ब्यूटी सैलून विवाह के दौरान दूल्हे के परिवार के लिए आर्थिक परेशानी का कारण बनते हैं क्योंकि यहां दुल्हन के मेकअप का खर्चा दूल्हे के परिवार को उठाना होता है। उनका कहना है कि ये बेवजह की कसरत होती है जिसकी वजह से पैसे की बबार्दी होती है और दूल्हे के परिवार को दुल्हन पक्ष की और भी महिलाओं के सैलून जाने का खर्च उठाना होता है। गौरतलब है कि अफगानिस्तान का नियंत्रण तालिबान के हाथ में जाने के बाद महिलाओं के खिलाफ कई सारे फैसले किए जा चुके हैं। तालिबान मानता है कि महिलाओं को आजादी देना इस्लाम के खिलाफ है। उसके इन कदमों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खासी निंदा भी की जा चुकी है।

डॉलर छोड़ भारतीय रुपए में व्यापार करेगा बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश के 2 बैंक अब भारत के साथ व्यापार भारतीय रुपए में ही करने की योजना बना रहे हैं। ईस्टर्न बैंक और सोनाली बैंक ने ऐसा करने का ऐलान किया है। ईस्टर्न बैंक इस संबंध में 11 जुलाई को घोषणा कर सकता है। यह कदम ऐसे मौके पर उठाया गया है जब बांग्लादेश के विदेशी मुद्रा भंडार में अप्रत्याशित गिरावट देखने को मिल रही है। ये बैंक डॉलर पर निर्भरता को कम करने के लिए भारतीय रुपए के इस्तेमाल की योजना बना रहे हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार ईस्टर्न बैंक, 11 जुलाई को इसकी घोषणा कर देगा। यह बैंक रइक और क्ळक्ळक के साथ पहले ही रुपया खाता खोल चुका है। बांग्लादेश के सरकारी बैंक सोनाली बैंक ने भी इसी तरह का कदम उठाया है। गौरतलब है कि दुनियाभर में डॉलर की बजाय स्थानीय करेंसी को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि वित्तीय संकट के समय विदेशी मुद्रा भंडार बचान में मदद मिल सके। ईस्टर्न बैंक के एमडी ने रुपए में ट्रेड के फायदों के बारे में कुछ अन्य बातें भी कही हैं। ईस्टर्न बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर अली रजा इफ्तिखार ने गुरुवार को बताया।

पेज एक के शेष

फूलों की खेती से ...

खेती की जानकारी और उसके फायदे भी बताये गये थे, जिसके बाद फूल की खेती प्रारंभ किया है। फूल के साथ-साथ माला बनाकर भी बेचते हैं। इससे अच्छी आमदनी हो रही है। फूलों की खेती में बहुत फायदा समझ में आ रहा है। कम लागत में ज्यादा मुनाफा हो रहा है। आसपास के किसान भी फूल की खेती देखने आते हैं और इसके संबंध में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

अच्छी आमदनी कर रहे किसान : गढ़वा के किसानों की आमदनी बढ़ाने के उद्देश्य से उद्यान विभाग द्वारा उद्यान विकास योजना एवं राज्य बागवानी मिशन योजना के तहत किसानों को गेंदा, गुलाब और ग्लैडियोलस के पौधे उपलब्ध कराये गये। साथ ही उन्हें जागरूक भी किया गया। अब यहां के किसान फूलों की खेती से अच्छी आमदनी कर रहे हैं और वे आर्थिक रूप से मजबूत होने लगे हैं।

फूल की खेती को दिया जाएगा बढ़ावा : पलामू के उद्यान पदाधिकारी शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि जिले के चैनपुर प्रखंड में 99 किसानों के बीच गेंदा, जरबेरा एवं ग्लैडियोलस के पौधे उपलब्ध कराये गये थे। इसका बेहतर रुझान देखने को मिला। फूलों की खेती को किसान आमदनी का उत्कृष्ट व्यवस्था मान रहे हैं। प्रारंभिक तौर पर चैनपुर में कलस्टर स्तर पर फूल की खेती कराने के उद्देश्य से किसानों को फूल के पौधे उपलब्ध कराये गये थे।

आदिवासी संगठनों ने...

कि आने वाला समय में आदिवासी मूलवासी समाज संघर्ष करने के लिए तैयार रहें। आदिवासी सेना के अलविंन लाकड़ा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश में संविधान को समाप्त करना चाहता है। यह धर्मनिरपेक्ष देश है। यहां सभी जाति के लोग रहते हैं। ऐसी परिस्थिति में संघर्ष जारी रखना होगा। आदिवासी संगठनों के घेराव को देखते हुए सुबह से ही बीजेपी प्रदेश कार्यालय के सामने भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती थी। जगह-जगह पर पुलिस बैरिकेडिंग के जरिए आंदोलनकारियों पर नजर रखी जा रही थी। बीजेपी कार्यालय में आनेवाले लोगों पर नजर रखी जा रही थी। खुद बाबूलाल मरांडी प्रदेश कार्यालय में बैठे रहे और कार्यकताओं से मिलते रहे। इस दौरान उन्होंने मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए इस आंदोलन को राजनीतिक नौटंकी बताते हुए आंदोलनकारियों को झारखंड में आदिवासी परिवार के साथ हुई घटना के लिए हेमंत सोरेन के आवास को घेरने की सलाह देते नजर आए।

नाबालिग लड़कियों का ...

पर पुलिस ने चिन्हित स्थान पर छापामारी की। छापामारी के दौरान पुलिस ने एक घर से दोनों लड़कियों को बरामद किया। वहीं चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। एसडीपीओ ने बताया कि आरोपितों ने दोनों नाबालिग लड़कियों का अपहरण कर कई बार दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में कई अन्य आरोपी भी शामिल हैं, जिन्हें चिन्हित करते हुए पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

एसडीएम ज्योति मौर्या और नर्स ....

महिला को सिर्फ घर की जिम्मेदारियों का बोझ उठाना पड़ेगा, जैसा पुराने समय मे होता रहा है। उत्तर प्रदेश के ज्योति मौर्या का केस यह है कि उसका पति आलोक मौर्या प्रयाग में तृतीय श्रेणी का कर्मचारी है । गांव में रहने वाले आलोक व उसके पिता को लगा कि बहू ज्योति पढ़ने में तेज है और वह पढ़ना चाहती है , तो दोनों ने उसे पढ़ाया, खर्चा देकर कोचिंग कराया। ज्योति पहले स्कूल में अध्यापक पद पर नियुक्त हुई। उसके बाद सीपीएस की तैयारी करने को कही तो पति व ससुर ने कहा ठीक है , हम खर्च देंगे, तुम तैयारी करो। ज्योति पीसीएस हो गई । फिलहाल बरेली में तैनात है। उसके दो बच्चे भी हैं। लेकिन अब ज्योति का एक पुलिस अफसर के साथ चर्चा जोर पकड़ ली है। उसके पति ने इसके बारे में कुछ काल डिटेल व कहीं रूकने का विवरण दिया है। पत्नी ज्योति का अपना अलग तर्क है। लेकिन, इसका असर उ.प्र. व बिहार में दिखने लगा है। पटना के मशहूर कोचिंग शिक्षक खान सर के एक वायरल वीडियो में उन्हें यह कहते हुए लोग सुन रहे हैं कि बीपीएससी बैच के 93 लोगों ने अपनी पत्नी को कोचिंग से हटा लिया। खान सर के इस वीडियो की पुष्टि यह अखबार नहीं करता है, लेकिन यह तेजी से वायरल हुआ है। ज्योति मौर्या केस का जमीन पर प्रभाव बिहार के बक्सर में सामने दिखा था, जहां इसी हफ्ते एक महिला की पढ़ाई पति ने छुड़वा दी। वायरल वीडियो में खान सर ने अपने अंदाज में जो बातें कहीं, वह हिंदी में इस तरह है- हमारे यहां से बीपीएससी बैच में 93 के आसपास लोग आकर अपनी पत्नी को लेकर चले गए। उस... (बोले गए शब्द को सुधारा) भौजी ने ऐसा काम किया कि पूरे इंडिया को तबाह कर दिया। वह बेचारा पढ़ाया-लिखाया। लोन लेकर एसडीएम बनाया और छोड़कर चली गई। उसको ऐसा नहीं करना चाहिए था।जो लोग पत्नी को ले जाने आए, हमने उन्हें समझाया कि यह गलत बात है। ऐसा नहीं होना चाहिए। किसी की गलती की सजा किसी और को कैसे दी जा सकती है? हमलोग कितना समझाएंगे! जितना को समझा सकते थे, समझाया। लेकिन, 93 तो एडमिशन कटवाकर चले गए। किसी के पारिवारिक मामलों में हमलोग कितना पड़ सकते हैं?

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist &
Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए
50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

प्रधानमंत्री मोदी ने बीकानेर से किया चुनावी शंखनाद, बोले-

कांग्रेस लूट की दुकान, झूठ का बाजार है

एजेंसी। बीकानेर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को बीकानेर के नौरंगदेसर से चुनावी शंखनाद का आगाज कर दिया। विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए वे बोले कि कांग्रेस का एक ही मतलब है, लूट की दुकान और झूठ का बाजार। यहां आई भीड़ का उत्साह बताता है कि राजस्थान में मौसम का पारा नहीं जनता का पारा भी कांग्रेस के खिलाफ चढ़ चुका है। जब जनता का पारा चढ़ता है तो सत्ता बदलते वक्त नहीं लगता। विकास के मामले में पिछले चार वर्षों में हालात उलट है। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि दूसरे की कमजोरियों पर नहीं अपने परिश्रम पर भरोसा रखना है। राजस्थान की कांग्रेस सरकार का जाना बहुत जल्द तय होगा। भाजपा की सरकार बनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे, मुझे भरोसा है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस की झूठ की राजनीति का शिकार सबसे ज्यादा राजस्थान का किसान हुआ है।

पिछले चुनावों में किसानों का कर्जा माफ करने का वादा किया था। कांग्रेस के नेताओं ने दस दिन में कर्जा माफ करने की कसम खाई थी। दस दिन, 10 महीने और आज 4 साल में भी कर्जा माफ हुआ क्या? यहां हर कोई एक-दूसरे की टांग खींच रहा है। अपने-अपने झूठ को मजबूत बनाने के लिए खुलेआम सौदेबाजी हो रही है। एक गुट के विधायकों को लूट की खुली छूट मिली हुई है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की नूरा कुश्ती बहुत हुई अब लोकतंत्र के अखाड़े में जनता जनार्दन फैसला करेगी। अब राजस्थान को परिवाद नहीं विकासवाद चाहिए।

पीएम ने किया 24,300 करोड़ की परियोजनाओं कालोकार्पण-शिलान्यास

पीएम ने राजस्थान के बीकानेर में 24,300 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने अमृतसर-जामनगर आर्थिक गलियारे के छह लेन वाले ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे खंड का लोकार्पण किया। राजस्थान में इस गलियारे की लंबाई 500 किमी से अधिक है, जो हनुमानगढ़ जिले के जाखड़ावाली गांव से जालोर जिले के खेतलावास गांव तक फैली हुई है। इसे लगभग 11,125 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किया गया है। इस एक्सप्रेसवे से यात्रा के समय में काफी कमी आएगी और प्रमुख शहरों एवं औद्योगिक गलियारों के बीच परिवहन सुविधा में सुधार होगा। एक्सप्रेसवे न केवल वस्तुओं के निर्बाध परिवहन की सुविधा प्रदान करेगा, बल्कि इससे पर्यटन और आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा। प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में बिजली क्षेत्र को बढ़ावा देते हुए, लगभग 10,950 करोड़ रुपये की लागत से हरित ऊर्जा गलियारे के लिए निर्मित अंतर-राज्य ट्रांसमिशन लाइन के चरण-कका लोकार्पण किया। यह हरित ऊर्जा गलियारा लगभग 6 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा को एकीकृत करेगा और पश्चिमी क्षेत्र में ताप विद्युत उत्पादन और उत्तरी क्षेत्र में जल विद्युत उत्पादन के साथ नवीकरणीय ऊर्जा के ग्रिड संतुलन में मदद करेगा, जिससे उत्तरी क्षेत्र और पश्चिमी क्षेत्र के बीच ट्रांसमिशन क्षमता मजबूत होगी। प्रधानमंत्री ने बीकानेर-भिवाड़ी ट्रांसमिशन लाइन का भी लोकार्पण किया। लगभग 1,340 करोड़ रुपये की लागत से पावर ग्रिड द्वारा विकसित की जाने वाली बीकानेर-भिवाड़ी ट्रांसमिशन लाइन राजस्थान में 8.1 गीगावॉट सौर ऊर्जा के उपयोग में मदद करेगी। प्रधानमंत्री ने बीकानेर में 30 बिस्तरों वाले नए कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पताल का लोकार्पण किया। इस अस्पताल में 100 बिस्तरों तक के विस्तार की क्षमता होगी। यह अस्पताल एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुविधा केन्द्र के रूप में काम करेगा, स्थानीय समुदाय की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करेगा और सुलभ तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करेगा।

भारत-मंगोलिया के बीच संसदीय सहयोग को मजबूत करने के लिए हुआ समझौता

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत और मंगोलिया की संसदों के बीच संसदीय सहयोग को मजबूत करने और इसका विस्तार करने के लिए महत्वपूर्ण समझौता किया गया है। मंगोलिया की यात्रा के दौरान लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला और मंगोलिया के स्टेट ग्रेट खुराल (मंगोलिया की संसद) के स्पीकर जी. जंडनशतर ने समझौते के इस ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। इस मौके पर मंगोलिया की संसद के स्पीकर जी. जंडनशतर ने लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला को सम्मानस्वरूप एक घोड़ा उपहार के तौर पर दिया। बिरला ने इस उपहार के लिए धन्यवाद कहते हुए इस घोड़े का नाम 'विक्रान्त' रख दिया। मंगोलिया की तीन दिवसीय यात्रा पर गए भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे बिरला आज गैंडनटेगचेनलिंग मठ गए जहां डा लामा और खंबा नोमुन खान ने उनका स्वागत किया। गैंडनटेगचेनलिंग मठ मंगोलिया में बौद्ध धर्म का मुख्य केंद्र है। इस मठ

में बौद्ध ज्ञान और कलात्मक वस्तुओं सहित अमूल्य बौद्ध विरासत का भंडार है। यह मठ अपने विभिन्न पारंपरिक कॉलेजों के माध्यम से भिक्षुओं के साथ ही आम छात्रों को भी धार्मिक और समकालीन शिक्षा प्रदान करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 2015 में इस मठ का दौरा किया था और प्रमुख एबॉट को एक बोधि वृक्ष का पौधा सौंपा था। इस अवसर पर बिरला ने कहा कि भगवान बुद्ध की 'कर्मभूमि' के रूप में भारत मंगोलिया में बौद्ध विरासत के संरक्षण के लिए पूर्ण रूप से सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत और मंगोलिया के बीच बौद्ध धर्म और आध्यात्मिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए महामहिम खंबा नोमुन खान को वर्ष 2022 का आईसीसीआर बौद्ध पुरस्कार प्रदान करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने उन्हें बधाई दी और साथ ही यह आश्वासन भी दिया कि भारत मंगोलिया में बौद्ध धर्म को बढ़ावा देने के लिए मठ की विभिन्न पहलों का समर्थन करना जारी रखेगा। बाद में, बिरला ने पेथुब मठ का भी दौरा किया जहां ग्रैंड एबॉट ने उनका स्वागत किया। बिरला ने मठ में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। गांधी की यह प्रतिमा भारत-मंगोलिया के बीच सुदृढ़ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों का प्रतीक है।

NEWS इन ब्रीफ

तेलंगाना में सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत, पांच घायल

आदिलाबाद। तेलंगाना के आदिलाबाद जिले के गुड़ीहथनूर मंडल के मी कालागंडी गांव में शनिवार सुबह दो वाहन की टक्कर से चार लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घटना आज सुबह उस वक्त हुई, जब ऑटोरिक्शा इचोदा से आदिलाबाद जा रहा था। इसमें 10 लोग सवार थे। उसी दौरान, ऑटो अन्य वाहन से टकरा गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गयी और पांच लोग घायल हो गए। घायलों को आदिलाबाद के रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना से सम्बन्धित मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गयी है।

बीएसएफ ने पाकिस्तानी ड्रोन किया बरामद

चंडीगढ़। पाकिस्तानी नशा तस्कर और घुसपैठिए लगातार ड्रोन के जरिए भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे हैं लेकिन बीएसएफ जवान लगातार इन कोशिशों को नाकाम कर रहे हैं। ताजा मामले में बीएसएफ जवानों को तरनतारन जिले के राजोके गांव से एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद करने में सफलता मिली है। मिली जानकारी के मुताबिक यह पाकिस्तानी ड्रोन बीती रात करीब 9:05 बजे भारतीय सीमा में दाखिल हुआ।

पार्टी से जो चले गए उन्हें वापस नहीं बुलाएंगे : शरद पवार

एजेंसी। मुंबई

राकांपा के अध्यक्ष शरद पवार ने पार्टी में बगावत पर कहा कि जो लोग चले गए उन्हें नहीं बुलाएंगे, लेकिन वे नहीं चाहते पार्टी में टकराव और बढ़े। भतीजे अजीत पवार द्वारा उनकी उम्र के बारे में उठाए गए सवाल पर शरद पवार ने कहा कि न टायर हूं, न रिटायर हूं, मैं फायर हूं। शरद पवार ने नासिक में पत्रकारों से कहा कि उनकी उम्र को लेकर सवाल खड़ा किया गया। जबकि पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई 84 साल की उम्र में हमसे अधिक और चुस्ती से काम करते थे। जिन लोगों ने यह सवाल खड़ा किया है, उनके कैबिनेट में 78 साल से अधिक उम्र के भी हैं। वे किसी पर आरोप नहीं लगाना चाहते। शरद पवार ने कहा कि हमारी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में 23 प्रदेश अध्यक्ष शामिल हुए, कार्यकारिणी के चार को छोड़कर सभी सदस्य उपस्थित थे, लेकिन पार्टी को अवैध बताने वाले सारे रिकॉर्ड रखने के लिए जिम्मेदार थे। अगर जिम्मेदार लोगों ने रिकार्ड ठीक से नहीं रखा होगा तो गाज उन पर गिरेगी।

बंगाल में बम कल्चर को बढ़ावा दे रहीं ममता : अनुराग ठाकुर

एजेंसी। नई दिल्ली

मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने पश्चिम बंगाल में जारी चुनावी हिंसा पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने आज यहां एक वक्तव्य में कहा कि ममता बनर्जी की ऐसी क्या मजबूरी है कि बंगाल में किसी भी चुनाव में हत्या, आगजनी, अराजकता के बिना उनका मन नहीं मानता। ममता दीदी के इशारे पर टीएमसी ने हत्या को ही सत्ता की गारंटी मान लिया है। ठाकुर ने कहा, दिल्ली में बारिश हो रही है पर बंगाल में बम वर्षा हो रही है। बंगाल का बम कल्चर आज पूरी दुनिया में भारत और लोकतंत्र को शर्मसार कर रहा है। बैलट बॉक्स के उपयोग पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ठाकुर ने कहा, आखिर क्यों ये लोग ईवीएम से हटकर बैलट बॉक्स पर जाना चाहते हैं? आपने देखा होगा कि कैसे ये लोग बैलट बॉक्स लेकर भाग रहे हैं। बैलट बॉक्स में रिगिंग हो रही है और वर्चस्व कायम करने के लिए हत्याएं हो रही हैं। पंचायती राज में अपनी सरकार स्थापित करने के लिए आखिर ममता बनर्जी किस हद तक गिरेंगी। उन्होंने कहा, बंगाल में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है। 12 से ज्यादा लोगों की हत्या हो चुकी हैं। कई लोग घायल हैं। आज पूरा देश और दुनिया ममता बनर्जी की सरकार पर सवाल उठा रहा है। आज देश कह रहा है कि ममता बनर्जी में अपने ही राज्य के लोगों के प्रति ममता नहीं है।

बिहार के महागठबंधन में बढ़ता तकरार

मंत्री और एमएलसी आमने-सामने

एजेंसी। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भले ही देश के स्तर पर विपक्षी दलों को एकजुट करने के प्रयास में जुटे हों, लेकिन हाल के दिनों में जिस तरह शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर और विभाग के आईएएस अधिकारी केके पाठक का विवाद पार्टी स्तर तक पहुंचा, उससे लग रहा है कि महागठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। जिस तरह बिहार के मंत्री और जदयू के नेता अशोक चौधरी और राजद नेता और एमएलसी सुनील कुमार सिंह बयान दे रहे हैं, उससे साफ है कि राजद और जदयू के बीच खींची लकीर अब मोटी होती जा रही है। एमएलसी सुनील कुमार सिंह ने मंत्री अशोक चौधरी पर सीधा सियासी हमला बोलते हुए कहा कि वह हर रोज पार्टी बदलते हैं। सुनील कुमार सिंह ने उन पर व्यक्तिगत निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें जंगलराज याद आ रहा है, लेकिन उन्हें यह भी याद होना चाहिए कि अगर लालू प्रसाद नहीं होते तो वे जेल में होते। उन्होंने यहां तक कहा कि उनका नाम एक नेता की हत्या में आया था। सिंह ने चौधरी पर बराबर दल बदलने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे कई घाट का पानी पी चुके हैं।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच करेगी 'सर्व सेवा संघ' मामले की सुनवाई

आरएनएम । नई दिल्ली

गांधीवादी मूल्यों के प्रचार में लगी वाराणसी के राजघाट की सोसायटी सर्व सेवा संघ की एक इमारत को गिराने के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। वाराणसी के जिलाधिकारी के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय 10 जुलाई को सुनवाई करेगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने शुक्रवार को वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण की दलीलों का संज्ञान लेकर कहा कि वह जिला मजिस्ट्रेट को सूचित कर सकते हैं कि हम सोमवार को याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमत है और इस बीच ढांचा ढहाया नहीं जाएगा। सर्व सेवा संघ से जुड़े सूत्रों का कहना है कि सत्ता से जुड़े कुछ संगठनों व उनके पदाधिकारी रहे जो अब केन्द्र के कुछ संगठन में पड़े पद पर हैं वे गांधी,विनोबा,जेपी के विचारों वाली इस पुरानी संस्था को हड़पना चाहते हैं। वे लोग सरकार व सरकारी तंत्र की मदद से यह एक सोची , समझी रणनीति के तहत कर रहे हैं। और ऐसा केवल वाराणसी में ही नहीं हो रहा है। देश के अन्य जगह भी जहां ऐसी संस्थाएं हैं ,उनमें से कई पर भी इन लोगों व उनकी संस्था द्वारा कब्जा करने का उपक्रम चल रहा है। सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ भूषण ने इस मामले की तत्काल सुनवाई और इमारत को गिराने के आदेश पर रोक लगाने का अनुरोध किया था। उनका कहना था कि महात्मा गांधी के विचारों और दर्शन का प्रचार करने के लिए आचार्य विनोबा भावे ने 1948 में सर्व सेवा संघ की स्थापना की थी। अब स्थानीय प्रशासन की तरफ से इमारत को ध्वस्त करने की कोशिश की जा रही है। सीजेआई ने कहा कि हम इसे सोमवार 10 जुलाई को सुनवाई के लिए लिस्ट करेंगे।सर्व सेवा संघ ने इससे पहले वाराणसी में 12.90 एकड़ भूखंड पर बने ढांचों को गिराने के लिए उत्तर रेलवे के नोटिस को चुनौती देते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट का रुख किया था। संगठन ने कहा कि वाराणसी के परगना देहात में उसके परिसर के लिए जमीन उसने केंद्र सरकार से 1960, 1961 और 1970 में तीन तीन रजिस्टर्ड सेल डीड के जरिये खरीदी थी।

पति की तलाश में फिर निकलीं राखी सावंत

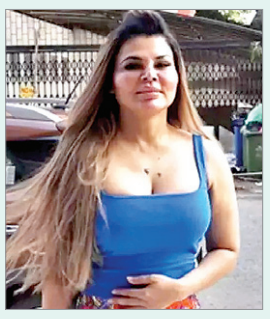

ड्रामा क्वीन के नाम से मशहूर एक्ट्रेस राखी सावंत अपने अनोखे अंदाज के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने टमाटर के दाम बढ़ने पर नाराजगी जताई थी। अब यह बात सामने आई है कि राखी एक बार फिर से अपने लिए पति की तलाश कर रही हैं। रितेश और आदिल खान के बाद राखी ने तीसरी बार शादी करने की इच्छा जताई, जिसका वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। राखी के इस वीडियो को देखने के बाद नेटिजन्स ने उनकी तुलना उर्फी जावेद से कर दी है। राखी सावंत का यह वीडियो सेलिब्रिटी फोटोग्राफर ने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया गया है। इस वीडियो में राखी भरी बारिश में अपने ही सिर पर अंडे तोड़ती नजर आ रही हैं। साथ ही ऐसा करते हुए राखी कह रही हैं, ""मुझे एक अच्छा पति मिल जाए। वह पूछती नजर आ रही हैं कि बाबा, मैंने सारे अंडे तोड़ दिए, मेरे पति कहां हैं।

'आदिपुरुष' के लेखक मनोज मुंतशिर ने जनता से मांगी माफी

ओम राउत द्वारा निर्देशित 'आदिपुरुष' 16 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म की रिलीज के बाद दर्शकों की ओर से लगातार विवादित डायलॉग्स को हटाने की मांग की जा रही थी। देशभर से भारी आलोचना के बाद संवाद लेखक मनोज मुंतशिर ने आश्वासन दिया कि फिल्म से नापसंद और विवादास्पद संवादों को जल्द ही हटा दिया जाएगा और दो दिन बाद 'आदिपुरुष' में कुछ संवादों को बदल दिया गया। मीडिया के सामने विवादित बयान देने के बाद फिल्म के डायरेक्टर के साथ-साथ मनोज मुंतशिर को भी सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। इन तमाम विवादों के बाद आखिरकार 23 दिन बाद मनोज मुंतशिर ने सार्वजनिक तौर पर अपनी गलती मानी है और सोशल मीडिया पर माफी मांगी है।

शरमन जोशी ने थ्री इडियट्स सीक्वल पर दिया बड़ा अपडेट

कब आएगा "थ्री इडियट्स" का सीक्वल? इस बारे में एक्टर शरमन जोशी से लगातार सवाल पूछे जा रहे हैं। कुछ दिनों पहले फिल्म की स्टार कास्ट आमिर खान, आर माधवन और शरमन एक वीडियो में एक साथ नजर आए थे, जिसके बाद फिल्म के सीक्वल की चर्चा शुरू हो गई थी। फैंस इन तीनों को फिर से बड़े पर्दे पर देखना चाहते हैं। अब शरमन ने सीक्वल को लेकर पूछे गए सवालों का जवाब दिया है। मीडिया से बात करते हुए शरमन ने कहा, "हमने कई बार अपने विचार शेयर किए लेकिन उसके बाद चर्चा ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाई। जैसा कि आप सभी जानते हैं कि राजकुमार हिरानी अच्छे सीक्वल बनाने की क्षमता रखते हैं लेकिन कहानी, गुणवत्ता और मानकों के मामले में वह किसी भी स्तर पर समझौता नहीं करते हैं। इसलिए हम सभी को उम्मीद है कि वे इस फिल्म का सीक्वल जरूर बनाएंगे।" आमिर, शरमन और आर माधवन का एक वीडियो सामने आया था, जिसके बारे में शरमन ने कहा, ऐसे कई प्रशंसक थे, जिन्होंने सोचा था कि हम तीनों सीक्वल के लिए एक साथ आए हैं। लेकिन जब उन्हें पता चला कि यह एक विज्ञापन है तो वे निराश हो गए। इतना ही नहीं फैंस से भी हमें ऐसे रिएक्शन मिले। लंबे समय के बाद एक साथ रहना वाकई रोमांचक था।"

आस्था पवित्र जलस्रोतों के जल से होगा अयोध्या में रामलला का जलाभिषेक

जोरशोर से हो रही प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी

एजेंसी। लखनऊ

रामनगरी अयोध्या में राममंदिर का निर्माण काफी तेज गति से चल रहा है। मंदिर में-प्राण प्रतिष्ठा को भव्य बनाने की तैयारी भी जोरशोर से हो रही है। प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर को इतिहास के पन्ने में दर्ज कराने के लिए प्रभु राम की मूर्ति का जलाभिषेक देश के प्रमुख व पवित्र जलस्रोतों से एकत्र जल से किया जाएगा। विश्व हिंदू परिषद की मानें तो रामलला की मूर्ति का शास्त्रीय विधान से जलाभिषेक करवाने की पूरी तैयारी है। विश्व हिंदू परिषद के अंतर राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि कुएं, तलाब, झील, नदी और जितने भी पुण्य स्थल हैं, वहां का जल

एकत्रित किया जाएगा और उससे जलाभिषेक किया जाएगा। गंगा, यमुना, गोदावरी, सतलुज, राप्ती, नर्मदा, सोन समेत प्रमुख सभी नदियों का पवित्र जल होगा। इसके अलावा बद्रीधाम स्थित नारद कुंड, अमृतसर के स्वर्ण मंदिर के सरोवर से जल भी होगा। इसी तरह बिहार के गया स्थित पवित्र नदी फल्गु, हरिणाणा के कुरुक्षेत्र स्थित सूर्य सरोवर, राजस्थान के पुष्कर सरोवर तथा दिल्ली स्थित गुरुद्वारा सीसगंज साहिब स्थित कुआं, जिसमें गुरु तेगबहादुर ने स्नान किया था, वहां के जल को भी अयोध्या भेजा जाएगा। उन्होंने बताया, रायपुर में विहिप की केंद्रीय प्रबंध समिति की बैठक में तय हुआ कि देशभर के जलस्त्रोतों से इकट्ठा किए गए जल से प्रभु राम का जलाभिषेक किया जाए। इसकी शुरूआत मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा के 10 दिन पहले से चलेगी। औसतन 200-200 ग्राम जल तांबे के बर्तन में धार्मिक अनुष्ठान के बाद रखा जाएगा। फिर इसे कूरियर से अयोध्या भेजने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी, जिसे अयोध्या में एक टैंक में इकट्ठा किया जाएगा। धर्म-कर्म के जानकार प्रसिद्ध शास्त्री सरोजकांत मिश्रा कहते हैं कि अभिषेक का मतलब होता है सिंचन करना। पुराने काल में जब किसी को राजा बनाया जाता था तो उसके सिर पर अभिमंत्रित जल की वर्षा की जाती थी। इसके लिए पवित्र नदियों के जल को एकत्रित किया जाता था। उसके बाद राजा को नहलाया जाता था। राम मंदिर में होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर शासन-प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। मुख्य सचिव दुगार्शंकर मिश्रा ने अयोध्या में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में होटल, रेस्तरां, डॉरमेट्री और धर्मशाला खुलवाने के निर्देश दिए हैं।